@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

मंगलवार, 14 अक्टूबर 2025

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 335 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

राजस्थान में तीन नए कानून समय पर न्याय देने का काम करेंगे : शाह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को 'ईज ऑफ लिविंग' दिया है और इन कानूनों से 'ईज ऑफ जस्टिस' भी मिलेगा।

एजेंसी

जयपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजस्थान में नए आपराधिक कानूनों पर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि 160 साल पुराने कानून को समाप्त कर केंद्र सरकार जो तीन नए कानून लाई है, उनके माध्यम से 2027 के बाद जो भी एफआईआर होगी, उस पर तीन साल के अंदर ही सुप्रीम कोर्ट तक न्याय दिलाने की व्यवस्था इस कानून से हो जाएगी। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा, 'तीन नए कानून सभी को सरलता से और समय पर सुलभ न्याय देने का कार्य करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को 'ईज ऑफ लिविंग' दिया है और इन कानूनों से 'ईज ऑफ जस्टिस' भी मिलेगा। हमारी न्याय प्रणाली अब दंड के स्थान पर न्याय के सिद्धांत पर कार्य करेगी।' उन्होंने अपील करते हुए कहा, 'आपराधिक न्याय से जुड़े लोगों को मेरा विनम्र अनुरोध है कि राजस्थान में लगाए गए तीन नए कानूनों पर आधारित प्रदर्शनी जरूर देखें।' उन्होंने कहा कि राजस्थान में सजा दिलाने की दर पहले महज 42 प्रतिशत थी। तीन नए कानून लागू हुए सिर्फ एक साल ही हुआ है और यह दर बढ़कर 60 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। अमित शाह ने कहा, 'जब इनका पूर्ण रूप से इंप्लीमेंटेशन हो जाएगा, तब सजा दिलाने की दर 90 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। इन कानूनों में सभी प्रकार की वैज्ञानिकता की व्यवस्था की गई है। उद्घाटन भाषण में केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, 'तीन नए कानूनों में 29 से अधिक स्थानों पर समय-सीमा भी निर्धारित की गई है। 90 दिनों में पीड़ित को अपडेट देना अनिवार्य है। 14 दिनों में पुलिस रिपोर्ट की प्रति पीड़ित को देनी होगी। 60 दिन और 90 दिन में चार्जशीट दाखिल करनी होगी।' अमित शाह ने कहा कि आपराधिक न्याय प्रणाली में मोदी सरकार के सुधार 21वीं सदी के सबसे बड़े रिफॉर्म्स हैं। इसके लागू होने के बाद हमारी न्याय प्रणाली पूरी दुनिया में सबसे आधुनिक बन जाएगी।

हजारीबाग में नक्सलियों के ठिकानों से कई हथियार बरामद

पुलिस-सीआरपीएफ को मिली कामयाबी

एजेंसी

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग जिले की पुलिस को नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। जिला पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने सोमवार को हजारीबाग-बोकारो जिले के सीमावर्ती जंगलों में सर्च ऑपरेशन के दौरान भारी मात्रा में हथियार और सामग्रियां बरामद की हैं। बरामद वस्तुओं में दो एसएलआर राइफल, मैगजीन, बड़ी संख्या में कारतूस, पिट्ठू बैग, वर्दी, दस्तावेज और अन्य नक्सली सामान शामिल हैं। हजारीबाग के एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि नक्सलियों का एक दस्ता सीमावर्ती इलाके में सक्रिय है और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने अभियान की रूपरेखा तैयार की और सुबह तड़के बलों को जंगल की ओर रवाना किया गया। सर्च ऑपरेशन के दौरान जंगल के एक गुप्त ठिकाने से नक्सलियों द्वारा छिपाई गई हथियारों की खेप और विस्फोटक सामग्री बरामद हुई। छापेमारी की भनक मिलते ही नक्सली मौके से भाग निकले। इससे पहले सितंबर महीने में इसी इलाके में पुलिस और सुरक्षा बलों के संयुक्त ऑपरेशन में सोमवार सुबह एक करोड़ के इनामी माओवादी नक्सली सहदेव सोरेन उर्फ प्रवेश सहित कुल तीन नक्सली मारे गए थे। यह मुठभेड़ जिले के बरकट्ठा-गोरहर थाना क्षेत्र के जंगल में हुई थी। भाकपा माओवादी संगठन हाल में पुलिस मुठभेड़ की घटनाओं में अपने कई साथियों के मारे जाने के विरोध में 8 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक प्रतिरोध सप्ताह मना रहा है। इस दौरान हिंसा फैलाने की उनके मंसूबों की खुफिया रिपोर्ट के आधार पर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने सभी नक्सल प्रभावित जिलों को अलर्ट कर रखा है।

जनसुराज की दूसरी लिस्ट जारी, 65 सीटों पर उतारे प्रत्याशी

पटना। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की पार्टी ने विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि हमने पहले ही कहा था कि समाज में जिसकी जितनी हिस्सेदारी है, उन्हें उतनी ही हिस्सेदारी मिलेगी। बिहार में अतिपिछड़ा समाज के लोगों की संख्या सबसे अधिक है। इसीलिए हमलोगों ने अब तक एक तिहाई सीटों पर इन्हें ही टिकट दिया है। आज दूसरी लिस्ट में 65 प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की गई है। इससे पहले 51 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की गई थी। अब तक 116 प्रत्याशी के नाम की घोषणा की गई है। इसमें सबसे अधिक संख्या अतिपिछड़ा समाज के लोगों की है। पीके ने कहा कि बिहार के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है जब किसी राजनीतिक दल ने इतने अधिक संख्या में अतिपिछड़ों को टिकट दिया है। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने 65 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी है। इससे पहले जनसुराज पार्टी ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए अपने पहले 51 प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में 7 सुरक्षित और 44 सामान्य सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की गई है। पार्टी ने जातीय संतुलन का ध्यान रखते हुए अति पिछड़ा वर्ग से 17 (16 हिंदू और 1 मुस्लिम), अन्य पिछड़ा वर्ग से 11, सामान्य वर्ग से 9 और अल्पसंख्यक वर्ग से 7 उम्मीदवार उतारे हैं। इसके अलावा, वाल्मीकिनगर विधानसभा सीट से एक अनुसूचित जनजाति उम्मीदवार को टिकट दिया गया है।

दिल्ली की हरियाली बढ़ाने को हमारी सरकार प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। राजधानी दिल्ली को प्रदूषण से बचाने और पर्यावरण को प्रभावी रूप से मजबूत करने के लिए दिल्ली सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार सरकार ने दक्षिणी रिज क्षेत्र के करीब 41 स्क्वेयर किलोमीटर क्षेत्र को आरक्षित वन क्षेत्र घोषित करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का यह भी कहना है कि अब हमारी सरकार ऐसे वन क्षेत्रों की खाली जमीनों पर देसी पेड़ लगाएगी, ताकि जमीन तो उपजाऊ रहे, साथ ही पर्यावरण भी मजबूत हो। उनका यह भी कहना है कि हमारी प्राथमिकता है कि दिल्ली को प्रदूषण मुक्त, हरित और संतुलित वातावरण वाली आधुनिक राजधानी बनाया जाए। दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा का भी कहना है कि हमारी सरकार का यह निर्णय राजधानी के प्रदूषण को कंट्रोल करने में प्रभावी भूमिका अदा करेगा। सरकार ने इस मामले में पूर्व सरकार पर सवालिया निशान भी खड़े किए हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जानकारी दी कि राजधानी के रिज क्षेत्र को करीब 20 साल से लावारिस मान लिया गया था। पूर्व सरकारों ने इस क्षेत्र को संरक्षित करने के लिए न कोई पहल की और न ही कोई कदम उठाया। इसका परिणाम यह हुआ कि कई रिज क्षेत्र में अतिक्रमण भी हो गया और वहां की हरियाली भी प्रभावित होने लगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने शुरू से ही दिल्ली के पर्यावरण व हरियाली को सुरक्षित व उसमें इजाफा करने की प्रतिबद्धता दिखाई थी और इसके लिए लगातार बैठकें व विभिन्न विभागों के के बीच समन्वय बनाया जा रहा था। परिणामस्वरूप हमारी सरकार ने यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री के अनुसार भारतीय वन अधिनियम-1927 के अधीन दक्षिणी रिज के करीब 41 स्क्वेयर किलोमीटर क्षेत्र को आरक्षित वन क्षेत्र घोषित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह निर्णय दिल्ली की हरियाली को प्रभावी रूप से सुरक्षित रखेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि दक्षिणी रिज क्षेत्र को आरक्षित वन क्षेत्र घोषित करने का यह प्रथम चरण है। दिल्ली के अन्य रिज क्षेत्र को भी शीघ्र ही आरक्षित वन क्षेत्र घोषित किया जाएगा। इसके लिए प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि आरक्षित वन क्षेत्र में जहां भी खाली भूमि होगी, वहां वन क्षेत्र को सघन करने के लिए देसी व फलदार पेड़ लगाए जाएंगे। इनमें नीम पीपल, शीशम, आम, इमली, जामुन आदि के पेड़ शामिल हैं। इसका सकारात्मक परिणाम यह होगा कि इस क्षेत्र की भूमि ऊपजाऊ रहे, जैव विविधता को मजबूती मिले, साथ ही वहां पर्यावरण संतुलन भी बना रहे। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी के पर्यावरण और हरियाली को लेकर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है। हमारी प्राथमिकता है कि दिल्ली को प्रदूषण मुक्त, हरित और संतुलित वातावरण वाली आधुनिक राजधानी बनाया जाए।

शेष पृष्ठ 3 पर

दुर्गापुर सामूहिक दुष्कर्म मामले में पुलिस ने पांचवें आरोपी को किया गिरफ्तार

आरोपी की पहचान स्थानीय निवासी शेख सफीकुल के रूप में हुई है।

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस ने सोमवार को दुर्गापुर सामूहिक दुष्कर्म मामले में पांचवें आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जिससे गिरफ्तारियों की कुल संख्या पांच हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान स्थानीय निवासी शेख सफीकुल के रूप में हुई है, जिसे दुर्गापुर से पकड़ा गया था। पुलिस के अनुसार, सफीकुल इलाके में एक रिश्तेदार के घर छिपा हुआ था। सोमवार को उसे दुर्गापुर उप-मंडल न्यायालय में पेश किया जाएगा, जहां पुलिस उसकी हिरासत की मांग करेगी। इससे पहले रविवार को, तीन अन्य आरोपियों (शेख रेयाजुद्दीन, फिरदौस शेख और अपू बाउरी) को गिरफ्तार कर 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया था। बाद में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

अब सभी पांचों नामजद आरोपी हिरासत में हैं, जांचकर्ता उनसे एक साथ पूछताछ करने और उस निजी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पास के जंगली इलाके में अपराध स्थल का पुनर्निर्माण करने की योजना बना रहे हैं जहां यह घटना हुई थी। पुलिस ने कहा कि सभी आरोपियों का डीएनए परीक्षण कराया जाएगा और इसके लिए व्यवस्था की जा रही है। यह मामला ओडिशा की एक द्वितीय वर्ष की मेडिकल छात्रा की शिकायत पर दर्ज किया गया है, जिसके साथ शुक्रवार रात दुर्गापुर स्थित उसके कॉलेज परिसर के बाहर कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया गया था। शिकायत के अनुसार, छात्रा अपने एक पुरुष मित्र के साथ रात के खाने के लिए बाहर गई थी, तभी मोटरसाइकिल सवार कुछ लोगों ने उसे घेर लिया और अश्लील टिप्पणी की और छात्रा के साथ दुष्कर्म किया।

पुलिस ने कहा कि पुरुष मित्र अभी भी हिरासत में है और उसके बयानों की पुष्टि करने और घटनाओं का क्रम जानने के लिए उससे पूछताछ की जा रही है।

रेल मंत्री बुधवार को करेंगे आईआरईई 2025 का उद्घाटन

चीन-रूस सहित 15 से अधिक देश लेंगे हिस्सा

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव 15 से 17 अक्टूबर तक यहां भारत मंडपम में आयोजित होने वाली 16वीं अंतरराष्ट्रीय रेलवे उपकरण प्रदर्शनी (आईआरईई 2025) का उद्घाटन करेंगे। सीआईआई व्यापार मेला परिषद के अध्यक्ष बी त्यागराजन ने सोमवार को यहां पत्रकारों को बताया कि भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा रेल मंत्रालय के सहयोग से आयोजित इस प्रदर्शनी में चीन और रूस सहित 15 से अधिक देशों के 400 से अधिक प्रदर्शक भाग लेंगे। जो 30 हजार से ज्यादा अत्याधुनिक रेलवे और मेट्रो उत्पादों, नवाचारों और टिकाऊ समाधानों का प्रदर्शन करेंगे। आईआरईई 2025 एक महत्वपूर्ण मंच है जो भारतीय रेलवे को वैश्विक प्रौद्योगिकी दिग्गजों से जोड़ता है। यह भारत की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता को दर्शाता है और साथ ही टिकाऊ एवं कुशल रेलवे समाधानों पर सहयोग को बढ़ावा देता है।

त्यागराजन ने कहा कि रेल मंत्रालय के सहयोग से, आईआरईई 2025 का उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना, व्यापार साझेदारी को सुविधाजनक बनाना और रेलवे प्रौद्योगिकी में भारत की बढ़ती क्षमताओं को प्रदर्शित करना है। रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक (सूचना और प्रचार) दिलीप कुमार ने कहा कि आईआरईई 2025 वैश्विक रेलवे प्रणाली का यह सबसे बड़ा आयोजन है। इसमें 15 से अधिक देशों के निर्माता भाग लेंगे। भारत की बात करें तो भारतीय रेलवे, रेलवे के पीएसयू और जोनल रेलवे की प्रोडक्शन इकाइयां भी इसमें हिस्सा लेंगी।

पूर्व आईएएस अधिकारी कन्नन गोपीनाथन कांग्रेस में हुए शामिल

केसी वेणुगोपाल ने दिलाई सदस्यता

एजेंसी

नई दिल्ली। कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद चर्चा में आए भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी कन्नन गोपीनाथन सोमवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्हें पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा, जिग्नेश मेवाणी और कन्हैया कुमार भी मौजूद रहे। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि कन्नन गोपीनाथन उन साहसी अफसरों में से हैं, जिन्होंने हमेशा वंचितों और हाशिये पर खड़े लोगों के लिए आवाज उठाई। गोपीनाथन का कांग्रेस में आना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो न्याय और समानता की विचारधारा पर कायम है। गोपीनाथन ने 2019 में इस्तीफा दिया था, लेकिन आज तक वह स्वीकार नहीं किया गया है। पवन खेड़ा ने इस मौके पर कहा कि कन्नन गोपीनाथन 2012 बैच के आईएएस अधिकारी रहे हैं। जब देश में बोलना कठिन हो गया था, तब उन्होंने साहस के साथ अपनी आवाज उठाई। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाए जाने, नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और वीवीपैट जैसे मुद्दों पर मुखर होकर केंद्र सरकार का विरोध किया। उनके खिलाफ कई एफआईआर दर्ज की गईं, प्रशासनिक दबाव डाला गया, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। उल्लेखनीय है कि कन्नन गोपीनाथन ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने और संचार प्रतिबंध के विरोध में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इस्तीफे के बाद उन्होंने कहा था कि सरकार को 370 हटाने का अधिकार है, लेकिन नागरिकों को प्रतिक्रिया देने का अधिकार भी होना चाहिए।

उत्तर बंगाल में बाढ़ के लिए ममता बनर्जी ने भूटान से मांगा मुआवजा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को उत्तर बंगाल में आई बाढ़ के लिए पड़ोसी देश भूटान को जिम्मेदार ठहराते हुए मुआवजे की मांग की है। उन्होंने दावा किया कि भूटान से आने वाली पानी के कारण उत्तर बंगाल के कई जिलों में बाढ़ आई और व्यापक नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री बनर्जी उत्तर बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के नागराकाटा क्षेत्र में राहत एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा के लिए पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने कहा, भूटान से पानी आने के कारण हमें भारी नुकसान उठाना पड़ा है। हम चाहते हैं कि वे इसका मुआवजा दें। उन्होंने यह भी कहा कि वह लंबे समय से भारत-भूटान संयुक्त नदी आयोग के गठन की मांग कर रही हैं।

कनाडाई विदेश मंत्री की पीएम मोदी और जयशंकर के साथ बैठक

द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा

एजेंसी

हजारीबाग। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पीएम मोदी ने कहा कि उनका दौरा दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय साझेदारी को गति देगा। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा गया कि पीएम मोदी ने विदेश मंत्री आनंद का स्वागत किया और बताया कि उनका यह दौरा द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊर्जा देगा। इस साल मई में कनाडा की विदेश मंत्री बनने के बाद अनीता आनंद की यह पहली भारत यात्रा है। पीएमओ के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी ने जून में जी-7 सम्मेलन के दौरान अपने कनाडा दौरे की चर्चा की, जिसमें उन्होंने कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ 'बेहद उत्पादक' मुलाकात की थी। पीएमओ ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार, ऊर्जा, तकनीक, कृषि और जन-जन संबंधों में सहयोग को बढ़ाना महत्वपूर्ण है। मोदी ने कार्नी को अपनी शुभकामनाएं दीं और कहा कि वह आगे की बैठकों की उम्मीद करते हैं। इससे पहले अनीता आनंद ने अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर के साथ बैठक की। बैठक में भारत के जयशंकर ने कहा, हमारी आज की बैठक 26 मई को हुई हमारी टेलीफोन पर बातचीत के बाद से लगातार रचनात्मक चर्चाओं का हिस्सा है। भारत-कनाडा द्विपक्षीय संबंध पिछले दो महीनों में लगातार आगे बढ़े हैं। हम अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी तंत्रों को फिर से शुरू करने और उन्हें मजबूत करने पर काम कर रहे हैं। जयशंकर ने कहा, जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कनानास्किस में प्रधानमंत्री कार्नी से मुलाकात के दौरान कहा था कि भारत का दृष्टिकोण एक सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का है।

'दुष्कर्म को सही ठहराना बंद करें ममता बनर्जी'

दुर्गापुर मामले को लेकर भाजपा का टीएमसी पर कड़ा हमला

एजेंसी

नई दिल्ली। दुर्गापुर सामूहिक दुष्कर्म मामले में पश्चिम बंगाल का राजनीतिक पारा चढ़ा हुआ है और राज्य की ममता बनर्जी सरकार सभी के निशाने पर है। विपक्षी पार्टी भाजपा ने इस मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा नेताओं ने ममता सरकार पर गंभीर आरोप लगाए और पीड़ित पक्ष की बजाय अपराधियों को बचाने का आरोप लगाया। पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष और भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि 'तृणमूल हटाओ, बेटी बचाओ, यह बंगाल में हर जगह मुख्य नारा है। तृणमूल को जाना चाहिए, उन्होंने पीड़ित परिवार का सहयोग नहीं किया, अब तक मेडिकल रिपोर्ट नहीं सौंपी। वे नेता प्रतिपक्ष को डॉक्टर से बात नहीं करने दे रहे हैं। उन्होंने ओडिशा से आ रहे महिला आयोग को रोक दिया। प्राइवेट मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने सुबह 8 बजे मुझे फोन किया और कहा कि हम दबाव में हैं, आखिर किसका दबाव? ममता बनर्जी का दबाव, ममता की पुलिस का दबाव या ममता के गुंडों का दबाव।' दुर्गापुर सामूहिक दुष्कर्म मामले पर सीएम ममता बनर्जी के बयान के एक बयान की खूब आलोचना हो रही है। उस पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा, 'ममता बनर्जी का बयान पीड़ादायक, दुर्भाग्यपूर्ण और अपमानजनक है। लड़कियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बजाय, ममता सरकार अपराधियों को संरक्षण दे रही है। संदेशखली हो, आरजी कर हो या अब दुर्गापुर...। एनसीआरबी के आंकड़ों ने साबित कर दिया है कि बंगाल देश का सबसे असुरक्षित राज्य है।' भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने ममता बनर्जी के बयान पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 'मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दुष्कर्म को सही ठहरा रही हैं। वे कह रही हैं कि महिलाओं को देर रात बाहर न जाएं। बंगाल की टीएमसी सरकार पिछड़ी सोच का पर्याय बन गई है।' उन्होंने कहा कि 'मैं ममता बनर्जी से पूछना चाहती हूं, वो 'मां, माटी, मानुष' के नारे लगाती हैं। लेकिन आपकी संवेदनहीनता, कुशासन और पिछड़ी मानसिकता के कारण आज बंगाल में 'मां' शर्मिंदा है, 'माटी' लहूलुहान है और 'मानुष' बदहाल है।

मुंबई के कुर्ला पश्चिम इलाके में लगी भीषण आग, कई दुकानें जलकर हुईं खाक

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के कुर्ला पश्चिम इलाके में रविवार और सोमवार की दरमियानी रात भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है, लेकिन शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। इससे ठीक एक दिन पहले यानी रविवार को भी मुंबई के खारघर में आग लगने की घटना सामने आ चुकी है। रविवार को नवी मुंबई के खारघर इलाके में एक रिहायशी इमारत में आग लग गई थी। रैपिड एक्शन फोर्स ने तीन महिलाओं समेत 7 लोगों को बचाया। 19 मंजिला इमारत, ट्राइसिटी सिम्फनी में रविवार दोपहर करीब 12-50 बजे आग लग गई। बचाव दल ने 17वीं और 18वीं मंजिल से लोगों को बाहर निकाला। अधिकारियों ने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां उनका इलाज जारी है। मुंबई के कुर्ला पश्चिम इलाके में रविवार और सोमवार की दरमियानी रात भीषण आग ने देखते ही देखते कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे अफरातफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, हालांकि लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और आसपास के इलाके में सुरक्षा के मद्देनजर बैरिकेडिंग की गई है। इस घटना का एक वीडियो सामने आया है जिसमें दिखाई दे रहा है कि दुकानों में भीषण आग लगी है और ऊंची-ऊंची लपटे उठ रही। आग लगते ही इलाके में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भीड़ लग गई।

जयपुर-अजमेर हाईवे पर एंबुलेंस की ट्रक से टक्कर... दो लोगों की मौके पर मौत

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में जयपुर-अजमेर हाईवे पर तेज रफ्तार एंबुलेंस, सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। एंबुलेंस में सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हुई, जबकि 3 लोग घायल हैं। रोड पर पाम ऑयल गिरा हुआ था। इससे पहिया फिसलने के बाद एंबुलेंस अनियंत्रित हो गई थी। हादसा बगरू इलाके के छीतरोली स्टैंड के पास रात करीब ढाई बजे हुआ। पुलिस ने बताया कि छीतरोली स्टैंड पर पाम ऑयल का टैंकर खड़ा था। पीछे से आए डंपर ने एंबुलेंस को टक्कर मार दी। पाम ऑयल सड़क पर फैल गया। टक्कर में डंपर के आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसमें सवार सभी लोग सुरक्षित हैं। टक्कर के बाद टैंकर से पाम ऑयल का रिसाव होने लगा और वह हाईवे पर फैल गया। तभी किशनगढ़ की ओर से आ रही एम्बुलेंस पाम ऑयल पर आकर अनियंत्रित हो गई। हाईवे किनारे खड़े ट्रक में सामने से एंबुलेंस घुस गई। एंबुलेंस सतीश धामनी (31) चला रहा था। इसके अलावा एंबुलेंस में 4 लोग सवार थे। पुलिस ने बताया कि घायलों को बगरू सीएचसी ले गए थे। इसके बाद दो घायलों को अस्पताल भेजा गया। हादसे में किशनगढ़, अजमेर निवासी दिनेश कुमारी (55) और विक्की उर्फ वीरम सिंह (31) पुत्र गोविंद सिंह की मौत हो गई। एम्बुलेंस ड्राइवर सतीश धामनी, अमित वैष्णव (30), और बिट्ठुदास (60) का एसएमएस हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

नेहा सिंह राठौर को झटका, सुप्रीम कोर्ट ने कहा... मुकदमे का सामना करे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने पहलगाम आतंकी हमले के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट को लेकर गायिका और कार्यकर्ता नेहा सिंह राठौर के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर विचार करने से इंकार कर उन्हें मुकदमे का सामना करने को कह दिया। शीर्ष अदालत ने दो टूक कहा कि वे मामले के गुण-दोष पर कोई राय व्यक्त नहीं कर रही है। जस्टिस जे के माहेश्वरी और जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ ने कहा कि इस समय वे विद्रोह के आरोप (भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने) के मुद्दे में हस्तक्षेप नहीं कर रही है। शीर्ष अदालत ने उन्हें आरोप तय करते समय ये मुद्दे उठाने की भी स्वतंत्रता दी। गायिका ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के 19 सितंबर के आदेश को चुनौती देकर शीर्ष अदालत का रुख किया था, जिसमें प्राथमिकी रद्द करने से इंकार किया था। प्राथमिकी में राठौर पर एक खास धार्मिक समुदाय को निशाना बनाने और देश की एकता को खतरे में डालने का आरोप लगा है। उन्होंने अप्रैल के आखिरी हफ्ते में थाने में अभय प्रताप सिंह नाम के एक व्यक्ति द्वारा अपने खिलाफ दर्ज कराई गई प्राथमिकी को चुनौती दी थी। सिंह ने राठौर पर धार्मिक आधार पर एक समुदाय को दूसरे के खिलाफ भड़काने की बार-बार कोशिश करने का आरोप लगाया था।

जहरीले कफ सिरप मामले में श्रीसन फार्मा से जुड़े चेन्नई के 7 ठिकानों पर ईडी का छापा

चेन्नई (एजेंसी)। हाल ही में जहरीले कफ सिरप से करीब दो दर्जन बच्चों की जान चली गई। इन दवाओं को बनाने में नियमों का पालन नहीं हो रहा था। लेकिन कोई अफसर जांचने नहीं गया। बताया जा रहा है कि घोर लापरवाही के चलते सब कुछ कागजों पर ऑल इज वेल की कहानी चलती रही। कुछ इसी तरह की जानकारियां उस वक्त सामने आईं जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत श्रीसन फार्मा और तमिलनाडु ड्रग नियंत्रण विभाग के शीर्ष अधिकारियों से जुड़े चेन्नई स्थित सात ठिकानों पर छापेमारी की। बता दें कि जो दवा जीवन बचाती है, उसने बच्चों को मौत दी। इस मामले ने देशभर में आक्रोश पैदा कर दिया है। वहीं, नियामक निगरानी और गुणवत्ता नियंत्रण में भी गंभीर खामियों को उजागर किया है। छापेमारी कोल्ड्रिफ कफ सिरप मामले के सिलसिले में की गई है, जिसके कारण मध्य प्रदेश में 20 से अधिक बच्चों की किडनी फेल होने से मौत हो गई थी। ईडी अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी तमिलनाडु के वरिष्ठ ड्रग नियंत्रण अधिकारियों के आवासों और जहरीले सिरप की निर्माता कंपनी श्रीसन फार्मा से जुड़े परिसरों पर की गई। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने कंपनी और तमिलनाडु खाद्य एवं औषधि प्रशासन दोनों द्वारा कई उल्लंघन पाए। खराब बुनियादी ढांचे और बार-बार सुरक्षा उल्लंघनों के बावजूद, श्रीसन 2011 में लाइसेंस प्राप्त करने के बाद से बेरोकटोक काम करती रही। कोल्ड्रिफ सिरप में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल नामक घातक मात्रा पाई गई है, जो आमतौर पर एंटीफ्रीज में इस्तेमाल होने वाला एक रसायन है।

'माँ, माटी, मानुष' का दावा झूठा! बांसुरी स्वराज बोलीं- ममता के कुशासन से बंगाल में माँ शर्मिंदा

बेंगलुरु (एजेंसी)। दुर्गापुर में द्वितीय वर्ष की मेडिकल छात्रा के साथ कथित सामूहिक बलात्कार मामले में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने सोमवार को कहा कि यह सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की रूढ़िवादी मानसिकता को दर्शाता है। बयान को असंवेदनशील बताते हुए, स्वराज ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देवी दुर्गा की भूमि माने जाने वाले राज्य में महिलाएं असुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि माँ दुर्गा के बंगाल में महिलाएं असुरक्षित हैं। राज्य की महिला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बलात्कार पीड़िता को दोषी ठहराकर ऐसी असंवेदनशील टिप्पणी करती हैं। मेरा मानना है कि यह टीएमसी की रूढ़िवादी मानसिकता को दर्शाता है।

स्वराज ने बनर्जी से ओडिशा की रहने वाली पीड़िता को न्याय दिलाने और राज्य भर में महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल बनाने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने आगे कहा, 'मैं ममता बनर्जी से कहना चाहूँगी कि वह न केवल राज्य की मुख्यमंत्री हैं, बल्कि गृह विभाग भी उनके पास है। इसका मतलब है कि आंतरिक सुरक्षा की पूरी ज़िम्मेदारी उनकी है। उन्हें ऐसा माहौल बनाना चाहिए जहाँ लड़कियाँ सुरक्षित महसूस करें और दिन हो या रात, आज़ादी से घूम सकें। मैं उनसे फिर से अनुरोध करना चाहूँगी: कृपया बलात्कार को सही न ठहराएँ। उस लड़की को न्याय दिलाने की दिशा में काम करें।'

स्वराज ने आगे कहा कि मैं ममता बनर्जी से पूछना चाहती हूँ, वे 'माँ, माटी, मानुष' के नारे लगाती हैं। लेकिन आपकी असंवेदनशीलता, कुशासन और प्रतिगामी मानसिकता के कारण आज बंगाल में 'माँ' शर्मिंदा है, 'माटी' लहूलुहान है और 'मानुष' बदहाल है। इस बीच, राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की सदस्य अर्चना मजूमदार ने एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष रेखा शर्मा के स्वतः संज्ञान लेने के निर्देश के बाद मामले की चल रही जाँच की समीक्षा के लिए दुर्गापुर का दौरा किया। उन्होंने पीड़िता के परिवार, छात्रों और स्थानीय अधिकारियों, जिनमें एसपी और ओसी भी शामिल हैं, से मुलाकात की।

उन्होंने एक समाचार एजेंसी को बताया, 'मेरी अध्यक्ष से बातचीत हुई। उन्होंने मुझे मामले का तुरंत स्वतः संज्ञान लेने, घटनास्थल पर पहुँचने और पीड़िता से मिलने के लिए कहा। मैंने अधिकारियों, छात्रों और पीड़िता के अभिभावकों से बात की। फिर मैंने पुलिस, एसपी और ओसी से बात की। हम अगले कार्यदिवस पर अपनी रिपोर्ट पेश करेंगे।' उन्होंने आगे बताया कि पुलिस ने पाँच संदिग्धों की पहचान कर ली है, जिनमें से तीन को गिरफ्तार कर लिया गया है और उन्हें 10 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस जल्द से जल्द आरोप पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया में है। मेडिकल नमूने राज्य फोरेंसिक प्रयोगशाला भेजे गए हैं, जिन्हें उन्होंने केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) भेजने की सिफ़ारिश की है।

हत्या के मामले में जेल आते ही फूट-फूटकर रोई महामंडलेश्वर पूजा शकुन पांडेय

अलीगढ़ (एजेंसी)। बीते 26 सितंबर की रात को खेरेश्वर चौराहे पर हाथरस के सिकंदराराऊ क्षेत्र के गांव कचौरा निवासी टीवीएस शोरूम मालिक अभिषेक गुप्ता की बाइक सवार दो शूटरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसमें नामजद पूजा शकुन पांडेय को पुलिस ने राजस्थान के भरतपुर जिले से गिरफ्तार किया। दोपहर में उसे जेल में दाखिल कर दिया गया। अंदर वह परेशान नजर आई। अन्य महिलाओं ने उसे संभाला।

अभिषेक की हत्या के मामले में 50 हजार की इनामी महामंडलेश्वर पूजा शकुन पांडेय उर्फ अन्नपूर्णा भारती जेल में आते ही फूट-फूटकर रोई। अधिकारियों ने उसे जेल के नियम-कायदे बताए। उधर, पुलिस अब मामले में चार्जशीट व गैंगस्टर लगाने की तैयारी कर रही है। हालांकि उसने खाना आदि समय से खाया। करवटें बदलकर रात काटी। पूजा को संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। उससे मुलाकात के लिए 10 लोगों के नाम लिए हैं। उनसे सप्ताह में तीन दिन मुलाकात कराई जाएगी। इससे पहले जेल भेजे गए उसके पति अशोक कुमार पांडेय को भी संवेदनशील श्रेणी में ही रखा है। एएसपी मयंक पाठक के अनुसार मामले में जल्द ही चार्जशीट लगाई जाएगी। गैंगस्टर की कार्रवाई भी होगी। हत्या के बाद फरार हुई पूजा ने परिजनों से संपर्क नहीं किया। वह जहां भी गई, वहां उसे शरण नहीं मिली। लेकिन, कुछ लोगों ने उसका भगाने में सहयोग भी किया है। ऐसे लोग पुलिस के रडार पर आ गए हैं। वहीं दूसरी तरफ अभिषेक के भाई आशीष ने कहा कि पुलिस आरोपियों के खिलाफ एनएसए की कार्रवाई करे। साथ ही उनके घर की कुर्की हो। उन्होंने कहा कि जल्दबाजी में पुलिस ने पूजा को जेल भेज दिया। जबकि सही ढंग से उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ होनी चाहिए थे। ताकि पूरे षड्यंत्र का खुलासा हो सके। परिजनों ने रविवार शाम को रोरावर थाने में इंस्पेक्टर से मुलाकात की।

करोड़ों खर्च के बाद भी साफ नहीं हो सकी गोमत नदी!

- 20 लाख लोगों को नदी से मिलता है 320 एमएलडी कच्चा पानी

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में बहने वाली गोमती नदी शहर की जीवनरेखा है, लेकिन प्रदूषण के कारण इसकी स्थिति चिंताजनक हो गई है। करीब 20 लाख लोगों को 320 एमएलडी कच्चा पानी नदी से मिलता है। गोमती बैराज के पास पानी का स्तर बनाए रखने के लिए पानी का बहाव रोका जाता है। नदी में 39 नाले गिरते हैं, जिनमें से 13 नाले बिना ट्रीटमेंट या आंशिक ट्रीटमेंट के सीवेज सीधे नदी में डालते हैं, जिससे पानी काला और जहरीला हो गया है। 2010 से 2025 तक गोमती नदी को स्वच्छ बनाने के लिए करीब 2,500 करोड़ रुपये खर्च किए गए। 2011 में भरवारा और दौलतगंज में बड़े एसटीपी बनाए गए, लेकिन नालों पर पंप काम नहीं कर रहे हैं और सीवेज पंपिंग स्टेशन से सही तरीके से सीवेज एसटीपी तक नहीं पहुंच पा रहा है। इसके कारण सीवेज अभी भी सीधे नदी में गिरता है। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग के प्रमुख प्रो. वेंकटेश दत्ता और गोमती टास्क फोर्स के मेजर केएस नागी ने नदी में गिरने वाले नालों का सर्वे किया। हैदर कैनाल, कुकरैल नाला और घसियारी मंडी नाले में कूड़ा-कचरा सीवेज सीधे नदी में पहुंच रहा है। नगर निगम भी नदी किनारे कूड़ा फेंकता रहा है, जिससे प्रदूषण और बढ़ा है। गोमती नदी की स्थिति सुधारने के लिए विभागों को अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए प्रभावी कार्यवाही करनी होगी। नालों और सीवेज प्रणाली की सही देखरेख, कूड़ा निस्तारण और जागरूकता अभियान के साथ-साथ पानी की गुणवत्ता पर कड़ी निगरानी जरूरी है, तभी गोमती को फिर से स्वच्छ और जीवनदायिनी बनाया जा सकेगा।

असम में सरकारी नौकरी का रिकॉर्ड! 1 लाख का आंकड़ा पार, 2 लाख की ओर सरमा सरकार

दिसपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में असम सरकार ने एक लाख से ज़्यादा उम्मीदवारों को लाभकारी रोज़गार प्रदान करके एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, और अब दो लाख नियुक्तियों के विशाल लक्ष्य की ओर तेज़ी से बढ़ रही है। असम प्रदेश भाजपा ने एक बयान में कहा कि राज्य के महत्वाकांक्षी युवाओं में नई आशा का संचार करते हुए, सरकार अक्टूबर महीने में 35,000 उम्मीदवारों को रोज़गार देने के लिए तैयार है। असम पुलिस में 5,614 कांस्टेबल पदों के लिए बहुप्रतीक्षित परिणामों की घोषणा ने न केवल अनगिनत सपनों को साकार किया है, बल्कि पारदर्शिता, दक्षता और योग्यता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया है।

बयान में कहा गया है कि स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत 3,698 तकनीकी और गैर-तकनीकी पदों के लिए परिणामों की घोषणा भी उतनी ही उल्लेखनीय है। जैसा कि मुख्यमंत्री ने अपने फेसबुक लाइव संबोधन में घोषणा की थी, एडीआर परीक्षा के अंतर्गत चतुर्थ श्रेणी पदों के परिणाम 15 अक्टूबर को घोषित किए जाएँगे, उसके बाद 17 अक्टूबर तक स्नातकोत्तर शिक्षक के परिणाम घोषित किए जाएँगे। असम राज्य भाजपा प्रवक्ता ज़फ़रीन मेहजबीन ने एक लाख सरकारी नौकरियाँ प्रदान करने के अपने वादे को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की गहरी सराहना और हार्दिक बधाई व्यक्त की - एक ऐसा वादा जिसे विपक्ष ने कभी अप्राप्य बताकर खारिज कर दिया था।

बयान में कहा गया है, 'आज यह उपलब्धि मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व और दृढ़ कार्यान्वयन का अकाट्य प्रमाण है। नवंबर तक, 38,000 अतिरिक्त नियुक्तियाँ वितरित की जानी हैं, जो रोज़गार सृजन में निरंतर गति को दर्शाती हैं। साथ ही, मुख्यमंत्री के आत्मनिर्भर असम अभियान (CMAAA) के तहत, एक लाख और युवाओं - पुरुषों और महिलाओं दोनों - को उद्यमशीलता के उपक्रम शुरू करने के लिए 5 लाख रुपये मिलेंगे, जिससे पूरे राज्य में आत्मनिर्भरता की लहर दौड़ेगी। आवेदन प्रक्रिया पहले से ही चल रही है, और जिन लाभार्थियों ने पहली किस्त का विवेकपूर्ण उपयोग किया है, उन्हें सहायता की दूसरी किस्त मिलने की उम्मीद है।'

ज़फ़रीन मेहज़बीन ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में असम की भाजपा-नेतृत्व वाली सरकार ने सरकारी भर्ती को उद्यम-आधारित विकास के साथ सामंजस्य स्थापित करके रोज़गार नीति के पारंपरिक दायरे को पार कर लिया है। असम राज्य भाजपा ने बयान में कहा, 'योग्यता आधारित नियुक्तियों और उद्यमशीलता सशक्तिकरण पर यह दोहरा जोर समग्र सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन की दिशा में एक आदर्श बदलाव का प्रतीक है।'

कर्नाटक में मंत्रिमंडल फेरबदल की अटकलें तेज, सिद्धारमैया बोले- रात्रिभोज सामान्य

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को मंत्रिमंडल में फेरबदल की अफवाहों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि कैबिनेट सहयोगियों के साथ उनकी रात्रिभोज बैठक एक नियमित बैठक थी और इसका किसी राजनीतिक कदम से कोई लेना-देना नहीं है। सिद्धारमैया ने बेंगलुरु में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा इस रात्रिभोज का मंत्रिमंडल में फेरबदल से कोई लेना-देना नहीं है। मैं अक्सर रात्रिभोज का आयोजन करता हूँ। मैंने काफी समय से इसकी मेज़बानी नहीं की है, इसलिए मैंने आज आमंत्रित किया। इस रात्रिभोज में कुछ खास नहीं है। यह केवल आपके और भाजपा के लोगों के लिए खास है। कांग्रेस सरकार अगले महीने अपने कार्यकाल के 2.5 वर्ष पूरे करने जा रही है, ऐसे में मंत्रिमंडल में संभावित बदलाव और यहां तक ??कि ÷नवंबर क्रांति÷ की अटकलें लगाई जा रही हैं। कुछ लोग इस मुहावरे का इस्तेमाल राज्य में सत्ता परिवर्तन का संकेत देने के लिए कर रहे हैं। क्या हमें मिलना नहीं चाहिए? मुझे समझ नहीं आ रहा। भाजपा की बात मानकर, आपने (मीडिया ने) हमारी डिनर पर हुई मुलाकात को अपराध बना दिया है। मुख्यमंत्री ने इस आयोजन के पीछे राजनीतिक महत्व की बातों को खारिज करते हुए कहा हम अक्सर मिलते रहते हैं। पार्टी सूत्रों ने बताया कि बैठक में आगामी तालुका, जिला पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियों पर ध्यान केंद्रित किए जाने की संभावना है। कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ द्वारा हाल ही में लिखे गए एक पत्र के बाद, जिसमें दावा किया गया था कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में कमीशन की माँग दोगुनी हो गई है, भ्रष्टाचार के आरोपों का मुकाबला करने की रणनीतियों पर भी चर्चा हो सकती है। इस बीच, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, जो संभावित नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों का विषय रहे हैं, ने सप्ताहांत में फेरबदल की चर्चा को एक अफवाह करार दिया। सिद्धारमैया के करीबी सूत्रों का कहना है कि किसी भी फेरबदल से उनके अधिकार और निरंतरता पर जोर पड़ेगा, लेकिन दोनों नेताओं ने कांग्रेस सरकार के भीतर किसी भी आंतरिक दरार के संकेत को कम करने की कोशिश की है।

10 दिन बाद सुबह पदयात्रा पर निकले संत प्रेमानंद महाराज... भक्तों की आंखों से आंसू छलक पड़े

-राधे-राधे जयकारों से गूंज उठी वृंदावन की गली-गली

मथुरा (एजेंसी)। वृंदावन में मशहूर संत प्रेमानंद महाराज 10 दिन बाद पदयात्रा पर निकले। महाराज की झलक पाकर भक्तों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े और हजारों की भीड़ जोर-जोर से राधे-राधे का जयकारा लगाने लगी। बात दें कि प्रेमानंद महाराज 2 अक्टूबर से पदयात्रा नहीं कर रहे थे। केली कुंज आश्रम ने इसके पीछे उनके स्वास्थ्य का हवाला दिया था। हालांकि, इस दौरान वे आश्रम में ही एकांतिक वार्ता (भक्तों से बातचीत) करते रहे।

दरअसल मथुरा-वृंदावन से संत प्रेमानंद जी महाराज के भक्तों के लिए रविवार की सुबह खुशखबरी लेकर आई। काफी दिन बाद प्रेमानंद महाराज ने अपनी पदयात्रा फिर शुरू की। सुबह करीब 3 बजे श्री राधे हित केलिकुंज आश्रम से बाहर निकलते ही उन्होंने परिक्रमा मार्ग की ओर प्रस्थान किया। इस दौरान उनके दर्शन के लिए भारी संख्या में भक्त उमड़ पड़े। परिक्रमा मार्ग राधे-राधे के जयकारों से गूंजने लगा। भक्तों का उत्साह देखकर प्रेमानंद महाराज कई स्थानों पर रुककर उनकी तरफ मुस्कुराते हुए दिखाई दिए। प्रेमानंद महाराज के स्वास्थ्य में सुधार को देखकर भक्तों ने भी राहत की सांस ली। उनकी एक झलक पाने को हजारों भक्त पहले से ही खड़े थे। महाराज को देखते ही भक्तों के चेहरे खिल उठे। भक्तों ने कहा, जब से हमने सुना था कि महाराज जी की तबीयत खराब है, हम बहुत चिंतित थे। लेकिन अब उन्हें स्वस्थ देखकर मन को सुकून मिला। वे हम सभी को आशीर्वाद देते हुए आगे बढ़ गए।

प्रेमानंद महाराज वृंदावन में श्रीकृष्ण शरणम् सोसाइटी से रमणरेती स्थित आश्रम हित राधा केली कुंज के लिए निकलते हैं। 2 किमी पैदल चलकर जाते हैं। उनके दर्शन के लिए रात को हजारों की संख्या में भक्त पहुंचते हैं।

बिहार में मुस्लिम चुनाव में कर सकते हैं खेल, सभी राजनीतिक दलों की है नजर

-11 सीटों पर 40 फीसदी मुस्लिम, 2020 में दिखाया था ट्रेलर, ओवैसी भी पीछे नहीं

पटना (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। जाति और धर्म के आधार पर सीटों का विश्लेषण कर उसी के अनुरूप प्रत्याशियों का चयन किया जा रहा रहा है। एनडीए और महागठबंधन में सभी तरह के समीकरणों का ख्याल रखकर सीट बंटवारे पर मंथन चल रहा है। बिहार में लालू यादव ने मुस्लिम-यादव समीकरण का ईजाद कर आरजेडी की बादशाहत कायम की थी। बाद के सालों में उनके इस समीकरण की काट निकाली गई और आरजेडी सत?ता के अंदर-बाहर आती और जाती रही, लेकिन ज्यादातर समय एनडीए के हाथ में ही सत्ता की बागडोर रही।

हालांकि, आरजेडी के लिए मुस्लिम-यादव फॉर्मूला आज भी उपयोगी और कारगर है, लेकिन 2020 के विधानसभा चुनाव में एक नए खिलाड़ी ने आरजेडी के इस फॉर्मूले में सेंध लगा दी और पांच सीटें जीत ली। उनका नाम है असदुद्दीन ओवैसी। उनकी पार्टी एआईएमआईएम साल 2015 के चुनाव में बिहार की एंट्री की थी और अब खासकर सीमांचल क्षेत्र में अहम फैक?टर बन चुकी है। ओवैसी की पार्टी ने इसबार 243 सीटों में से 100 पर उम्?मीदवार उतारने का मन बनाया है। राजनीतिक एक्सपर्ट्स का मानना है कि एआईएमआईएम सबसे ज्यादा आरजेडी को नुकसान पहुंचाएगी।

सीमांचल को मुस्लिम आबादी वाला क्षेत्र माना जाता है। इस क्षेत्र में मुख्य रूप से चार जिले कटिहार, किशनगंज, अररिया और पूर्णिया आते हैं। यह क्षेत्र मुस्लिम बहुल आबादी के चलते लंबे समय से राजनीतिक दलों के लिए आकर्षण का केंद्र है। किशनगंज में ओवैसी ने इस फैक?टर को ध्यान में रखते हुए कहा था कि वे बिहार में कई साथियों से मिलने और नई मित्रता करने के लिए उत्सुक हैं। राज्य की जनता को एक नया विकल्प चाहिए और हम वही बनने की कोशिश कर रहे हैं।

बता दें एआईएमआईएम ने साल 2015 में पहली बार बिहार विधानसभा चुनाव लड़ा था। पार्टी ने सीमांचल की छह सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन उसे कोई सफलता नहीं मिली थी। किशनगंज के कोचाधामन विधानसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार और पार्टी के मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान को करीब 37 हजार वोट मिले थे। यह कुल मतों का करीब 26 फीसदी था। साल 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में ओवैसी की पार्टी ने अपना अच्छा खासा प्रभाव छोड़ा था। बिहार में मुसलमानों की आबादी 17.7 फीसदी से ज्यादा है। राज्य की 47 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। इनमें 11 सीटों पर मुस्लिम आबादी 40 फीसदी से ज्यादा, सात सीटों पर 30 फीसदी से ज्यादा और 29 सीटों पर 20 से 30 फीसदी के बीच है। इसमें से ज्यादातर सीटें सीमांचल में ही हैं। एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान का कहना है कि हम बिहार चुनाव में विकल्प पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। हमारी योजना 100 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की है। हमने राजद प्रमुख लालू यादव और महागठबंधन के नेता तेजस्वी यादव को पत्र लिखकर महागठबंधन में एआईएमआईएम के लिए कुछ सीट की मांग की थी, लेकिन उन्होंने रुचि नहीं दिखाई। चुनाव में जनता इसका जवाब देगी।

बता दें साल 2020 के विधानसभा चुनाव में ओवैसी की पार्टी ने 20 सीटों पर उम्मीदवार उतारकर राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया था। इस चुनाव में

एआईएमआईएम ने सीमांचल की पांच सीटों अमौर, बहादुरगंज, बायसी, कोचाधामन और जोकीहाट पर जीत हासिल की थी। विजयी उम्मीदवारों में अमौर से अख्तरुल ईमान, बहादुरगंज से मोहम्मद अंजार नइमी, बायसी से सैयद रुकनुद्दीन, कोचाधामन से इजहार असफी और जोकीहाट से शाहनवाज आलम शामिल थे। हालांकि, 2022 में पार्टी को बड़ा झटका तब लगा जब अख्तरुल ईमान को छोड़कर बाकी चारों विधायक राजद में शामिल हो गए। साल 2020 के चुनाव में पार्टी ने 16 मुस्लिम और चार गैर-मुस्लिम प्रत्याशियों को टिकट दिया था। इनमें से पांच मुस्लिम उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की थी। पार्टी के गैर-मुस्लिम उम्मीदवारों को सफलता नहीं मिली थी।

ऊंची इमारतों में आरसीसी शियर वॉल का प्रावधान होना जरूरी

गाजियाबाद। सभी ऊंची संरचनाओं में आरसीसी शियर वॉल का प्रावधान जरूर होना चाहिए। यह वॉल इमारत की पूरी चौड़ाई में नीचे से ऊपर तक लगभग 6 इंच मोटी दीवार होती है। इससे भवन की भूकंप से सुरक्षा होती है। इस संबंध में कुछ सुझाव फ्लैट ऑनर्स फेडरेशन ने यूपी रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण को दिए हैं। इसके लिए अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी को पत्र लिखा है। इस संबंध में फ्लैट ऑनर्स फेडरेशन के चेयरमैन कर्नल टीपीएस त्यागी (सेवानिवृत्त) का कहना है कि दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुड़गांव आदि में बहुमंजिला इमारतें भूकंप के उच्च स्तर के अधीन हैं, इसलिए इस पहलू पर गौर करने की आवश्यकता है। उन्होंने तीन बिंदु बताए हैं। इसमें मृदा परीक्षण रिपोर्ट यूपी रेरा को प्रस्तुत करने, ऊंची इमारतों में आरसीसी शियर वॉल का प्रावधान करना, संरचनात्मक डिजाइन के लिए वर्तमान कार्यप्रणाली में बदलाव जरूरी है। उनका कहना है इसलिए इस पहलू पर गौर करने की आवश्यकता है। उन्होंने तीन बिंदु बताए हैं। इसमें मृदा परीक्षण रिपोर्ट यूपी रेरा को प्रस्तुत करने, ऊंची इमारतों कि मिट्टी की भार वहन क्षमता आईआईटी रुड़की को सूचित की जाती है। 200 किमी दूर बैठे आईआईटी प्रोफेसर इमारत का संरचनात्मक डिजाइन भेजते हैं। बिल्डर खुश हैं, विकास प्राधिकरण खुश है और रेरा अधिकारी भी खुश है, क्योंकि सब कुछ आईआईटी द्वारा सत्यापित है, लेकिन यही गलत है।

बाल-बाल बची तीन साल की बच्ची

कौमी पत्रिका

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के बीटा-2 कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत रविवार को तीन साल की मासूम बच्ची को बहला-फुसलाकर पार्क में ले जाने का प्रयास कर रहे युवक को स्थानीय लोगों ने रंगे हाथ पकड़ लिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान संजय (30) निवासी हमीरपुर के रूप में हुई है। आरोपी वर्तमान में गांव साकीपुर में किराये के घर में रहता है। आरोपी पेंट का काम करता है। मैनपुरी निवासी एक दंपती दिवाली से पहले हर बार रंगोली आदि बेचने के लिए ग्रेटर नोएडा आते हैं। इस बार बार परिवार एच्छर मार्केट के पास रंगोली बेचने लिए आया है। उनके साथ एक तीन साल की बच्ची भी है। परिवार पास के एक पार्क में झुग्गी आदि बनाकर रहता है। रविवार सुबह करीब 11 बजे महिला रंगोली बेचने के लिए मार्केट में जा रही थी। उसके साथ बच्ची भी थी। वह पीछे-पीछे पैदल ही चल रही थी। इसी दौरान आरोपी बच्ची को खाना खिलाने के बहाने हाथ पकड़कर अपने साथ साथ ले जाने लगा। आगे चल रही मां को जब बच्ची के गायब होने का अहसास हुआ तो उसने शोर मचाना शुरू कर दिया। इस दौरान पास में केले की ठेली लगाए एक व्यक्ति ने कहा कि उसने एक युवक को बच्ची को ले जाते हुए देखा है। बच्ची आरोपी के पीछे चिल्लाते हुए भागी और कुछ ही दूरी पर उसे स्थानीय निवासियों की मदद से पकड़ लिया। लोग ने जब उसे बच्ची को ले जाने का कारण पूछा तो वह सही-सही जवाब नहीं दे पाया। गुस्सा लोगों ने उसकी पिटाई कर पुलिस के हवाले कर दिया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि आरोपी का इरादा सही नहीं था। अगर समय रहते उसे नहीं पकड़ा जाता तो वह बच्ची के साथ गलत हरकत कर सकता था। साथ ही उसके बच्ची को तस्कर गिरोह के सौंपने को भी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। वहीं पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपी ने बच्ची को खाने की चीज दिलाने का झांसा देकर अपने साथ पार्क की ओर ले जाने की कोशिश की। उसी दौरान बच्ची की मां और आस-पास मौजूद लोगों ने संदेह होने पर उसे रोक लिया और पकड़कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। बच्ची की मां पास में रहती हैं। बच्ची के परिजनों ने किसी आपत्तिजनक घटना के घटित होने की पुष्टि नहीं की है। उन्होंने किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं की है। वहीं कोतवाली प्रभारी ने बताया कि जांच में पता चला है कि आरोपी पिछले साल शराब तस्करी के आरोप में जेल जा चुका है।

एसबीआई में ग्राहक मित्र की नौकरी लगवाने का झांसा देकर 50 हजार ठगे

कौशांबी। वैशाली स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में ग्राहक मित्र के पद पर नौकरी लगवाने का झांसा देकर मोहन नगर के अर्थला निवासी विकास चौधरी से 50 हजार की ठगी हो गई। ठगी का आरोप पीड़ित के परिचित साहिबाबाद क्षेत्र स्थित संजय कॉलोनी निवासी बिजेंद्र भारती पर है। मामला आठ अक्तूबर को सामने आया जब आरोपी के दिए फर्जी नियुक्त पत्र को लेकर पीड़ित बैंक शाखा में नियुक्ति लेने पहुंचा। बैंक प्रबंधक ने विकास चौधरी को बिठाकर पुलिस को बुलाया और पूछताछ की। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं नौ अक्तूबर की रात मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है। दर्ज मुकदमे में विकास चौधरी ने बताया कि वह काफी समय से बेरोजगार थे। इस दौरान उनके परिचित बिजेंद्र भारती ने एसबीआई में ग्राहक मित्र पद पर नौकरी लगवाने की बात कही। साथ ही 50 हजार रुपये भी ले लिए। कुछ दिन बाद मोबाइल फोन पर वीडियो कॉल के जरिए किसी अन्य व्यक्ति से साक्षात्कार कराया। साथ ही ईमेल पर एक नियुक्ति पत्र भी भेजा और आठ अक्तूबर को वैशाली स्थित बैंक शाखा में जाने को कहा। जब वह वहां पहुंचे तब बैंक प्रबंधक ने उन्हें रोककर बिठा लिया और पुलिस को भी बुलाया। पूछताछ में उन्होंने नियुक्ति पत्र और साक्षात्कार की बात बताई। तब फर्जीवाड़ा सामने आया। इसके बाद उन्होंने पुलिस को शिकायत दी। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि पीड़ित से पूछताछ के बाद आरोपी को भी हिरासत में ले लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है। अभी तक की छानबीन में यह भी सामने आया है कि आरोपी ने चार-पांच अन्य लोगों को भी फर्जी नियुक्ति पत्र देकर लाखों की ठगी की है। जल्द ही मामले का खुलासा कर गैंग में शामिल अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया जाएगा।

सड़क हादसे में संभल के किसान समेत दो की मौत, परिजनों में कोहराम, पुलिस कर रही जांच

हसनपुर (अमरोहा)। हसनपुर गजरौला मार्ग पर शनिवार की रात आलू से लदे एक कैंटर ने आगे चल रहे धान लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली को ओवरटेक करते समय टक्कर मार दी। हादसे में ट्रैक्टर चालक संभल जिले के रजपुरा थाना क्षेत्र के केसरपुर गांव निवासी भूपेंद्र यादव (30) की मौत हो गई। यह घटना बंद पड़े पेट्रोल पंप के नजदीक हुई। पुलिस कानूनी कार्रवाई में जुटी है। बताते हैं कि भूपेंद्र यादव ट्रैक्टर ट्राली में धान लादकर गढ़मुक्तेश्वर जा रहे थे, तभी पीछे से आ रहे कैंटर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे के बाद सड़क पर क्षतिग्रस्त वाहन खड़े हो जाने की वजह से आवागमन प्रभावित हो गया। पुलिस ने वाहनों को सड़क से अलग हटवाया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त दोनों वाहनों को कब्जे में कर लिया है। कैंटर चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई। भूपेंद्र की शादी करीब छह साल पहले हुई थी। उन्होंने अपने पीछे पत्नी और पांच साल का मासूम बेटा छोड़ा है। परिजनों में शोक व्याप्त है। भूपेंद्र खेतीबाड़ी करके परिवार का पालन पोषण करते थे। सीओ दीप कुमार पंत ने बताया कि हादसे में एक व्यक्ति की मौत हुई है। कानूनी कार्रवाई की जा रही है। रहरा थाना क्षेत्र में छपना लालापुर मार्ग पर नीलगाय की टक्कर से बाइक सवार गांव निरावली खादर निवासी भारत सिंह (23) की मौत हो गई। मौत की सूचना से परिजनों में शौक है। भरत सिंह सैनी खेती बाड़ी और मजदूरी करके परिवार का पालन पोषण कर रहे थे। करीब चार साल पहले उनकी शादी गांव छपना से हुई थी। उनका बेटा अपनी ननिहाल में रुका हुआ था। शनिवार की शाम को बाइक पर सवार होकर भरत सिंह सैनी अपने बेटे को बुलाने के लिए ससुराल जा रहे थे। लालापुर छपना लिंक मार्ग पर अचानक रास्ते में नीलगाय आ जाने से बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में भरत सिंह हादसे में बुरी तरह से घायल हो गए। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से गंभीर हालत में अमरोहा रेफर किया गया। अमरोहा ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो गई। मौत की सूचना से परिजनों में शौक है। मृतक ने अपने पीछे पत्नी के अलावा दो बेटे छोड़े हैं।

मुनाफे के लालच में आकर गंवा दिए 13 लाख रुपये

गुरुग्राम। जालसाजों ने एक युवक को व्हाट्सएप ग्रुप में ज्वाइन करवाकर निवेश करने के नाम पर 13 लाख रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित की शिकायत के आधार पर पुलिस ने जालसाजों के खिलाफ साइबर अपराध थाना दक्षिण में एफआईआर दर्ज की है। सेक्टर-69 स्थित कुशाल नगर निवासी गिर्मल कुमार ने शुक्रवार को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसके पास अनजान नंबर से व्हाट्सएप पर एक मैसेज आया था। मैसेज में निवेश करके रुपये कमाने के बारे में लिखा हुआ था। जब गिर्मल कुमार ने मैसेज पर रिप्लाई किया तो एक व्यक्ति ने उससे बात की और निवेश करके मुनाफा कमाने के बारे में बताया। गिर्मल कुमार ने जब निवेश में अपनी रुचि दिखाते हुए सहमति जताई तो जालसाजों ने उसको एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ दिया। इस व्हाट्सएप ग्रुप में लोग निवेश करके मुनाफा कमाने के बारे में बता रहे थे और मुनाफा राशि के स्क्रीनशॉट भी ग्रुप में शेयर कर रहे थे। ऐसे में गिर्मल कुमार को भी निवेश करके मुनाफा कमाने का लालच आ गया और उसने भी निवेश करने के बारे में ग्रुप में अपनी सहमति दी। इसके बाद जालसाजों ने ग्रुप में अकाउंट नंबर साझा करके कई बार में गिर्मल कुमार से 13 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। इसके बाद जब गिर्मल कुमार ने अपनी राशि व मुनाफा निकालने का प्रयास किया तो वह अपने रुपये नहीं निकाल पाया। जालसाजों ने उसको कुछ राशि अन्य अकाउंट में ट्रांसफर करने के लिए कहा तो उसे अपने साथ ठगी होने के बारे में पता चला।

टैक्सी चालक को बंधक बनाकर कार, 1300 रुपये और मोबाइल लूटा

पटौदी। पटौदी थाना क्षेत्र में हथियारबंद बदमाशों ने एक टैक्सी चालक को बंधक बनाकर कार, 1300 रुपये, मोबाइल सहित जरूरी दस्तावेज लूट लिए। बदमाशों ने पहले टैक्सी को गुरुग्राम के सेक्टर-12 से पटौदी के लिए किराये पर बुक किया था। कार के एकांत में पहुंचने पर वारदात को अंजाम दिया गया। कानपुर (उत्तर प्रदेश) के कुष्मांडा नगर निवासी दीपक कुमार ने पुलिस को बताया कि वह गुरुग्राम में झाड़सा में किराये पर रहता है और अपने ससुर के नाम पर कार लेकर रैपिडो, ऊबर, ओला में चलाता है। नौ अक्तूबर की रात को सेक्टर-12 से पटौदी के लिए बुकिंग मिली थी। पांच लोगों को गाड़ी में बैठाकर वह पटौदी के लिए चल पड़ा। जैसे ही कार पटौदी क्षेत्र के बाइपास के पास पहुंची तो एक व्यक्ति ने उल्टी आने की बात कहकर कार को रुकवा लिया। इसी दौरान हथियारबंद बदमाशों ने चालक दीपक कुमार को बंधक बना लिया। एक बदमाश ने पिस्टल व दूसरे ने चाकू निकालकर दीपक कुमार को काबू कर लिया और उससे कार, मोबाइल, 1300 रुपये नकदी, डेबिट कार्ड, लाइसेंस सहित अन्य दस्तावेज लूट लिए। चालक दीपक कुमार की शिकायत पर पुलिस ने पटौदी थाने में एफआईआर दर्ज करके बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

जिम संचालक पर युवती को अगवा करने का आरोप, केस दर्ज

गुरुग्राम। उपमंडल के अंतर्गत गांव मोहम्मदपुर अहीर से एक जिम संचालक पर 21 वर्षीय युवती को जबरन अगवा करने का आरोप लगा है। पीड़ित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता युवती की मां ने बताया कि आरोपी सतपाल निवासी तावडू जटवाड़ा मोहल्ला मोहम्मदपुर एक जिम चलाता है। बेटी नियमित रूप से इस जिम में व्यायाम के लिए जाती थी। परिजनों के अनुसार, आरोपी लंबे समय से युवती को परेशान कर रहा था। आरोप है कि 10 अक्तूबर को सुबह करीब 8 बजे, आरोपी एक कार लेकर गांव मोहम्मदपुर अहीर पहुंचा और बेटी को जबरन अपने साथ ले गया। पी?ितों ने बताया कि आरोपी शादीशुदा है। मोहम्मदपुर अहीर थाना प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि पीड़ित परिजनों की शिकायत पर अपहरण का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है और मामले की हर संभावित दिशा से जांच की जा रही है।

दिल्ली की हरियाली बढ़ाने को हमारी सरकार प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

प्रथम पृष्ठ का शेष

इसी दिशा में सरकार ने यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। यह कदम न केवल दिल्ली की हरियाली को संरक्षित करेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और स्वस्थ पर्यावरण भी सुनिश्चित करेगा। मुख्यमंत्री के अनुसार बीते वर्षों में रिज क्षेत्रों की उपेक्षा और अतिक्रमण के कारण हरियाली को जो क्षति हुई है, उसे हमारी सरकार गंभीरता से पुनर्स्थापित करने के लिए प्रयासरत है। दिल्ली सरकार यह मानती है कि पर्यावरण संरक्षण कोई वैकल्पिक नीति नहीं, बल्कि जीवन रक्षा की अनिवार्य जिम्मेदारी है। इस निर्णय को पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने राजधानी दिल्ली के लिए मील का पत्थर कहा है। उनका कहना है कि हमारी सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बनाया है। दक्षिणी रिज के 41 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को आरक्षित वन घोषित करना इसी नीति का हिस्सा है। यह निर्णय राजधानी के वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और हरियाली बढ़ाने की दिशा में निर्णायक सिद्ध होगा। हमारी सरकार वैज्ञानिक दृष्टिकोण से वृक्षारोपण अभियान चला रही है, जिसमें स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप देसी प्रजातियों के पेड़ लगाए जाएंगे। इससे न केवल प्रदूषण कम होगा, बल्कि भूजल स्तर और प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को भी मजबूती मिलेगी। दिल्ली सरकार का उद्देश्य हर नागरिक को एक स्वच्छ, हरित और स्वस्थ वातावरण प्रदान करना है। यह निर्णय पूर्व की उपेक्षित नीतियों के विपरीत एक सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक है और यह संदेश देता है कि हमारी सरकार पर्यावरण के प्रति सिर्फ घोषणाएं नहीं, बल्कि ठोस कदम उठाने में विश्वास रखती है।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा मुवक्किल श्री प्रमोद कुमार दीक्षित (आधार कार्ड नं0 7763 0115 3166) पुत्र श्री गंगा दीक्षित पता आर जेड-37ए, गली नं0 3ए (4), (खसरा नं0 68/20), दादा छतरी वाला मार्ग, राजनगर पार्ट-1, पालम कालोनी, साउथ वैस्ट दिलली-110077 ने अपने पुत्र शिवम दीक्षित आधार कार्ड नं0 3320 5902 6020 को उसके अभद्र व्यवहार व नियंत्रण में नहीं होने के कारण अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है और अपने सारे सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है अगर भविष्य में उपरोक्त पुत्र नैतिक, अनैतिक व अपराधिक कार्य करता है तो वह उसका स्वयं का जोखिम होगा इसमें मेरे मुविक्कल का कोई लेना देना नहीं होगा।

मनोज शर्मा (अधिवक्ता)
चैम्बर नं0 519,
जिला न्यायालय, द्वारका कोर्ट, द्वारका,
नई दिल्ली 110075

सार्वजनिक सूचना

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्रीमती रानी तिवारी, पत्नी श्री संजीव तिवारी, मकान संख्या 14, क्षेत्रफल 60 वर्ग गज, जो कि खसरा संख्या 1672 से संबंधित है, जो ग्राम छपरोला, खेड़ा धर्मपुरा, परगना एवं तहसील दादरी, जनपद गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित है, को श्री रमेश कुमार विश्वकर्मा से क्रय करने का इरादा रखती हैं। उल्लेखनीय है कि उक्त संपत्ति को श्री रमेश कुमार विश्वकर्मा ने श्रीमती मुन्नी देवी से विक्रय विलेख दिनांक 22.03.2025, पंजीकरण संख्या 14923 के माध्यम से क्रय किया था। कृपया ध्यान दें कि मूल विक्रय दस्तावेजों की श्रृंखला में से एक मूल दस्तावेज (चेन डाक्यूमेंट) गुम हो गया है। यह दस्तावेज विक्रय विलेख संख्या 6878, वॉल्यूम नंबर 2744, बुक नंबर 1, पृष्ठ संख्या 241-250, दिनांक 08.06.2010, उप-पंजीयक कार्यालय, दादरी में पंजीकृत था। उपरोक्त दस्तावेज के गुम होने के संबंध में ऑनलाइन एफआईआर (लॉस्ट रिपोर्ट संख्या 20250000746713) दिनांक 10.10.2025 को पुलिस यूनिट- पुलिस कंप्यूटर सेंटर, तकनीकी सेवाएँ मुख्यालय, लखनऊ में दर्ज की गई है। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संपत्ति वर्तमान में कैन फिन होम्स लिमिटेड, शाखा- नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE

I, Shikhir Dhingra, S/o Jagdish Kumar Dhingra, R/o H.No E-5, 2nd Floor, Kailash Colony, New Delhi –110048, have changed my minor daughter name from Veera Shikhir Dhingra to Veera Dhingra for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Shikhir Dhingra, S/o Jagdish Kumar Dhingra, R/o H.No E-5, 2nd Floor, Kailash Colony, New Delhi – 110048, have changed my minor daughter name from Mrida Shikhir Dhingra to Mrida Dhingra for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SATISH MITTAL S/o Parmatma Saran R/o H.No.X-1/7A, Ganesh Street No.4, Near Moni Baba Mandir, Brahampuri, Bhajan Pura, Delhi-110053, have changed my name to SATISH KUMAR permanently.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Birender yadav S/O: Balram Yadav, R/O RZU-34, Nihal Vihar, Nangloi, PO; Nangloi, west Delhi 110041,declare that name of mine has been wrongly written as Virender yadav in my minor son namely Aadarsh yadav aged 17 years in his 10th class educational document. The actual name of mine is BIRENDER YADAV,which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general that I Lalit Kumar S/O: Nandan Singh, R/O D-602 Second Floor, Indraprastha Colony Tila Shahabazpur, Loni Dehat, PO:Loni, DIST:Ghaziabad, Uttar Pradesh, 201102,declare that name of mine has been wrongly written as Lalit in my minor daughter Lakshita aged 13 years in her birth certificate no 13163.The actual name of mine is LALIT KUMAR,which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Sushma W/O Dinesh Kumar, R/O H-2/54 ,JJ COLONY, Sultanpuri C Block, North West Delhi, Delhi-110086,declare that name of mine has been wrongly written as Siya Sharma in my minor daughter namely Palak Sharma aged 14 years in her school records The actual name of mine is SUSHMA,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Savita W/O Budh Prakash, R/O 37, Gali No-1,Pratap Nagar, Mayur Vihar Ph-1, East Delhi, Delhi - 110091,have changed the name of my minor daughter Anjali Tiwari aged 15 years and she shall hereafter be known as ANJALI .

NAME CHANGE

I, Vivek Takhtani S/o Ram Chand Takhtani R/o #H.No 299A, Sector-17, Panchkula, Sector-8, Panchkula Haryana-134109 hereby undertake that I Vivek Takhtani want to change my name to Kashish and gender as female. I Vivek Takhtani henceforth be known as Kashish D/o Ram Chand Takhtani

PUBLIC NOTICE

MY CLIENTS (1) SH. NARAYAN DASS S/O SH. CHANAN DASS R/O. H.NO.RZ I-65, ASHOK PARK, WEST SAGARPUR, NANGAL RAYA, DELHI CANTONMENT, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110046 (AADHAR NO. 754824035728) AND (2) SMT. GANGA RANI W/O SH. NARAYAN DASS R/O. H.NO.209, SECTOR 13B, DWARKA, KAKROLA, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110078 (AADHAR NO.317544770633) HAVE DISOWNED THEIR SON NAMELY NITIN MEHTA S/O. NARAIN DASS R/O. FLAT NO.209, SECTOR-13, POCKET-B, DWARKA, DWARKA SECTOR-13, N.S.I.T. DWARKA, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110078 (AADHAR NO.319759562962) AND DAUGHTER-IN-LAW NAMELY SAKSHI VERMA W/O SH.NITIN MEHTA FROM THEIR MOVABLE AND IMMOVABLE PROP-ERTIES AND SEVERED ALL THEIR RELATIONS WITH THEM DUE TO THEIR MISBEHAVIOUR, MISCOUN-DUCT, CRUEL ACTS AND MENTAL HARASSMENT AND WHOSOEVER DEALS WITH THEM SHALL BE HELD RESPONSIBLE THEMSELVES IN ALL MANNER WHATSOEVER.

ANKUR MODI Advocate
Delhi High Court
Chamber No.T-44, Tis Hazari Court,
Delhi-110054

Public Notice

It is for general information that I Sushila W/O Rajesh Kumar R/O 60, UNCHI GALI, SARAI PIPAL THALA, ADARSH NAGAR, N.S.Mandi, North West Delhi, Delhi, 110033, declare that name of mine and my husband has been wrongly written as MRS. Sushila Maan snd MR. Rajesh Maan in my minor son namely Aarnav Maan aged 15 years in his school record. The actual name of mine and my husband are Sushila and Rajesh Kumar, which may be amended accordingly.

Public Notice

It is for general information that I Rita W/O Raj Kumar R/O HOUSE NO.1332, BERI WALI GALI ,KALA MAHAL, Darya Ganj, Central Delhi, Delhi-110002, declare that name of mine has been wrongly written as Rita Devi in my minor daughter namely Hansika RajKumar aged 16 years in her 10th class educational document The actual name of mine is Rita, which may be amended accordingly.

Public Notice

It is for general information that I Mahesh Chand Sharma S/O: Om Prakash Sharma, R/O H.No. 1400, H-Block, Gali No.16, Sangam Vihar, Devli, South Delhi, Delhi-110080, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as Mahesh Sharma and Neha Sharma in my minor daughter namely Radhika aged 17 Years in her 10th class educational document. The actual name of mine and my wife are Mahesh Chand Sharma and Km Neha Sharma,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Rekha Sharma W/O Manoj Kumar, R/O House No-1292, Near Mata Mansa Devi Mandir, Pana Paposian Narela, PO: Narela, DIST: North West Delhi, Delhi-110040, have changed the name of my minor daughter Ritika aged 7 years and she shall hereafter be known as NANCY SHARMA.

NAME CHANGE

It is for general information that I, USMAN KHAN S/O NASIM KHAN R/o B-217, Sector-3, J.J. Colony, Phase-3, N.S.I.T Dwarka, South West Delhi, Delhi-110078 declare that name of my father has been wrongly written as NASEEM AHMAD in my 10th Class (High School) Certificate Cum Marks Sheet. The actual name of my father is NASIM KHAN, which may be amended-accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I, Anjeet Kumar S/o Jeet Pal R/o Navada Sector 20, Greater Noida, Kasana, Kasna, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201310 declare that name of my father has been wrongly written as Ajit Singh in my Pan Card No-CQOPK0237R. The actual name of my father is Jeet Pal.

NAME CHANGE

I Lalit Mavi S/o Dharm Singh R/o Habibpur, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh -201306 have changed the name of my minor Son Prashant Kumar aged 15 years and he shall hereafter be known as Puneet Mavi.

NAME CHANGE

I Santosh Kumar S/o Jainandan Kumar Sinha R/o H No- B2-808, Eco Villaage-2, Supertech Ecovilage-2, Sector -16B, Bishrakh Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201306 have changed the name of my minor Daughter Aaniya Kumari aged 14 years and she shall hereafter be known as ANANYA KUMARI.

DATE OF BIRTH CHANGED

I, EKTA GUPTA is a legally wedded spouse of No. GO2327X Rank SE(CIV) Name RAJ KUMAR presently residing FLAT NO-WT-03/2402, WINDCHANT SEC 112, NEW PALAM VIHAR, BAJGHERA GURGAON, (HARYANA)-122017, have changed my date of birth from 20-12-1975 to 20-12-1976 for all future purposes. Vide affidavit dated 13.10.2025 Before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I, VIVEK VERMA S/O SH. SANJAY KUMAR VERMA R/O RZ-19A, KH NO-211, GALI NO-8, I-BLOCK, WEST SAGARPUR, SOUTH WEST DELHI-110046,have changed my name from VIVEK VERMA to ARMAN ALAM for all further purposes in future.

NAME CHANGE

It is for general information that I, RINKU SHARMA ALIAS RINKU GOEL D/O SURESH MALIK EX. WIFE OF LATE DEVENDRA KUMAR SHARMA R/O FLAT NO. 158, BLOCK-H, ARUNODAYA SOCIETY, VIKAS PURI, PO: TILAK NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110018 declare that my husband expired on dated 23.05.2021 and death certificate was issued with Registration No. MCDOLIR-0221-267996 dated 31.05.2021. Further I remarried with MANISH KUMAR GOEL S/O NAND KISHOR GOEL on 08.05.2023 vide marriage certificate No. 90730000168468. Further I have changed the name of mine and my minor son namely AHAN KUMAR SHARMA aged 14 years and we shall hereafter be known as RINKU GOEL and AHAN GOEL. Further I also declare that the name of the father of my minor son may be known as MANISH KUMAR GOEL.

NAME CHANGE

I, MEHTAB SIDDQUI S/O MEHMOOD KARIM, residing at H NO-1140, HAVELI HISAMUDDIN HAIDER, PUNJABI FATAK, LAL QUAN BALLI MARAN, PUNJABI FATAK, Delhi-110006.have changed my name to MEHTAB SIDDIQUI for all future purpose.

NAME CHANGE

I, AREEBA D/O MEHTAB SIDDIQUI, residing at H NO-1140, GALI JAMUN WALI HAVELI HISAMUDDIN, PUNJABI FATAK, BALLIMARAN, Delhi-110006.have changed my name to ARIBA SIDDIQUI for all future purpose.

NAME CHANGE

I, AJAY BANSAL S/O RAKESH KUMAR R/O, H NO-B-115, GALI NO-12, 30 FUTA ROAD, JOHRI PUR EXTN, DELHI-110094 Have changed my name to AJAY KUMAR BANSAL for all purposes.

NAME CHANGE

I AJAY S/o NATTHU RAM R/o T-594 SECOND FLOOR PREM NAGAR ROAD BALJEET NAGAR, PATEL NAGAR, Central Delhi, 110008, have changed my name to AJAY RAIKWAR for all future purpose.

NAME CHANGE

I, HARI SHANKER / SHANKAR GUPTA S/O NAND KUMAR GUPTA R/O, C-403, MAYUR APPARTMENT, SECTOR-9, ROHINI, DELHI-110085 Have changed my name to HARI SHANKER GUPTA for all purposes.

NAME CHANGE

I, YES NUTAN GUPTA W/O HARI SHANKER GUPTA R/O, C-403, MAYUR APPARTMENT, SECTOR-9, ROHINI, DELHI-110085 Have changed my name to NUTAN GUPTA for all purposes.

NAME CHANGE

I, AKHILESH SINGH S/o RAM JANAM SINGH R/o V-115/A, OLD NANGAL VILLAGE, DELHI CANTT-110010, have changed my name from AKHILESH SINGH to AKHILESH KUMAR SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Kajal Kumari D/o Sanjay Ray R/o,B-7, Gali-No.5, Rani-Garden, Shastri-Nagar, East-Delhi, Delhi-110031,that name of my-father and my-mother has-been wrongly-written as CHAMPA and SANJAY in my 10th, 12th-Class CBSE Marks-Statement, and Certificate, Central-Board of Secondary-Education (CTET), and Diploma Degree.The actual-name of my-father and my-mother are Sanjay Ray and Champa Devi.

NAME CHANGE

I, SHABIR ALI IDRISI S/o Ulfat Ali Idrisi R/o H.No.5, Ranholla, Bakkar Wala, Delhi-110041 have changed my name to SABIR ALI for all future purposes.

NAME CHANGE

I, MD KHAIRUL HUSSAIN S/o Chalemamud Hussain R/o 353/1, Street No.1, Than Singh Nagar, Anand Parbat, Karol Bagh, Delhi-110005, have changed my name to KHAIRUL HUSSAIN permanently.

NAME CHANGE

I, Mohammed Musa S/o Mohammed Yaqoob R/o 2386, 2nd Floor, Gali Chandi Wali, Turkman Delhi-110006 have changed my name to Mohd Musa Khan.

NAME CHANGE

I, KIRAN, W/o- Bhupender Singh, R/o: 104, Bamnoli Village, Bamnoli, South West Delhi, Delhi- 110077 Have Changed My Name to KIRAN ROJHA. for all Purposes.

NAME CHANGE

I, PHANI BHUSAN MONDAL Father of No-15416317Y Rank-HAV Name-SUVENDU MONDAL Presently residing at VILL-UMRAPATA, PO-KEYAMACHA, TEH-MIDNAPORE, DIST-WEST MIDNAPORE, WEST BENGAL-721253, have changed my name from PHANI BHUSAN MONDAL to PHANI MANDAL for all future purposes vide Affidavit dated 13/10/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Ramnaresh Singh Suman S/O, shri Sadhu Singh R/o Kachhiyana, Surajgarh Lakhisarai, Bihar -811107, wrongly mentioned Name in my son Documents. kindly correct my name Suman to Ramnaresh Singh Suman for all future purpose

NAME CHANGE

I, SUNEEL KUMAR son of VIDYA LAL, resident of 310, BHANGHA, POST BHANGHA,, HUJURPUR, BAHRAICH, UTTAR PRADESH-271872, have changed my name to SUNIL KUMAR for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SAVITRY DEVI wife of VIDYA LAL, resident of 310, BHANGHA, POST BHANGHA, HUJURPUR, BAHRAICH, UTTAR PRADESH-271872, have changed my name to SAVITRI DEVI for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Malvika alias Mukesh D/O Raj Kumar W/O Kapil R/O L-2/206-B, D.D.A Flats Kalka Ji, Delhi-110019, have changed my name and shall hereafter be known as Malvika.

NAME CHANGE

It is for general information that I LALIMA MISHRA W/o SUBHASH CHANDRA MISHRA residing at House No. 276-A, Gali No. 21, Kotala Vihar, Phase -2, Tilang Pur Kotla, Dist: West Delhi, Delhi - 110043 declare that the name of mine has been wrongly written as KUMKUM MISHRA in my minor daughter namely CHHAVI MISHRA aged 14 years in her School Record. The actual name of mine is LALIMA MISHRA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I, RAHUL KUMAR PHALSWAL S/O RAKESH KUMAR R/O RZ-73, Block-M, Dharampura, Najafgarh, South West Delhi, Delhi-110043, declare that name of my wife has been wrongly written as MANISHA in my minor son's namely CHAITANYA aged 14 years in his School Records and name of mine has been wrongly written as RAHUL KUMAR in my wife's Aadhar No. 6119 7928 7001 and in my minor Son's Aadhar No. 4863 4378 3938 .The actual name of my wife and mine are MANISHA SEHRAWAT and RAHUL KUMAR PHALSWAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, RAHUL KUMAR PHALSWAL S/O RAKESH KUMAR R/O RZ-73, Block-M, Dharampura, Najafgarh, South West Delhi, Delhi-110043 have changed the name of my minor Son CHAITANYA aged 14 Years and he shall hereafter be known as CHAITANYA PHALSWAL.

NAME CHANGE

I, HARISH ASRANI S/O THAWAR DASS ASRANI R/O WZ - 44B , Krishna Park , PO: Tilak Nagar, DIST: West Delhi, Delhi - 110018 have changed the name of my minor daughter namely RIDHI aged 13 years and she shall hereafter be known as RIDHI ASRANI.

NAME CHANGE

It is for general information that I, PATHAN SHAHNAWAZ KHAN S/o ABDUL GAFFAR R/o A 12 B, Sangam Vihar, Dr. Ambedkar Nagar, South Delhi, Delhi-110062, declare that name of mine has been wrongly written as SHAHNAWAZ KHAN in my minor Son MOHAMMAD SHABREZ KHAN aged 16 years in his 10th Class Educational Document. The actual name of mine is PATHAN SHAHNAWAZ KHAN, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Mohammad Waseem s/o Mohd Qasim R/o H No. T-666, Gali No.10, Gautampuri, Seelumpur, Delhi-110053 have changed my name to Mohd Vasim Permanently.

NAME CHANGE

I ROSHNI GUPTA W/O HARJOT SINGH R/O A-I-48 MADANGIR DR. AMBEDKAR NAGAR PUSHPA BHAWAN SOUTH DELHI 110062 I HAVE CHANGED MY NAME TO ROSHNI KAUR

NAME CHANGE

I NAEEMUDDIN S/O SALEEM R/O 15/36 TRILOKPURI CHILLA SARODA KHADAR EAST DELHI 110091 HAVE CHANGED MY NAME TO NAIMUDDIN

NAME CHANGE

I kumari Riya D/O Swayamber Dutt R/O D-2, HOUSE NO-127, SANGAM VIHAR, PUSHPA BHAWAN, SANGAM VIHAR, SOUTH EAST, NCT OF DELHI- 110062 HAVE CHANGED MY NAME TO RIYA

NAME CHANGE

I, Rasmina w/o Akbar Hussain R/o Village Akbarpur Po Pinangwan, Teh-Punhana, Dist, Mewat, Haryana have changed my name to Rasmina Begam for all future purposes

NAME CHANGE

I ROHIT S/0 Gunjan Add.H.no-725 -D gali no 5 punjabi Basti Anand Parvat karol bagh Delhi 110005 changed my name to Rohit Aggarwal.

NAME CHANGE

I, PATIL BALKRUSHNA KERBA is legally father of No. 2810662K Rank- SEP, Name-PATIL MADHUR BALKRISHNA R/O VILL-KURNI, POST-MALGE, TEH-KAGAL, DIST- KOLHAPUR, STATE-MAHARASHTRA, PIN-416219, have changed my name from PATIL BALKRUSH?? KERBA ?O BALKRISHNA KERBA PATIL and date of birth from 01/06/1953 to 01/01/1948. for all future purposes. Vide affidavit dated 11.10.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I. MANGAL is a real mother of No. 2810662K Rank SEP Name PATIL MADHUR BALKRISHNA presently residing VILL- KURNI, POST-MALGE, TEH- KAGAL, DIST-KOLHAPUR, (MAHARASHTRA)-416219 have changed my name from MANGAL TO MANGAL BALKRISHNA PATIL and and date of birth from 16/03/1958 to 01/01/1958 .for all future purposes. Vide affidavit dated 11.10.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, CHATURA is a legally wedded spouse of No. JC 462756W Rank NB Sub Name MANKARE BARMAJI NAGNATH presently residing at VILL- LONI, POST- UDGIR, TEH-UDGIR, DIST- LATUR, (MAHARASHTRA) PIN-413517, have changed my name from CHATURA to MANKARE CHATURA BARMAJI for all future purposes. Vide affidavit dated 11.10.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, Chaudhari Vijay Bhai Ravindra Bhai Army No. 4286148H, Rank - HAV Posted at Unit 16 Bihar REGT Center, Trg Bn, Damo PL, C-Coy, C/o - 56 APO, Pin - 900441 & Permanently Residing at Chaudhari Faliyu, Panchpipla, Dist. - Tapi, State - Gujarat, Pin - 394360 have changed my minor Daughter's name from Twisa Ben to Chaudhari Twisaben Vijaybhai Correct Date of Birth 02/10/2009 for all future purposes. Vide Affidavit Dated 13th Oct. 2025 before The Notary Public at Delhi (India) in presence of Advocate Madan Lal Gupta.

NAME CHANGE

I, Chaudhari Vijay Bhai Ravindra Bhai Army No. 4286148H, Rank - HAV Posted at Unit 16 Bihar REGT Center, Trg Bn, Damo PL, C-Coy, C/o - 56 APO, Pin - 900441 & Permanently Residing at Chaudhari Faliyu, Panchpipla, Dist. - Tapi, State - Gujarat, Pin - 394360 have changed my minor Son's name from Chuadhary Trushit Bhai to Trushit Vijaybhai Chaudhari Correct Date of Birth 14/12/2011 for all future purposes. Vide Affidavit Dated 13th Oct. 2025 before The Notary Public at Delhi (India) in presence of Advocate Madan Lal Gupta.

NAME CHANGE

I, Chaudhary Vina Ben Bijay Bhai Spouse of Army No. 4286148H, Rank - HAV, Name - Chaudhari Vijay Bhai Ravindra Bhai Posted at Unit 16, Bihar REGT Center, Trg Bn, Damo PL, C-Coy, C/o - 56 APO, Pin - 900441 & Permanently Residing at Chaudhari Faliyu, Panchpipla, Dist. - Tapi, State - Gujarat, Pin - 394360 have changed my name from Chaudhary Vina Ben Bijay Bhai to Chaudhari Vinaben Vijaybhai Date of Birth From 27/06/1989 to 21/06/1989 for all future purposes. Vide Affidavit Dated 13th Oct. 2025 before The Notary Public at Delhi (India) in presence of Advocate Madan Lal Gupta.

NAME CHANGE

I, KUMARI POOJA is legally wedded Daughter of No. 004936A Rank-CDM, Name- SHRI CHAND R/o H/NO C-62 MAHARAJA ENCLAVE KHAIR, TEHSIL-KHAIR, DIST-ALIGARH (UP)-202138, have changed my name from KUMARI POOJA to POOJA KUMARI for all future purposes. Vide affidavit dated 13.10.2025 Before Sub Divisional Magistrate Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Shraddha Singh Baliyan W/O Naveen Singh Baliyan R/O D-5, Sector-15, VTC: Noida, PO: Noida, Sub District: Gautam Buddha Nagar, District Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh-201301, declare that name of mine has been wrongly written as Shraddha Singh in my minor daughter namely Preksha Baliyan aged 16 years in her 10th educational documents. The actual name of mine is Shraddha Singh Baliyan

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Laxmi Devi W/o Mr. Rajesh is the owner of Freehold Residential land area measuring 10 marla part of Khewat/Khata No. 881/981, Mu/ Killa No. 128//11 (6-2), 12/1 (4-4), 12/2 (3-17) 3 Tadadi 14 Kanal 03 Marla share of 10/283, Bakdar 10 Marla Situated at Waka Area Bhorakalan Tehsil Pataudi District Gurgaon, Haryana., by virtue of Exchange Deed dated 25.10.2023 which is duly regd., as Doc no. 4092, in Book No. 1, Vol. No. 1893/175, on Pages No. 107.75/61-62, on this dated 25.10.2023, SR-Pataudi. till date and has lost/Misplace his Original Sale Deed dated 26.10.2012 executed by Sh. Vijaypal in favour of Smt. Santosh Yadav Vide Doc. No. 2278, in Book No. I, Vol. No. 166/1183, on pages 102/81-82, dated 26.10.2012 SRO-Patodi. now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by Piramal Finance Ltd. Branch: Sohna Road Gurugram, Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE

I, JYOTI JHA, wife of Mr. RANJEET KUMAR JHA, resident of HOUSE NO. 363/A, K BLOCK, STREET NO. 6C, MAHIPALPUR, NEW DELHI – 110037, have changed my name from JYOTI JHA to KUMARI ABHILASHA vide affidavit no-IN-DL45873126849831X dated 30/08/2025. Henceforth, I shall be known as KUMARI ABHILASHA for all purposes.

NAME CHANGE

I,BAM BHOLE JHA S/O RAMESHWAR JHA R/O WZ 65 , 3 RD FLOOR GALI NO -4 SHIV NAGAR JAIL ROAD JANKPUR DELHI-110058, I have changed my name to BAMBHOLI JHA Permanently

NAME CHANGE

I,MOHAMMAD ABDUL MAJID & MOHD ABDUL MAJID S/O NISARUL HUK ,R/O H-1/88 SULTAN PURI DELHI - 110086 , I have changed my name to ABDUL MAJID Permanently

NAME CHANGE

I, VENKATESH NAIDU GALI PERUMAL NAIDU S/O GALI PERUMAL R/O NO-37, JV RESIDENCE, SERENITY LAYOUT, SHIRIDI SAI NAGARA, RK HEGDE NAGAR, BENGALURU, KARNATAKA-560077, HAVE CHANGED MY NAME TO VENKATESH NAIDU G FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, MOHIT K MALIK S/O IQBAL SINGH MALIK R/O HOUSE NO-141,WARD NO-13, NEAR NEW GURDWARA, NUH, MEWAT, HARYANA-122107 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHIT MALIK FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, PRIYANKA PADHIARY W/O HIMANYAMAYA PATTANAYAK R/O 916/5 FLAT NO 202 ON 1ST FLOOR GALI NO 7 VINAYAK PUBLIC SCHOOL PATEL NAGAR GURGAON, HARYANA-122001 I HAVE CHANGED MY NAME TO PRIYANKA PATTANAYAK

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा हाउसिंग बोर्ड का एचएसवीपी में होगा विलय

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा हाउसिंग बोर्ड (संशोधन) विधेयक, 2025 के प्रारुप को मंजूरी प्रदान की गई। इस संशोधन का उद्देश्य हरियाणा हाउसिंग बोर्ड का हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) के साथ विलय सुनिश्चित करना है। इस संशोधन का मुख्य उद्देश्य शहरी विकास और आवास संबंधी कर्यों को सुव्यवस्थित करना, प्रशासनिक दोहराव को समाप्त करना तथा नागरिकों को सेवाओं की आपूर्ति में दक्षता बढ़ाना है। मुख्यमंत्री ने वित्त वर्ष 2025-26 के अपने बजट भाषण में हाऊसिंग बोर्ड हरियाणा को भंग कर उसके कार्य एचएसवीपी में समाहित करने की घोषणा की थी, ताकि शहरी विकास एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जा सके। इस संशोधन का कोई प्रत्यक्ष वित्तीय प्रभाव नहीं होगा, क्योंकि इस विलय से संबंधित संचालनात्मक कार्य मौजूदा प्रशासनिक ढांचे के माध्यम से ही संपादित किए जाएंगे।

केंद्र ने दी किसानों को 42 हजार करोड़ की सौगातः यतिंद्र सिंह

सिरसा। भारतीय जनता पार्टी के सिरसा जिलाध्यक्ष एडवोकेट यतिंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के किसानों को समर्पित की गई 42 हजार करोड़ से अधिक की दो प्रमुख योजनाओं प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन को किसानों के लिए एक अभूतपूर्व सौगात बताया है। भाजपा जिलाध्यक्ष ने रविवार को जारी प्रैस बयान में कहा कि प्रधानमंत्री का यह कदम विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने की दिशा में आत्मनिर्भरता की ओर उठाया गया एक सशक्त कदम है। प्रधानमंत्री के वक्तव्य को उद्धत करते हुए उन्होंने कहा कि किसान भारत की आत्मा हैं। जब किसान सशक्त होगा, तो देश सशक्त होगा। आज जिन योजनाओं की शुरुआत हुई है, वे सिर्फ सरकारी योजनाएं नहीं, बल्कि भारत के भविष्य की योजनाएं हैं। जिलाध्यक्ष ने जोर दिया कि चूंकि सिरसा एक कृषि प्रधान जिला है, इसलिए करोड़ों की लागत वाली प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना से यहां के किसानों को विशेष लाभ मिलेगा। इस योजना के तहत कृषि उत्पादकता बढ़ाने, सिंचाई सुविधाओं में सुधार करने, फसलों में विविधता लाने और किसानों को सस्ते व सुलभ ऋण उपलब्ध कराने पर सीधा ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जो सिरसा की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था के लिए एक संजीवनी का काम करेगा।

छह मामलों को निपटाकर 24 साइबर अपराधी किए गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस उपायुक्त साइबर अभिषेक जोरवल के नेतृत्व में फरीदाबाद पुलिस की साइबर थानों की टीम द्वारा साइबर अपराधियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में साइबर थानों की टीम ने कार्रवाई करते हुए इस सप्ताह 24 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार 14 लाख 55 हजार रू रुपए बरामद किये हैं। पुलिस प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि 04 से 10 अक्टूबर तक फरीदाबाद पुलिस की साइबर थानों की टीम ने छह मुकदमों में कार्रवाई करते हुए 24 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान साइबर थाना की टीमों ने 14 लाख 55 हजार रू बरामद किये हैं तथा 356 शिकायतों का निस्तारण कर दो लाख 71 हजार 848 रिकवर किये हैं, साथ ही 30 लाख छह हजार 629 खातों में फ्रीज कराये हैं। गिरफ्तार आरोपियों में देवांशू मीणा, वंश, शशिकांत कुमार, नैतिक, कमलेश, तोशिफ, सूरज गोस्वामी, अतिंद्रपाल, राजकमल, हितेंद्र, माईकल, फ्रांसिस एमेका, रम्भा बसूमतरी, संदीप, बहादुर, दल सिंह, जतिन, पूर्ण, उपेंद्र, दिलीप शिवाजी, दीपक, अजय, गौरव व विवेक का नाम शामिल है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने कहा कि साइबर ठगी के मामले में लोगों का जागरूक न होना ठगी का मुख्य कारण है। आजकल साइबर अपराधी क्रेडिट कार्ड, बीमा पॉलिसी, पानी व बिजली बिल आदि से संबंधित मामलों में ठगी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

फरीदाबाद के एनआईटी-3 में चाय रेहड़ी वाले बुजुर्ग को कार ने कुचला, मौके पर मौत

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद के एनआईटी-3 क्षेत्र में रविवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में चाय रेहड़ी लगाने वाले बुजुर्ग अजय महतो की मौत हो गई। मूल रूप से बिहार के रहने वाले अजय महतो पिछले कई वर्षों से प्राची अस्पताल के बाहर चाय बेचकर परिवार का पालन-पोषण कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, अजय महतो रोजाना की तरह रविवार की सुबह अपनी रेहड़ी लगाने की तैयारी कर रहे थे। उन्होंने चाय का सामान रेहड़ी पर रख ही रहा था कि तभी सामने से तेज रफ्तार कार ने बेकाबू होकर पहले उनकी रेहड़ी को जोरदार टक्कर मारी और फिर उन्हें कुचल दिया। इस हादसे में अजय महतो की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर से रेहड़ी भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत आरोपित कार ड्राइवर को पकड़ लिया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। सूचना मिलते ही एसजीएम नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बादशाह खान अस्पताल के शवगृह में भेज दिया।

हरियाणा सरकार ने दी एचआईवी/एड्स नियम 2025 को मंजूरी, 6 लोकपाल नियुक्त होंगे

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा मानव इम्यूनोडिफिशिएंसी वायरस और एक्वायर्ड इम्यूनोडिफिशिएंसी सिंड्रोम (रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 2017 की धारा 49 की उपधारा (1) के अंतर्गत राज्य नियमों के निर्माण को मंजूरी दी गई।नए नियमों को हरियाणा मानव इम्यूनोडिफिशिएंसी वायरस और एक्वायर्ड इम्यूनोडिफिशिएंसी सिंड्रोम नियम, 2025 कहा जाएगा। इन नियमों के अंतर्गत, राज्य सरकार अपने छह प्रशासनिक प्रभागों के आयुक्तों को लोकपाल के रूप में कार्य करने के लिए नामित करेगी। उनकी भूमिका एचआईवी/एड्स से पीड़ित लोगों की शिकायतों का निपटारा करना है। प्रत्येक लोकपाल अपने-अपने प्रभागों रोहतक, हिसार,

करनाल, गुरुग्राम, फरीदाबाद और अंबाला में कार्य करेगा और संबंधित जिले के सिविल सर्जन द्वारा समर्थित होगा। राज्य सरकार नैदानिक सुविधाओं को मजबूत करने और संक्रमणों, अर्थात् ऐसे संक्रमण जो प्रतिरक्षा को कम कर सकते हैं, के प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपाय करेगी। सरकार एचआईवी पॉजिटिव व्यक्तियों को नैदानिक और उपचार सेवाएँ प्रदान करने में निजी चिकित्सा क्षेत्र को भी सक्रिय रूप से शामिल करेगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सेवाएँ बिना किसी भेदभाव के प्रदान की जाएँ। निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को निर्देश दिया जाएगा कि वे सभी एचआईवी पॉजिटिव मामलों की सूचना निकटतम एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केंद्र या सरकारी अस्पताल को आगे के प्रबंधन और उपचार के लिए दें, साथ ही निजता के अधिकार सहित व्यक्तियों के मानवाधिकारों का भी कड़ाई से पालन करें। ये नियम लोकपाल के कार्यों और जिम्मेदारियों को भी परिभाषित करते हैं, जिनका उद्देश्य एचआईवी से प्रभावित बच्चों, एचआईवी से प्रभावित व्यक्तियों और एचआईवी से ग्रस्त व्यक्तियों के अधिकारों और हकों की रक्षा करना है।

घायलों के प्राणों की रक्षा के लिए रक्तदान जरूरीः मेयर राजीव जैन

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत नगर निगम मेयर राजीव जैन ने कहा कि रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं है, वजह रक्त का कोई विकल्प नहीं है और जरूरतमंद मरीज को रक्त की पूर्ति रक्तदान के माध्यम से ही संभव है। राजीव जैन प्रभु श्रीराम ग्रुप, कोट मौहल्ला द्वारा मोजीराम धर्मशाला के प्रांगण में आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर 86 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। रक्तदाताओं को बैज लगाकर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। इस दौरान नगर निगम

मेयर राजीव जैन ने कहा कि रक्तदान समाज की उत्तम सेवा है। विभिन्न प्रकार की बीमारियों से पीड़ित मरीजों को नियमित रूप से रक्त की आवश्यकता रहती है। इसी प्रकार सड़क दुर्घटना में भी घायलों के प्राणों की रक्षा के लिए रक्त की जरूरत पड़ती है। इस रक्त की आवश्यकता को रक्तदान के माध्यम से ही पूरा किया जा सकता है। इसलिए लोगों को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए। एक स्वस्थ व्यक्ति प्रत्येक तीन माह में रक्तदान कर सकता है। रक्तदान को लेकर प्रचलित भ्रांतियों को दिमाग से निकाल देना चाहिए। रक्तदान से शरीर में किसी भी प्रकार के कमजोरी नहीं आती। रक्तदान के बाद शरीर में रक्त पुनः बन जाता है। रक्तदान शिविर में गौरव कौशिक, अमित कौशिक, सौरभ चाँदना, अमन योगी, गौतम शर्मा, विकी चुघ आदि उपस्थित रहे।

जन विकास-जन विश्वास रैली जितनी भव्य होगी उतना ही कार्यकर्ताओं का यश बढ़ेगा : डा. सतीश पूनिया

एजेंसी

पंचकूला। भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में आयोजित प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने कहा कि सरकार के निर्णयों को हमें घर-घर तक पहुंचना है। उन्होंने कहा कि नायब सरकार ने लाड़ो लक्ष्मी योजना लागू की है इसका कार्यकर्ता अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करें। डा. पूनिया ने कहा कि हरियाणा की जीत से पार्टी को पूरे देश में ताकत मिली यह सिर्फ हरियाणा की जीत से ही संभव हो पाया। डा. सतीश पूनिया ने कहा कि 11 साल भाजपा की सरकार चलना यह केवल राजनीतिक खानापूर्ति और रस मलाई नहीं बल्कि एक-एक नेता और कार्यकर्ताओ के लिए आनंद के साथ-साथ चुनौती का मौका है। उन्होंने कहा कि सोनीपत में पीएम मोदी की ''जन विकास-जन विश्वास'' रैली जितनी भव्य होगी उतना ही कार्यकर्ताओं का यश बढ़ेगा। डा. पूनिया ने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने नेता प्रतिपक्ष बनाने में एक साल लगा दिया, वहीं भाजपा अपना एक साल

का जश्न मना रही है।

डा. पूनिया ने कहा कि भाजपा को बार-बार सत्ता में लाना है तो सरकार की उपलब्धियों और खूबियों को घर-घर तक जाकर बताना होगा। संगठन की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा के समन्वय से संगठन धरातल पर विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल वोट लेने और चुनाव लड़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि जनहित के काम करती है और यही बात जनता को बतानी है।

सेवा और सामाजिक सरोकार संघ के लिए सर्वोपरि :महेश जोशी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा रेडक्रास के महासचिव महेश जोशी ने कहा है कि सौ वर्ष की अपनी गौरव यात्रा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सेवा व सामाजिक सरोकार को प्राथमिकता देते हुए सदैव स्वयंसेवकों में मानवीय जीवन मूल्यों व सांस्कृतिक पुनर्जागरण के आधार पर वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को जीवंतता प्रदान करते हुए विश्व के लगभग 100 देशों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। इससे विश्व बंधुत्व की भावना भी दृढ़ हुई हैं।

महेश जोशी ने कहा कि संघ का दृष्टिकोण सदैव यह रहा है कि समाज की सबसे छोटी इकाई तक राष्ट्रीय चेतना पहुंचे और हर व्यक्ति 'राष्ट्रहित सर्वोपरि' की भावना से कार्य करे। इसी आधार पर सेवा और सामाजिक सरोकार आरएसएस की प्राथमिकता बन गए हैं, क्योंकि राष्ट्र का उत्थान तभी संभव है जब समाज संगठित, शिक्षित, आत्मनिर्भर और संस्कारित हो। भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय पुनर्जागरण की यात्रा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और विशिष्ट रही है। 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा नागपुर में स्थापित यह संगठन आज विश्व का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन बन चुका है। संघ का मूल उद्देश्य केवल संगठन निर्माण या वैचारिक प्रचार नहीं, बल्कि एक ऐसा राष्ट्रनिर्माण है जो सेवा, एकता और स्वाभिमान के आदर्शों पर आधारित हो। हिन्दुत्व की संकीर्ण मानसिकताओं को दूर करके जीवन शैली के रूप में विकसित होते हुए भारत को विश्वगुरु के रूप में आरूढ़ होता देखना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रत्येक स्वयंसेवक का सपना रहा है।

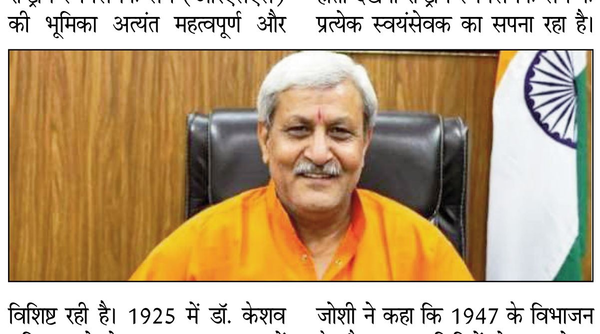

जोशी ने कहा कि 1947 के विभाजन के दौरान राहत शिविरों से शुरू होकर 1962, 1965, 1971 के युद्ध में स्वयंसेवकों की भूमिका ना केवल सराहनीय रही अपितु दशकों में आई भूकंप, महामारी व अन्य प्राकृतिक आपदाओं के समय संघ के स्वयंसेवकों के कार्यों ने अपनी विशेष पहचान बनाई है ।

आईपीएस के परिजनों से मिले हरियाणा के राज्यपाल

दुष्यंत चौटाला, नवीन जिंदल समेत कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार की आत्महत्या का मामला गहरा गया है। हरियाणा के राज्यपाल अशीम कुमार घोष रविवार की शाम अमनीत पी कुमार से मुलाकात करने उनके आवास पर पहुंचे। राज्यपाल ने परिवार के साथ बातचीत की। इस दौरान किसी को भी घर के भीतर जाने नहीं दिया गया। राज्यपाल ने अमनीत तथा उनके भाई के साथ अलग से भी बातचीत की।

दिनभर हरियाणा व पंजाब के नेताओं का अमनीत पी कुमार के आवास पर आना-जाना लगा रहा। कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि अमनीत पी कुमार और वाई पूरन कुमार दोनों ही बेहतरीन अफसर रहे हैं। दोनों ही कैथल में डीसी और एसपी रहे है। मैं आशा करता हूं की जो घटना हुई है, उसमें सच्चाई सामने आएगी। ऐसा ही हमारे सीएम नायब सैनी ने कहा है। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला तथा जननायक जनता पार्टी के संस्थापक

एवं पूर्व सांसद अजय चौटाला भी आज अमनीत से मिलने पहुंचे। इस मुलाकात के बाद अजय चौटाला ने कहा कि इस गंभीर मामले में निष्पक्ष उच्च स्तरीय जांच हो और दोषियों को सख्त से सख्त से सजा मिले, इसमें चाहे कोई भी कितने बड़े पद पर बैठा क्यों ना हों। अजय चौटाला ने कहा कि इस मामले में जिन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो रखी है, उनपर सरकार को तुरंत एक्शन लेना चाहिए। उन्होंने सरकार की कार्य प्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि परिवार की मुख्य मांग है कि आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। हरियाणा के कांग्रेस नेता एवं पूर्व वित्त मंत्री संपत्त सिंह, पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा, मुख्यमंत्री नायब सैनी के राजनीतिक सचिव तरुण भंडारी ने भी पूरन कुमार को श्रद्धांजलि भेंट की। इस बीच पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि हरियाणा सरकार की ढील ने न्याय व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है। जिन लोगों के नाम सुसाइड नोट में हैं उन सभी पर कार्रवाई होनी चाहिए। पंजाब के पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हरियाणा के डीजीपी को पद से हटाकर गिरफ्तार करने की मांग की। साथ ही उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार की मांगों को सुनकर उन्हें पूरा किया जाए और परिवार को इंसाफ दिया जाए। पंजाब में आज आम आदमी पार्टी द्वारा वाई पूरन कुमार को न्याय दिलाने की मांग को लेकर सोमवार को राज्यभर में कैंडल मार्च निकाला जाएगा। अमृतसर में मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ के नेतृत्व में भंडारी पुल से हॉल गेट तक कैंडल मार्च निकाला जाएगा। जालंधर में मंत्री मोहिंदर भगत के नेतृत्व में कॉरपोरेशन चौक से लव कुश चौक तक कैंडल मार्च निकाली जाएगी।

एडीजीपी सुसाइड मामले में खाप पंचायत व सामाजिक संगठनों ने सौंपा ज्ञापन

एजेंसी

रोहतक। एडीजीपी वाई पूरन कुमार सुसाइड मामले को लेकर खाप पंचायत व सामाजिक संगठनों की बैठक हुई, जिसमें मामले की निष्पक्ष जांच व आईपीएस नरेन्द्र बिजारणिया के खिलाफ की गई एक तरफा कारवाई को लेकर सरकार के खिलाफ कड़ा विरोध जताया गया। खाप पंचायत व सामाजिक संगठन के लोगों ने इस संबंध में लघु सचिवालय पहुंच कर प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपा। अहलावत खाप-27 के प्रधान जयसिंह अहलावत व छात्र नेता प्रदीप देशवाल ने कहा कि वह न्याय चाहते हैं और किसी जाति के खिलाफ नहीं है। इस मामले में किसी को बलि का बकरा ना बनाया जाए और जहां तक आईपीएस नरेंद्र बिजारणिया की बात है तो वह बहुत ईमानदार व मेहनती अफसर है। उसने कभी जाती पाती के आधार पर काम नही किया। इस मामले में सरकार ने आईपीएस नरेन्द्र बिजारणियां को अपना पक्ष रखने तक का अवसर नहीं दिया गया और बिना जांच किए ही आईपीएस के खिलाफ कारवाई कर दी, जोकि सरासर गलत है और समाज में इससे भारी रोष है। साथ ही उन्होंने कहा कि परिवार को न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ शरारती तत्व इस मामले को जातीय रंग देना चाहते है, जिससे प्रदेश का भाईचारा खराब हो सकता है। इसलिए मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो और निर्दोष को ना फंसाया जाए। इस अवसर पर रणजीत सिंह, राजबीर, सतबीर, ईश्वर हुड्डा, रणबीर, वेदपाल, राजेश, जयभगवान प्रशांत प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

जींद में महिलाओं के स्वास्थ्य जांच को लेकर नमो शक्ति रथ कार्यक्रम शुरू : कार्तिकेय शर्मा

एजेंसी

जींद। हरियाणा के राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने जुलाना के मेन बाजार स्थित हनुमान मंदिर में अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर लिया गया संकल्प है कि हमारी माताएं-बहनें स्वस्थ रहें। क्करू हमेशा महिलाओं के प्रति संवेदनशील रहे हैं। इसी उद्देश्य से नमो शक्ति रथ कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसमें प्रतिदिन एक गांव में एंबुलेंस टीम माताओं-बहनों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण करेगी। इसका लक्ष्य गंभीर बीमारियों से समय रहते बचाव है।

राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने 17 सितंबर को सोनीपत आ रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत में बढ़चढ़ कर पहुंचने का आह्वान किया। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने आयुष्मान भारत के तहत प्रत्येक व्यक्ति को पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा दिया है। इसका फायदा हमारी माताओं और बहनों को मिले ताकि समय रहते गंभीर बीमारियों से बचाया जा सके। अगर जुलाना क्षेत्र में भी नमो रथ कार्यक्रम शुरू करना है तो एक एंबुलेंस यहां भी आएगी। यहां आत्मनिर्भर भारत, नौकरी मिलती है। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि आईपीएस पूरन मामले मे सरकार पूरी तरह से कटीबद्ध है। इस मामले में जो

जीएसटी बचत उत्सव व एआई लैब कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने भवन निर्माण के लिए 11 लाख रुपये देने की घोषणा की। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि दस से 15 साल पहले एक ऐसा सिस्टम था, जहां केवल एक मिनट का इंटरव्यूह होता है। उस एक मिनट के इंटरव्यूह में आपसे पूछते थे कि आप कहां से हो, क्षेत्र के हिसाब से फैसला होता था लेकिन अब एक ऐसी व्यवस्था बनी है कि हर एक बच्चे को मैरिट के आधार पर कारवाई बनेगी सरकार वो कारवाई करेगी। कानून सभी के लिए एक समान है। मामला चाहे हरियाणा का हो या चंडीगढ़ का। सरकार कारवाई करेगी। हमारी संवेदनाएं परिवार के साथ हैं। हम भी यही चाहते हैं कि परिवार को न्याय मिलना चाहिए और न्याय अवश्य मिलेगा। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा जुलाना के गांव सिरसा खेड़ी पहुंचे और सती माता के मंदिर का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत की।

समाज की तरक्की के लिए शिक्षित होना जरूरीः डॉ. मोहित सुथार

एजेंसी

सिरसा। विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट सिरसा द्वारा रविवार को 25वां सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में अव्वल रहे बच्चों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर डा. मोहित सुथार ने कहा कि शिक्षा के बिना किसी भी समाज की तरक्की संभव नहीं है। शिक्षा ही वह साधन है, जो किसी भी समाज की दशा व दिशा तय करती है। सुथार ने कहा कि समाज के बहुत से ऐसे बच्चे हैं, जिनमें टेलेंट भरपूर है, लेकिन आर्थिक स्थिति उनकी सफलता में कहीं न कहीं आड़े आ जाती है।

इसी समस्या को देखते हुए ट्रस्ट लगातार ऐसे बच्चों की मदद कर उन्हें आगे बढ़ाने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के बच्चों में टेलेंट की कोई कमी नहीं है। उन्हें जरूरत है तो बेहतर गाइडेंस की, जिससे वे अपने लक्ष्य को बिना किसी बाधा के हासिल कर अपना, अपने समाज व देश का नाम रोशन कर सकें। वहीं युवाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में डॉ. मोहित सुथार ने कहा कि समाज अगर शिक्षित होगा तो नशे की प्रवृत्ति से अपने आप दूर चला जाएगा। डॉ. श्रुति सुथार ने कहा कि समाज के उत्थान के लिए महिलाओं का शिक्षित होना जरूरी है। शिक्षित होने के साथ-साथ अपने पैरों पर खड़ा होना और परिवार व समाज को साथ लेकर चलना जरूरी है।

प्रदेश सरकार ने अब तक 48 संकल्प पूरे किए हैं : डा. अरविंद शर्मा

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा के सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने शनिवार रात गोहाना के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में अपने जन्मदिन पर आयोजित भव्य खाटू श्याम जागरण में कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ने 48 संकल्प पूरे किए हैं। उन्होंने 17 अक्टूबर को राई एजुकेशन सिटी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली में बड़ी सौगातों की घोषणा का भी उल्लेख किया।

मुख्य अतिथि डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि गोहाना में धर्म के प्रति लोगों की आस्था प्रेरणादायक है। उन्होंने घोषणा की कि हर वर्ष गोहाना में भव्य रामलीला और नवरात्रि में डांडिया आयोजन किया जाएगा, ताकि युवा पीढ़ी भारतीय संस्कृति से जुड़ सके। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ अरविंद शर्मा, उनकी धर्मपत्नी डॉ रीटा शर्मा एवं भजन सम्राट कन्हैया मित्तल ने पूजा-अर्चना व ज्योत

प्रज्ज्वलन के साथ किया। इसके बाद भजन गायिका निशा छाबड़ा, बर्बरीक, चिराग लाडला और पंचकूला से आए सौरव अत्रि ने भक्ति रस से वातावरण को भर दिया। जब कन्हैया मित्तल ने मंच संभाला, तो सात घंटे तक श्रद्धालु उनके भजनों में डूबे रहे।

कार्यक्रम रात को एक बजे तक चला। स्टेडियम व शहर के मार्गों पर सजी रोशनी और रात्रि प्रकाश में भक्ति का उत्सव गोहाना, रोहतक, झज्जर, भिवानी, पानीपत, जींद व करनाल से आए भक्तों के लिए यादगार बना। महामंडलेश्वर कपिल पुरी, स्वामी विश्वश्वरा नंद, कर्ण पुरी, परमानंद, बाबा कालिदास व अन्य संतजनों की उपस्थिति में कार्यक्रम रात्रि एक बजे तक चला। श्याम नाम के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। कार्यक्रम के अंत में भावुक क्षण तब आए जब कन्हैया मित्तल ने डॉ अरविंद शर्मा से उनकी माता बिमला देवी संग मंच पर मैया री मैया, एक खिलौना छोटा सा दिलवा दो गवाया।

NAME CHANGE

I hitherto known as ASHISH KUMAR S/o SHASHI BHUSHAN YADAV R/o Gaon-Sajua, Post-Hathiyouk, Sajua, Munger, Bihar-813213, have changed my name and shall hereafter be known as SHUBHAM KUMAR.

। अमनीत पी कुमार से मिलने पहुंचे कांग्रेस, भाजपा व आआपा नेता

एजेंसी

चंडीगढ़। आईपीएस पूरन कुमार की पत्नी व बेटियों से विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा मुलाकात किये जाने का सिलसिला शनिवार को भी जारी रहा। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र, पार्टी महासचिव और सांसद रणदीप सुरजेवाला और कुमारी सैलजा तथा सांसद दीपेंद्र हुड्डा और वरुण मुलाना, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं वर्तमान में विधायक चंद्रमोहन बिश्नोई, विधायक गीता भुक्कल और शकुंतला खटक सहित पार्टी के कई विधायकों ने आइएएस अमनीत पी कुमार के निवास पर न्याय की लड़ाई में साथ होने का भरोसा दिलाया।सांसद दीपेंद्र हुड्डा और हरियाणा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष चौ. उदयभान की अगुवाई में सांसद वरुण मुलाना, विधायक गीता भुक्कल, निर्मल सिंह, शकुंतला खटक, नरेश सेलवाल, रामकरण काला, देवेंद्र हंस और पूजा मुलाना के साथ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव प्रदीप नरवाल, पूर्व मुख्य संसदीय सचिव राजकुमार वाल्मीकि, पूर्व विधायक लहरी सिंह और हरियाणा कांग्रेस के एससी विभाग के चेयरमैन मनोज बागड़ी आइएएस पी अमनीत कुमार के निवास पर पहुंचे। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी द्वारा भेजे शोक संवेदना पत्र को पढ़ते हुए दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में हो पूरी जांच होनी चाहिए। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने भाजपा सरकार पर दलितों की सुरक्षा नहीं कर पाने का आरोप लगाया है। सुरजेवाला ने कहा कि इस आत्महत्या ने सारे समाज और देश की आत्मा को झकझोर दिया है। जब इतने बड़े अधिकारी को इंसाफ नहीं मिल सकता तो किसको न्याय मिलेगा।पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने परिजनों से मुलाकात के बाद कहा कि पूरन कुमार ने आत्महत्या नहीं की। वे देश के गरीबों, दलितों, किसानों और पिछड़े वर्गों के हक की लड़ाई में मनुवादी सोच के खिलाफ संघर्ष करते हुए शहीद हुए हैं।

ईपीएफओ की योजनाओं को मिलेंगे नए बेंचमार्क, निवेश रणनीति बदलने की तैयारी

आरबीआई की सिफारिश पर तीन योजनाओं के लिए अलग-अलग तय किए जा सकते हैं निवेश मानक

नई दिल्ली

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) अपनी तीन प्रमुख योजनाओं कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ), कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) और कर्मचारी डिपॉजिट लिंक्ड बीमा योजना (ईडीएलआई) के लिए अलग-अलग बेंचमार्क यील्ड बनाने पर विचार कर रहा है। यह कदम भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) की सिफारिशों के बाद उठाया जा रहा है, जिसमें कहा गया है कि इन योजनाओं की अलग-अलग देनदारियों को देखते हुए एक समान निवेश रणनीति उपयुक्त नहीं है। आरबीआई ने श्रम मंत्रालय द्वारा सौंपी गई एक रिपोर्ट की समीक्षा के बाद सलाह दी थी कि हर योजना की पूंजी निवेश रणनीति उसकी जिम्मेदारियों के अनुसार तय की जानी चाहिए। इसके बाद, क्रिसिल द्वारा बेंचमार्क का एक मसौदा तैयार किया गया है, जिसे विशेषज्ञों की समिति से अनुमोदन मिलने के बाद निवेश समिति और फिर सरकार के पास भेजा जाएगा। वर्तमान में ईपीएफओ 25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति का प्रबंधन करता है, जो

देश के औपचारिक क्षेत्र में काम कर रहे लगभग 30 करोड़ कर्मचारियों से जुड़ी है। इस बीच, ईपीएफओ का शीर्ष निकाय केंद्रीय न्यासी बोर्ड कर्मचारी पेंशन योजना के तहत आने वाले करीब 80 लाख पेंशनभोगियों को बड़ी राहत देने जा रहा है। जल्द ही उन्हें इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेटकी घर पर डिलीवरी की सुविधा मिल सकती है। इसका उद्देश्य बुजुर्ग पेंशनधारकों को भौतिक रूप से प्रमाणपत्र जमा करने की कठिनाइयों से बचाना है।

अमेरिका की टैरिफ नीति पर भारत का करारा जवाब, ईयू से मुक्त व्यापार समझौता जल्द

27 देशों से बिना टैरिफ व्यापार की तैयारी, दिसंबर तक एफटीए पर हस्ताक्षर की उम्मीद

नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए टैरिफ और व्यापारिक दबावों का जवाब अब भारत ने रणनीतिक रूप से दे दिया है।

भारत ने यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर वार्ता को निर्णायक मोड़ पर पहुंचा दिया है। यह समझौता लागू होने पर भारत 27 यूरोपीय देशों के साथ बिना या बेहद कम टैरिफ के व्यापार कर सकेगा, जिससे अमेरिकी नीतियों से हुए नुकसान की काफी हद तक भरपाई संभव हो पाएगी।

ब्रुसेल्स में भारत और यूरोपीय संघ के बीच एफटीए पर 14वें दौर की वार्ता 6 अक्टूबर से शुरू होकर 5 दिन चली। वार्ता को गति देने के लिए भारत के वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल भी टीम के साथ अंतिम दिनों में शामिल हुए। इस दौरान वस्तुओं और सेवाओं से जुड़े विवादित मुद्दों पर भी सार्थक प्रगति हुई है।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने संकेत दिए हैं कि दिसंबर 2025 तक समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। इसके लिए वह ब्रुसेल्स जाकर यूरोपीय आयोग के व्यापार प्रमुख से मुलाकात करेंगे। गौरतलब है कि वित्तवर्ष 2023-24 में भारत और ईयू के बीच कुल 135 अरब डॉलर का वस्तु व्यापार और 53 अरब डॉलर का सेवा व्यापार हुआ था।

एफटीए से इन आंकड़ों में भारी वृद्धि की संभावना है। यह समझौता भारत के लिए एक रणनीतिक कदम होगा, जो उसे वैश्विक व्यापार में अधिक ताकतवर और स्वतंत्र बनाएगा।

निवेशक तय नहीं कर पा रहे सोना खरीदें या शेयर?

नई दिल्ली

भारत में सोना और शेयर खरीदने का अपना अलग महत्व है। सोना पारंपरिक रूप से सुरक्षा और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है, जबकि शेयर बाजार को लंबे समय में संपत्ति बढ़ाने का बेहतरीन जरिया समझा जाता है। हालांकि मौजूदा हालात में सोना निवेशकों के लिए ज्यादा चमकदार साबित हुआ है। पिछले एक साल में सोने ने करीब 50 प्रतिशत तक का शानदार रिटर्न दिया है। वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता, बढ़ते कर्ज और केंद्रीय बैंकों की भारी खरीदारी ने इसकी कीमत को ऊंचा बनाए रखा। भारत में सोने से जुड़ा प्रमुख ईटीएफ 'गोल्डबीस' ने भी लगभग 55 प्रतिशत रिटर्न दिया है, जिससे यह 2025 की सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली संपत्ति बन गई है। इसके मुकाबले निफ्टी 50 इंडेक्स पिछले एक साल में लगभग स्थिर रहा। हालांकि महामारी के बाद बाजार में अच्छी तेजी आई थी, लेकिन हाल के महीनों में उतार-चढ़ाव के कारण इसकी गति धीमी पड़ गई है। पहली नजर में सोना विजेता लगता है, मगर अगर नजरिया लंबी अवधि का रखा जाए तो तस्वीर अलग दिखाई देती है। पिछले 10 से 15 वर्षों के प्रदर्शन को देखें तो निफ्टी 50 ईटीएफ ने 12 से 15 प्रतिशत तक का कंपाउंड एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) दिया है, जबकि सोने का लंबी अवधि का रिटर्न लगभग 8 से 9 प्रतिशत के बीच रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि शेयर बाजार में निवेश से कंपनियों की बढ़ती कमाई, डिविडेंड और देश की आर्थिक प्रगति का सीधा फायदा निवेशकों को मिलता है। वहीं सोना न तो आय उत्पन्न करता है और न ही उसमें ग्रोथ की संभावना होती है; यह केवल आर्थिक या राजनीतिक संकट के समय अपनी कीमत बनाए रखने में मदद करता है। पॉल असेट के इक्विटी विश्लेषक और 129 वेल्थ फंड के फंड मैनेजर प्रसेन्जित पॉल का कहना है कि सोना भले ही सुरक्षित निवेश माना जाता हो, लेकिन लंबी अवधि में शेयर बाजार ज्यादा बेहतर प्रदर्शन करता है। उनके अनुसार, जो निवेशक स्थिरता चाहते हैं, वे सोना चुन सकते हैं, जबकि जो तेज़ विकास की संभावना तलाशते हैं, उनके लिए शेयर बेहतर हैं।

भारत का नमकीन और स्नैक्स मार्केट बना बड़ा कारोबार

विदेशी प्लेयर पैसा लगाने को तैयार

मुंबई

भारत का नमकीन और स्नैक्स मार्केट अब सिर्फ खाने-पीने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह अब एक बड़ा बिजनेस बन चुका है। जिस बाजार पर कभी केवल देसी और लोकल ब्रांडों का दबदबा था, अब वहां विदेशी कंपनियों की भी दिलचस्पी बढ़ी है। अमेरिका की नामी कंपनी जनरल मिल्स, बालाजी वेफर्स जैसी लोकल कंपनियों में निवेश की तैयारी में है। वहीं पेप्सिको और आईटीसी जैसी बड़ी कंपनियां भी इसमें हिस्सेदारी चाहती हैं।

भारत में तेजी से बढ़ता शहरीकरण और भागदौड़ भरी जिंदगी ने लोगों की खाने की आदतों को बदल दिया है। लोग अब लंबे समय तक घर में खाना बनाने के बजाय इसतरह के फूड आइटम पसंद कर रहे हैं जो झटपट खाए जा सकें। इसकारण रेडी-टू-ईट स्नैक्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। आज का उपभोक्ता सिर्फ मसालेदार नमकीन या चिप्स से खुश नहीं है, लोग अब इसतरह के स्नैक्स ढूंढ रहे हैं जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी अच्छे साबित हो। बाजार में अब क्विनोआ, बाजरा, भुने बीज, कम तेल वाले और बेक किए हुए विकल्प तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं।

भारतीय नमकीन की बिक्री में 15 प्रतिशत तक की वृद्धि की उम्मीद है, जो संगठित पश्चिमी स्नैक्स सेगमेंट के लिए एक मजबूत अनुमान है। यह वृद्धि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता और प्राकृतिक, स्वास्थ्यवर्धक स्नैक्स की मांग को दर्शाती है, साथ ही क्षेत्रीय और मसालेदार स्वादों के नए और पारंपरिक रूपों की बढ़ती लोकप्रियता भी इसमें योगदान दे रही है। भारतीय नमकीन और स्नैक्स बाज़ार 2025-2029 के दौरान लगभग 15 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। यह वृद्धि मुख्य रूप से उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने और प्राकृतिक, स्वास्थ्यवर्धक उत्पादों की ओर झुकाव के कारण है। उपभोक्ता नए स्वाद और प्रारूपों को अपनाने के लिए उत्सुक हैं, खासकर उन क्षेत्रीय और मसालेदार स्वादों के लिए जो नए तरीकों से पेश किए जाते हैं।

एक कारण ये भी हैं कि भारत का ग्रामीण बाजार अब उतना पिछड़ा नहीं रहा, यहां भी लोगों की आय में इजाफा हुआ है और वे अब ब्रांडेड स्नैक्स खरीदने के लिए तैयार हैं। कंपनियां गांवों के लिए सस्ते पैकेट तैयार कर रही हैं जैसे 1 रुपये, 5 रुपये और 10 रुपये वाले पैक, जो वहां की जेब और जरूरत के हिसाब से फिट बैठते हैं।

भारत की अर्थव्यवस्था 2026 तक 6-6.5 फीसदी की दर से बढ़ने की संभावना

मुंबई

भारत की एक वित्तीय सेवा कंपनी का मानना है कि भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत घरेलू मांग, डिजिटल नेतृत्व, अवसंरचना में निवेश, सुधारों की गति और भू-राजनीतिक संतुलन जैसी कई वजहों से लगातार विकास कर सकती है। फर्म के अनुसार, चीन+1 रणनीति और विभिन्न सेक्टरों में विविधता के साथ ये ताकतें भारत को उन कुछ बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनाती हैं, जो 2026 तक 6-6.5 फीसदी की स्थिर विकास दर देने में सक्षम हैं। वैश्विक चुनौतियों जैसे शुल्क युद्ध, सप्लाई चेन में व्यवधान और यूक्रेन व मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव से अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का अनुमान है कि इसका वैश्विक विकास पर केवल 0.5 प्रतिशत अंक का मामूली असर पड़ेगा। इसके विपरीत, भारत की अर्थव्यवस्था अगले कुछ तिमाहियों में उपभोक्ता खर्च, जीएसटी सुधार और कम ब्याज दरों से 6.2-6.3 फीसदी की दर से बढ़ने की संभावना है। हालांकि अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यात पर 50 फीसदी तक शुल्क लगाने जैसी वैश्विक व्यापार चुनौतियां हैं, फिर भी भारतीय अर्थव्यवस्था लचीलापन दिखा रही है। अगस्त

2025 में मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज पीएमआई 15-17 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक विस्तार का संकेत देता है।

तेलंगाना सरकार खुले बाजार से 9,000 करोड़ रुपये जुटाएगी

हैदराबाद तेलंगाना सरकार अक्टूबर-दिसंबर 2025 तिमाही में खुले बाजार से 9,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रही है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी उधारी कैलेंडर के अनुसार, अक्टूबर और नवंबर में 2,000-2,000 करोड़ रुपए तथा दिसंबर में 5,000 करोड़ रुपएकी राशि जुटाई जाएगी। इससे पहले, राज्य ने सितंबर तक 15,500 करोड़ रुपए की उधारी ली थी। तेलंगाना ने वित्त वर्ष 2025-26 में 54,009.74 करोड़ रुपए राजकोषीय घाटे का अनुमान रखा है, जबकि अगस्त अंत तक यह आंकड़ा 33,415.15 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। यह उधारी विकास परियोजनाओं व वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए की जा रही है।

दिवाली से पहले ड्राई फ्रूट्स की मांग में उछाल

गिफ्टिंग और शादियों से बढ़ी खपत, टैरिफ और वैश्विक अस्थिरता से दाम चढ़े

मुंबई दिवाली नजदीक आते ही देशभर में ड्राई फ्रूट्स की मांग में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। बाजार पूरी तरह सज चुका है और घरों की खरीदारी के साथ-साथ कॉर्पोरेट गिफ्टिंग और शादियों के लिए भी मेवों की डिमांड बढ़ गई है। इस समय अगस्त से दिसंबर तक का समय ड्राई फ्रूट्स की सबसे अधिक बिक्री का होता है। इंडस्ट्री विशेषज्ञों के अनुसार सांस्कृतिक परंपराएं और त्योहारों में गिफ्टिंग का चलन ड्राई फ्रूट्स की मांग को तेजी से बढ़ाता है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के एसोसिएट डायरेक्टर पारस जसराई का कहना है कि त्योहारी सीजन में मांग अचानक बढ़ जाती है, जिससे घरेलू बाजार पर दबाव बनता है और आयात तेज होता है। हालांकि, अमेरिका की टैरिफ नीतियों और वैश्विक व्यापार अस्थिरता ने बादाम, पिस्ता और अखरोट जैसे मेवों की कीमतों को प्रभावित किया है। काजू का आयात त्योहारी महीनों में 173.9 मिलियन डॉलर (1445 करोड़) रहा, जबकि सालाना औसत 134.8 मिलियन डॉलर (1120 करोड़) था। काजू में अगस्त-दिसंबर 2024 के दौरान औसत महंगाई 9.4 फीसदी रही। ऑस्ट्रेलिया, यूएई, ओमान और सऊदी अरब जैसे देशों से ड्राई फ्रूट्स के आयात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उदाहरण के लिए, ऑस्ट्रेलिया से बादाम का आयात अप्रैल-जुलाई में 93 फीसदी तक बढ़ गया। विशेषज्ञों का मानना है कि मांग के दबाव में कीमतें और अधिक बढ़ सकती हैं, खासकर जब सप्लाई चेन को एडजस्ट होने में समय लगता है। ऐसे में आने वाले सालों में घरेलू उत्पादन बढ़ाना और आयात स्रोतों में विविधता लाना जरूरी होगा।

चीन का अमेरिका को निर्यात सितंबर में घटा, वैश्विक निर्यात बढ़ा

कुल निर्यात 328.5 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचा

हांगकांग सितंबर 2025 में चीन का अमेरिका को निर्यात 27 फीसदी घटकर लगातार छठे महीने गिरावट के दौर में रहा, जबकि चीन का वैश्विक निर्यात 8.3 फीसदी की सालाना वृद्धि के साथ छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। चीन की सीमा शुल्क एजेंसी द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, कुल निर्यात 328.5 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जो अर्थशास्त्रियों के अनुमानों से अधिक है। अगस्त में यह वृद्धि 4.4 फीसदी थी। वहीं आयात में भी सुधार दर्ज किया गया है। सितंबर में चीन का आयात 7.4 फीसदी बढ़ा, जो अगस्त की 1.3 फीसदी वृद्धि से काफी बेहतर है। हालांकि, घरेलू अर्थव्यवस्था की सुस्ती और रियल एस्टेट क्षेत्र की मंदी के कारण उपभोग पर दबाव बरकरार है। अमेरिका-चीन व्यापार तनाव इसके पीछे प्रमुख कारण है। अमेरिका द्वारा चीनी वस्तुओं पर 100 फीसदी तक के अतिरिक्त शुल्क लगाए जाने और चीन द्वारा अमेरिकी जहाजों पर नए बंदरगाह शुल्क लागू करने से तनाव और बढ़ गया है। इस बीच, चीन ने अन्य बाज़ारों की ओर रुख किया है। सितंबर में दक्षिण-पूर्व एशिया को निर्यात 15.6त्न बढ़ा, लातिन अमेरिका को 15 फीसदी और अफ्रीका को 56 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि हुई। सीमा शुल्क एजेंसी के उप मंत्री वांग जुन ने कहा, वर्तमान वैश्विक व्यापार वातावरण गंभीर और जटिल है। हमें चौथी तिमाही में व्यापार को स्थिर रखने के लिए और प्रयास करने होंगे।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स करीब 173.77 अंक टूटकर 82,327.05 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 58 अंक फिसलकर 25,227.35 पर बंद हुआ। आईटी और एफएमसीजी स्टॉक्स में गिरावट से बाजार नीचे आया है। आज अधिकतर सूचकांक नीचे आये हैं।

निफ्टी आईटी 0.78 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.90 फीसदी, निफ्टी पीएसई 0.55 फीसदी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.84 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.43 फीसदी और निफ्टी एनर्जी 0.30 फीसदी की कमजोरी के साथ बंद हुआ। निफ्टी पीएसयू बैंक 0.24 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.16 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 0.02 फीसदी और निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.10 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ।

मिडकैप और स्मॉलकैप में आज मिश्रित कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 64.95 अंक बढ़कर 58,762.35 बंद हुआ। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 31.60 अंक टूटकर 18,101.75 पर था।

सेंसेक्स पैक में अदाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, एनटीपीसी, एसबीआई, मारुति सुजुकी, टाइटन और एमएंडएम सबसे अधिक बढ़े जबकि टाटा मोटर्स, एचयूएल, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, बीईएल, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टीसीएस, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, एलएंडटी, एचडीएफसी बैंक और ट्रेंट के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। बाजार जानकारों के अनुसार एफएमसीजी शेयरों में मुनाफावसूली हावी होने से बाजार नीचे आया है।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स 400 से ज्यादा अंक की गिरावट लेकर 82,049.16 पर खुला। इसी तरह निफ्टी-50 भी गिरावट के साथ 25,177 पर खुलकर 68.85 अंक की गिरावट लेकर 25,219 पर कारोबार कर रहा था।

वहीं एशियाई बाजारों लाल रंग में रहे, चीन और अमेरिका के बीच ट्रेड तनाव बढ़ने के बाद। दोनों देशों ने नए व्यापार प्रतिबंध लगाए और आपस में आरोप-प्रत्यारोप जारी रखा। वॉल स्ट्रीट के प्रमुख सूचकांक एसएंडपी 500 और कम्पो जिट में अप्रैल के बाद सबसे बड़ी एकल-दिन की गिरावट देखी गई। यह गिरावट अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड विवाद बढ़ने के बाद आई।

आरबीआई ने पेमेंट एग्रीगेटर के लिए नियम आसान बनाए

फिनटेक कंपनियां सीमा पार भुगतान में कर सकेंगी विस्तार

नई दिल्ली भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पेमेंट एग्रीगेटर (पीए) के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिनके तहत पूरी तरह से लाइसेंस प्राप्त पीए अब सीमा पार भुगतान जैसे नए सेगमेंट में तेजी से विस्तार कर सकते हैं। पहले सीमा पार (सीबी) भुगतान में काम करने के लिए अलग मंजूरी लेने में लगभग एक साल का समय लगता था, लेकिन नए नियमों के अनुसार पीए को केवल 30 दिन पहले आरबीआई को सूचना देना होगा और वे तुरंत नए बिजनेस में काम शुरू कर सकते हैं। इस बदलाव से बाजार में प्रवेश की प्रक्रिया आसान और तेज हुई है। फिनटेक क्षेत्र में काम करने वाली अधिकांश कंपनियां पहले पीए लाइसेंस लेकर बाद में पीए-सीबी में विस्तार करती हैं। इन दोनों श्रेणियों के अनुपालन मानदंड लगभग 80 फीसदी समान होते हैं। इसलिए, नए नियमों से पूरी तरह से लाइसेंस प्राप्त पीए पहले से ही लागू मानदंडों को पूरा करने के कारण नए बिजनेस में जल्दी कदम रख पाएंगे। इससे उनकी राजस्व वृद्धि और विस्तार योजनाओं को मजबूती मिलेगी। पेमेंट एग्रीगेटर ग्राहक और मर्चेंट के बीच पेमेंट चैनलों को जोड़ते हैं। वे ग्राहकों से पेमेंट एकत्र कर मर्चेंट को निपटान करते हैं। पीए-सीबी इकाइयां ऑनलाइन आयात-निर्यात की वस्तुओं और सेवाओं के लिए सीमा पार भुगतान की सुविधा प्रदान करती हैं। देश में फिलहाल 56 पूरी तरह से लाइसेंस प्राप्त ऑनलाइन पीए और 6 पीए-सीबी हैं, जिन्हें आरबीआई की मंजूरी मिली हुई है। नए नियमों से इनकी संख्या बढ़ने की उम्मीद है, जिससे डिजिटल भुगतान क्षेत्र और मजबूत होगा।

एमएसएमई पर ट्रंप टैरिफ का असरः वित्त मंत्रालय बैंकों के साथ करेगा समीक्षा

लोन की जरूरतों का भी होगा आकलन

नई दिल्ली

अमेरिका द्वारा भारत के निर्यात पर लगाए गए उच्च शुल्क का सूक्ष्म, लघु और मध्यम उपक्रमों (एमएसएमई) पर पड़ने वाले असर और उनकी ऋण जरूरतों का सरकार मूल्यांकन करेगी। इसके लिए वित्त मंत्रालय सोमवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के साथ समीक्षा बैठक करेगा। एक वरिष्ठ अे धिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर यह जानकारी दी। इस बैठक की अध्यक्षता वित्तीय सेवाओं के विभाग के सचिव एम नागराजू करेंगे। समीक्षा में वित्तीय समावेशन योजनाओं जैसे मुद्रा, ऋण गारंटी योजनाओं आदि पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसका उद्देश्य यह समझना है कि बाहरी व्यापार दबाव एमएसएमई को कैसे प्रभावित कर रहे हैं और यह भी सुनिश्चित करना है कि मौजूदा सरकारी पहलों के तहत पर्याप्त ऋण सहायता जारी रहे। अधिकारी ने कहा` कि समीक्षा में वित्तीय समावेशन योजनाओं जैसे मुद्रा, ऋण गारंटी योजना आदि पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। बैठक का उद्देश्य यह समझना है कि बाहरी व्यापार दबाव एमएसएमई को कैसे प्रभावित कर रहे हैं और यह सुनिश्चित करना है कि मौजूदा सरकारी पहलों के तहत पर्याप्त ऋण सहायता जारी रहे। सरकार को इस बात की भी चिंता है कि उच्च शुल्क के प्रभाव की वजह से मुद्रा ऋण योजना के तहत गैर-निष्पादित आस्तियां बढ़ सकती हैं। वित्तीय सेवाओं का विभाग स्थिति की समीक्षा करेगा और संभावित सुधारात्मक उपायों पर बैंकरों से सुझाव मांगेगा। भारत के कुल निर्यात में 45 फीसदी से अधिक का योगदान देने वाले एमएसएमई को अमेरिका द्वारा निर्यात पर 50 फीसदी शुल्क लगाने के फैसले के बाद बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। एमएसएमई उद्योग संगठनों ने इसके व्यापक प्रभाव पर चिंता जताई और सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

स्काई गोल्ड पर ब्रोकरेज की चमकदार रिपोर्ट, 32 फीसदी रिटर्न की संभावना

स्काई गोल्ड एंड डायमंड्स में निवेश का सुनहरा मौका

नई दिल्ली भारतीय शेयर बाजार ने बीते सप्ताह तीन महीने की सबसे बड़ी साप्ताहिक बढ़त दर्ज की। विदेशी निवेशकों की खरीदारी और दूसरी तिमाही के नतीजों के सीजन की शुरुआत ने बाजार को समर्थन दिया। हालांकि, वैश्विक स्तर पर ट्रंप टैरिफ को लेकर चिंता बनी हुई है, जिससे निवेशक सतर्क रुख अपनाए हुए हैं। इस बीच ब्रोकरेज हाउस नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने जूलरी कंपनी स्काई गोल्ड एंड डायमंड्स पर कवरेज शुरू करते हुए बाय की रेटिंग दी है। ब्रोकरेज ने स्टॉक का टारगेट प्राइस 450 रुपए तय किया है, जो वर्तमान कीमत 337 रुपए के मुकाबले 32 फीसदी की संभावित बढ़त दिखाता है। नुवामा का मानना है कि स्काई गोल्ड वित्त वर्ष 2025 से 2028 के बीच 39 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से राजस्व में वृद्धि करेगा। यह वृद्धि मौजूदा ग्राहकों से मजबूत वॉल्यूम ग्रोथ, नए ग्राहकों की संख्या में वृद्धि और निर्यात पर बढ़ते फोकस के चलते संभव होगी। कंपनी का एडवांस गोल्ड मॉडल वर्किंग कैपिटल को बेहतर बनाता है, जिससे प्रॉफिटेबिलिटी में सुधार की संभावना जताई जा रही है। कैरैटलैन और नॉवेल जैसे नए ग्राहक कंपनी की ग्रोथ में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

सोना 2000 रुपए उछला, चांदी ने भी 5000 की लगाई छलांग

सोना 1,23,680 रुपए प्र ति 10 ग्राम, चांदी लगभग 1,52,322 रुपए तक

नई दिल्ली घरेलू बाजारों में सोमवार को सोने की कीमत एक बार फिर उच्च स्तर पर पहुंच गई। हफ्ते के पहले दिन बाजार खुलते ही इसमें 2,000 रुपये से अधिक की तेजी आई। एमसीएक्स पर 5 दिसंबर की डिलीवरी वाला सोना सोमवार को खुलते ही 1,837 रुपये की तेजी के साथ 1,23,201 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। शुरुआती कारोबार में यह 1,23,680 रुपये तक गया। पिछले सत्र में यह 1,21,364 रुपये पर बंद हुआ था और आज 1,23,239 रुपये पर खुला। जानकारों का कहना है कि अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर फिर से शुरू होने की चिंता से निवेशक सुरक्षित निवेश की तलाश में सोने का रुख कर रहे हैं। आर्थिक और राजनीतिक अनिश्चितताओं और अमेरिका में रेट कट की संभावना ने भी सोने की चमक बढ़ा दी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना 4,059.30 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

रेयर अर्थ को लेकर चीन का रोज रोज का झँझट खत्म करने की तैयारी में हैं मोदी

नीरज कुमार दुबे

भारत सरकार दो महीने का रेयर अर्थ भंडार तैयार करने की योजना बना रही है, जिसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी प्रोत्साहन दिया जाएगा। यह कार्यक्रम ह्लनेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशनह्व (NCMM) के अंतर्गत शुरू होगा, जिसके तहत पहले से ही 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

वैश्विक रणनीति और औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के इस युग में 'रेयर अर्थ एलिमेंट्स' केवल वैज्ञानिक तत्व नहीं रहे बिल्क ये अब भू-राजनीतिक शक्ति का स्रोत बन चुके हैं। चीन द्वारा रेयर अर्थ मैग्नेट के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों ने न केवल अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं में हलचल मचा दी है, बल्कि भारत सहित विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को अपनी रणनीतियाँ पुनः परिभाषित करने पर मजबूर कर दिया है। इसी पृष्ठभूमि में भारत सरकार अब नेशनल क्रिटिकल मिनरल स्टॉकपाइल (NCMS) कार्यक्रम शुरू करने की तैयारी में है जो आने वाले वर्षों में भारत की तकनीकी और सामरिक आत्मनिर्भरता का आधार स्तंभ बन सकता है।

हम आपको बता दें कि रेयर अर्थ तत्व कुल 17 विशिष्ट धात्विक तत्वों का समूह हैं, जिनमें नियोडिमियम, प्रसीओडिमियम, डिसप्रोसियम आदि शामिल हैं। इन तत्वों की खासियत यह है कि ये आधुनिक प्रौद्योगिकी की लगभग हर अहम मशीनरी में काम आते हैं– इलेक्ट्रिक वाहनों के मोटर, पवन चक्कियों के टर्बाइन, मोबाइल फोन, मिसाइलों के गाइडेंस सिस्टम और यहां तक कि उपग्रहों के इलेक्ट्रॉनिक सर्किट में भी।

इनकी मांग तेजी से बढ़ रही है, लेकिन विश्व आपूर्ति का लगभग 85% हिस्सा अभी भी चीन नियंत्रित करता है। जब चीन निर्यात पर रोक लगाता है, तो वैश्विक उद्योगों की नींव डगमगा जाती है। ऐसे में भारत की यह पहल केवल औद्योगिक नीति नहीं, बल्कि सामरिक आवश्यकता भी है।

हम आपको बता दें कि भारत सरकार अब दो महीने का रेयर अर्थ भंडार तैयार करने की योजना बना रही है, जिसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी प्रोत्साहन दिया जाएगा। यह कार्यक्रम 'नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन' (NCMM) के अंतर्गत शुरू होगा, जिसके तहत पहले से ही 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस पहल का पहला लक्ष्य रेयर अर्थ तत्वों की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना है,

ताकि देश में रेयर अर्थ मैग्नेट उत्पादन को गति मिल सके। इसके लिए सरकार ने पहले ही 7,300 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन कार्यक्रम को मंजूरी दी है, जिसका उद्देश्य अगले पांच वर्षों में 6,000 टन उत्पादन हासिल करना है।

सरकार का इरादा भविष्य में इस दायरे को अन्य महत्वपूर्ण खनिजों– जैसे लिथियम, कोबाल्ट, निकल और ग्रेफाइट तक विस्तारित करने का भी है। हम आपको बता दें कि भारत में रेयर अर्थ की उपलब्धता का अनुमान लगभग 7.23 मिलियन टन रेयर अर्थ ऑक्साइड का है, जो मुख्यतः 13.15 मिलियन टन मोनाजाइट अयस्क में पाया जाता है। ये अयस्क आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, झारखंड, गुजरात और महाराष्ट्र के तटीय इलाकों में फैले हुए हैं।

हालांकि, असली चुनौती इन तत्वों को निकालने और शुद्ध करने की तकनीकी क्षमता की है। वर्तमान में भारत अपने घरेलू भंडारों से इन तत्वों का सीमित उपयोग करता है और प्रोसेसिंग के लिए बड़े पैमाने पर चीन और अन्य देशों पर निर्भर है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को यदि वास्तविक आत्मनिर्भरता हासिल करनी है, तो केवल भंडारण नहीं, बल्कि प्रसंस्करण और परिष्करण तकनीकों में निवेश करना होगा।

देखा जाये तो चीन के कदम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि 'खनिज कूटनीति' आने वाले दशकों में ऊर्जा और रक्षा नीति का नया मोर्चा बनेगी। अमेरिका ने भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है और चीनी आयात पर 100% टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। भारत के लिए यह अवसर और चुनौती दोनों है। यदि भारत समय रहते अपनी तकनीकी क्षमता विकसित कर लेता है और वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों– जैसे ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, ब्राजील या अफ्रीकी देशों से साझेदारी करता है, तो वह न केवल अपनी घरेलू जरूरतें पूरी कर सकेगा बल्कि एशिया में एक सप्लाई हब के रूप में उभर सकता है।

हम आपको बता दें कि खनिज मंत्रालय ने अब तक पाँच चरणों में 55 रणनीतिक और महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की नीलामी की है, जिनमें से 34 सफलतापूर्वक आवंटित किए जा चुके हैं। छठा चरण हाल ही में आरंभ हुआ है। यह निरंतरता दशार्ती है कि भारत अब खनिज नीति को केवल संसाधन-शोधन तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और औद्योगिक नीति के साथ जोड़ रहा है। हम आपको बता दें कि रेयर अर्थ केवल ह्यभू-संसाधनह्व नहीं हैं बल्कि ये भारत के मेक इन इंडिया और ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन की आत्मा हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर ऊर्जा, और रक्षा उपकरणों के लिए ये तत्व उतने ही जरूरी हैं जितना तेल किसी अर्थव्यवस्था के लिए।

देखा जाये तो भारत का यह कदम समयोचित और दूरदर्शी है। जब चीन जैसी ताकतें आपूर्ति को कूटनीतिक हथियार बना रही हैं, तब भारत अपनी स्वतंत्र आपूर्ति व्यवस्था और भंडारण नीति के माध्यम से 'सप्लाई सिक्योरिटी' का मजबूत ढांचा तैयार कर रहा है। फिलहाल मात्र दो महीने का भंडार और सीमित क्षमता एक शुरूआत है, लेकिन दिशा स्पष्ट है। यह उस भारत की झलक है जो हर संकट को अवसर में बदलना जानता है। रेयर अर्थ के इस दौर में भारत ने संदेश दिया है- 'खनिज भी अब रणनीति हैं और आत्मनिर्भरता ही सर्वोच्च कूटनीति है।'

संपादकीय

कृषि समृद्धि की नई राह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की समृद्धि की नयी राह बनायी है। 24,000 करोड़ रुपये की लागत से शुरू की गई पीएम धन-धान्य कृषि योजना भारतीय कृषि के परिदृश्य में एक नए अध्याय की शुरूआत मानी जा सकती है। यह केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के विकास और किसानों की समृद्धि की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। जब जलवायु परिवर्तन, घटती उत्पादकता, और बढ़ती लागतों के बीच किसान जीवनयापन के संकट से जूझ रहे हैं, तब यह योजना उन्हें नई आशा और आत्मविश्वास देने का कार्य करेगी। इस योजना का मूल उद्देश्य देश के हर खेत तक सिंचाई सुविधा पहुंचाना, फसल उत्पादकता में वृद्धि करना, किसानों को सुलभ ऋ ण और भंडारण की बेहतर व्यवस्था प्रदान करना है। भारत जैसे विशाल कृषि प्रधान देश में आज भी लाखों किसान वर्षा आधारित खेती पर निर्भर हैं। अनियमित मानसून और सीमित सिंचाई संसाधन किसानों के जीवन को अनिश्चित बनाते हैं। ऐसे में, यह योजना जल प्रबंधन और सिंचाई के विस्तार के माध्यम से खेती को स्थायित्व और सुरक्षा प्रदान करेगी। धन-धान्य योजना का एक महत्वपूर्ण पहलू आधुनिक भंडारण सुविधाओं के सृजन से जुड़ा है। भारत में हर वर्ष लाखों टन अनाज भंडारण की कमी के कारण खराब हो जाता है। अब आधुनिक गोदामों, कोल्ड स्टोरेज और ग्रामीण स्तर पर वेयरहाउसिंग की व्यवस्था किसानों को अपनी उपज सुरक्षित रखने में मदद करेगी। इससे उन्हें फसल को सही मूल्य मिलने तक बेचने का इंतजार करने का अवसर मिलेगा, और बिचौलियों पर उनकी निर्भरता घटेगी। किसानों को सुलभ और कम ब्याज पर ऋ ण उपलब्ध कराना भी इस योजना की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। छोटे और सीमांत किसान अक्सर बैंकिंग प्रणाली से दूर रह जाते हैं और स्थानीय साहूकारों के शोषण का शिकार बनते हैं। अब उन्हें सस्ते ऋ ण की सुविधा मिलेगी, जिससे वे आधुनिक बीज, कृषि यंत्र और नई तकनीकों को अपनाने में सक्षम होंगे। योजना का एक अन्य अहम आयाम कृषि में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना है। ड्रोन आधारित फसल निगरानी, स्मार्ट सिंचाई प्रणाली, मिट्टी परीक्षण, और जैविक खेती को प्रोत्साहन जैसी पहलें भारतीय कृषि को आत्मनिर्भर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाएंगी। यह कदम देश को डिजिटल एग्रीकल्चर के नए युग में ले जाने की क्षमता रखता है। भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ आज भी कृषि ही है। यदि यह योजना ईमानदारी, पारदर्शिता और राज्य सरकारों के सहयोग से सही दिशा में लागू होती है, तो यह केवल किसानों की आय बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण पुनर्जागरण का आधार बनेगी। इससे कृषि को उद्योग से जोड़ने, ग्रामीण युवाओं को रोजगार देने और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में ठोस प्रगति होगी। निस्संदेह, पीएम धन-धान्य योजना भारतीय कृषि को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करने वाली ऐतिहासिक पहल है। यदि इसका क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से हुआ, तो यह देश के खेतों को हरियाली से, और किसानों के चेहरों को समृद्धि की मुस्कान से भर देगी।

चिंतन-मनन

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलतः इन समस्त गुणों से परे होता है।

लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलतः वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का।

श्रद्धा मूलतः सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्त्विक कार्यों से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्त्विक नहीं होते। शुद्ध सत्त्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्त्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं।

अतः किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

एआई की लहर में खत्म होती नौकरियां, तकनीक वरदान या विनाश?

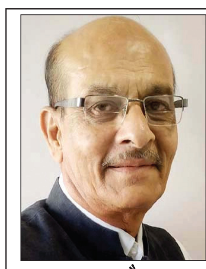

सनत जैन

अमेरिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की तेज रफ्तार ने टेक उद्योग की तस्वीर ही बदल कर रख दी है। बड़ी आईटी कंपनियाँ अब ऐसे दौर में पहुँच चुकी हैं, जहाँ मशीनें इंसानों से कहीं ज्यादा तेज, सटीक और सस्ती साबित हो रही हैं। जो प्रोजेक्ट पहले किसी इंजीनियर को दो साल पूरे करने में लगते थे, अब एआई से उन्हें महज 20-30 दिनों में पूरा हो रहे हैं। कंपनियों के लिए यह तकनीकी एक क्रांति की तरह है। यह एक वरदान भी है, जो सोचते हैं उसे कुछ ही समय में पूरा कर लेते हैं। उत्पादकता बढ़ी है, लागत घट गई है। मानव संसाधन जिसमें इंजीनियरों और कर्मचारियों की एक बड़ी फौज काम करती थी, उनके लिए यह बदलाव किसी डरावने सपने के साकार होने की तरह है। अमेरिका में इसका असर दिखना शुरू हो गया है। अमेरिका की दिग्गज कंपनियाँ मानव संसाधन का 'री-स्ट्रक्चरिंग' कर 'एआई एडॉप्शन' के नाम पर कर्मचारियों से इस्तीफा लेकर उन्हें नौकरी से हटा रही हैं। जिनकी सेवा अवधि 10 साल से कम है। उन्हें तीन महीने का वेतन देकर बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है। वहीं, पुराने कर्मचारियों को 18 महीने का वेतन देकर बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है। यह एक तरह की गुपचुप छंटनी है। जिसमें कंपनियाँ 'टर्मिनेशन' शब्द से बचते हुए बदलाव का नाम देकर हजारों नौकरियाँ को खत्म कर रही हैं। इससे अमेरिका जैसे देश में जहां एच-1वीजा लेकर जो लाखों लोग काम कर रहे हैं, उनके सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से वीजा पर शुल्क लगा रहे हैं, बार-बार नियम बदल रहे हैं, उसे अमेरिका में रह रहे प्रवासी भारतीयों के लिए एक तरफ कुआं और दूसरी तरफ खाई बताया जा रहा है। यह लहर अब भारत पहुँच चुकी है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) इन्फोसिस, विप्रो और एक्सेंचर जैसी कंपनियाँ भी 'एआई स्किलिंग' के नाम पर कर्मचारियों की छंटनी दबे-छुपे तरीके से कर रही हैं। टीसीएस में इंजीनियरों को एआई और मशीन लर्निंग की ट्रेनिंग दी जा रही है, जो इस नए दौर की परीक्षा में पास नहीं होते हैं, उन्हें कंपनी से बाहर निकालने की तैयारी तरह-तरह से की जा रही है। जो कर्मचारी वर्तमान तकनीकी पर अपेक्षित परिणाम नहीं दे पा रहे हैं, उन्हें सुनयोजित तरीके से कंपनी से बाहर निकालने के लिए तरह-तरह के प्रयास शुरू हो गए हैं। भारत में भी जल्द ही बड़े पैमाने पर इसका असर दिखना शुरू हो जाएगा। सरकार और दूसरे संगठनों द्वारा लगातार एआई को प्रमोट किया जा रहा है। जैसे-जैसे एआई में काम बढ़ता जाएगा, मानव संसाधन कम होता चला जाएगा। इसका अगला कदम इस्तीफा और छटनी के रूप में भारत में भी शुरू हो चुका है।

कर्मचारियों के लिए यह स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण है। सोशल मीडिया पर ऐसे कई उदाहरण सामने आ चुके हैं। जहाँ बिना किसी स्पष्ट कारण के इंजीनियरों एवं अन्य कर्मचारियों को अचानक नौकरी से निकाल दिया गया है। यह एक व्यक्ति या एक परिवार के लिए संकट नहीं है, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और आर्थिक चुनौती बनकर सामने आ गया है। बेंगलुरु, पुणे, चेन्नई और हैदराबाद जैसे आईटी हब में बड़े पैमाने पर हजारों लोगों की नौकरियाँ जाती दिख रही हैं। तो उसका असर रियल एस्टेट, परिवहन, हॉस्पिटैलिटी और स्थानीय व्यवसायों तक पहुंचेगा जिसके कारण लाखों लोग बेरोजगार होंगे। यह सच है, एआई के जरिए कंपनियाँ अधिक कुशल हो रही हैं। यह भी उतना ही सच है, इससे मानव श्रम का महत्व तेजी से घट रहा है। आने वाले वर्षों में गिने चुने वही इंजीनियर और कर्मचारी मैदान में टिक पाएँगे जो खुद को एआई, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और रोबोटिक्स जैसी तकनीकों से लैस करेंगे। अब डिग्री और पिछले वर्षों के अनुभव का कोई महत्व नहीं रह गया है। सब काम सॉफ्टवेयर और मशीन करने लगी हैं। इसका असर सारी दुनिया में पड़ना शुरू हो गया है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। एआई की अपडेटेड स्किल ही करियर और नौकरी की गारंटी होगी। एआई अब केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि उद्योगों कृषि कार्यों एवं रोजगार के भविष्य में निर्णायक स्थिति बन गई है। अमेरिका से उठी छंटनी की लहर भारत तक पहुँच चुकी है। 'सुरक्षित' मानी जाने वाली आईटी नौकरियाँ भी अब सुरक्षित नहीं हैं। आने वाले समय में तकनीकी ही तय करेगी, कौन आगे बढ़ेगा और कौन तकनीकी दौड़ में पीछे छूटकर बेरोजगार हो जाएगा। एआई युग की यही सच्चाई है। जो खुद को बदलना सीखेगा, वही अपने भविष्य को सुरक्षित रख पाएगा। वैसे जिस तरह से मानव संसाधन की जगह तकनीकी और मशीने लेती चली जा रही हैं, इसका असर दुनिया के सभी देशों में देखने को मिलेगा। करोड़ों लोगों को काम नहीं मिलेगा। ऐसी स्थिति में इतनी बड़ी जनसंख्या को किस तरह से रोजगार से जोड़कर रखा जा सकता है? तकनीकी के इस दौर में एक नई चुनौती सामाजिक, शासन-प्रशासन के सामने वैश्विक स्तर पर खड़ी होती चली जा रही है। इसका जवाब किसी के पास नहीं है। तकनीकी का यह प्रभाव शुरूआती दौर में है, आगे चलकर यह बहुत सारी मुश्किलें खड़ी करने वाली है। जिस तरह से दुनिया में बेरोजगारी और आर्थिक संकट बढ़ रहा है, यदि समय रहते इसका कोई बेहतर रास्ता नहीं निकला गया तो बहुत भयानक दुष्परिणाम आने वाले वर्षों में देखने को मिल सकते हैं।

राजनीति : विपक्ष वही बढ़ेगा जो सत्ता से लड़ेगा

नवेद शिकोह

सत्ता से लड़ने वाला ही सत्ता हासिल कर सकता है, जो जितना लड़ पाएगा वो उतना सत्ता के करीब बढ़ पाएगा। बेहतर कार्यों को नजरंदाज कर सरकार की कमियों को उजागर करना विपक्ष का धर्म है।

मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश में दो विपक्षी खेमे है- एक सपा-कांग्रेस का इंडिया गठबंधन और दूसरी बहुजन समाज पार्टी। विपक्ष की इन दो ताकतों की आपसी प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है। किंतु जो विपक्षी खेमा दूसरे विपक्षी खेमे पर ज्यादा हमला करेगा और सत्ता पर अधिक हमलावर होने के बजाय तारीफ करेगा उस दल के बारे में सरकार विरोधी मतदाताओं की राय बहुत अच्छी तो नहीं होगी। और जो विपक्षी खेमा हुकुमत पर हमलावर होगा सरकार विरोधी वोटर एकजुट होकर उस विपक्षी दल के समर्थन में खड़ा होगा।

धर्म-जाति को किनारे रखकर देखिए तो चार तरह का वोटर नजर आता है। एक सत्ता को पसंद करता है और दूसरा सत्ता से नाखुश होता है,सत्ता के कार्यों से संतुष्ट नहीं होता। जो सत्ता के कार्यों से संतुष्ट हैं और उसे पसंद करता है वो वर्ग सत्तारूढ़ पार्टी को वोट देता है। जो सत्ता को पसंद नहीं करता वो वर्ग उस विपक्षी दल को चुनेगा जो सत्ता उखाड़ने में संघर्ष कर रहा हो और सत्ता के प्रति आक्रामक हो। तीसरा वोटर वर्ग वो है जिसने सत्तारूढ़ पार्टी पर विश्वास कर सत्ता बनवाई। लेकिन उसकी अपेक्षाएं पूरी नहीं हुईं, ऐसे वर्ग विकल्प ढूंढेगा।

चौथा वर्ग भी है जो सत्ता को बेहतर इसलिए समझता है क्योंकि उसे सत्ता की खामियों का ज्ञान नहीं है। ऐसे सत्ता समर्थक वोटरों की आंखें खोलकर अपने पाले में लाने के लिए भी विपक्षी दल सत्ता का कच्चा चिट्ठा खोलते हैं। बताते हैं कि मौजूदा सरकार ने जन अपेक्षाएं पूरी नहीं की। जन-विरोधी है सरकार। हुकुमत पर ऐसे हमले करने के लिए विपक्षियों में मुकाबला होता है। यही कारण है कि विपक्ष का मूल स्वभाव सत्ता की आलोचना करना और सत्ता की किसी भी खूबी को नजरंदाज करना है।

बीते 9 अक्टूबर को बसपा की रैली में पार्टी सुप्रीमो मायावती ने सत्ता से अधिक विपक्ष पर हमले किए। योगी सरकार की तारीफ की तब सवाल उठना लाजमी थे। बसपा भाजपा की बी टीम है ! ऐसी तोहमतों के रंग गहराना भी स्वाभाविक था। बसपा सुप्रीमो मायावती द्वारा मैदान वापसी और खूब भीड़ वाली एक सफल रैली के बाद बसपाइयों और सपाइयों में नई जंग छिड़ गई। बी टीम की तोहमतों को आधार मिल गया । सपाई कह रहे हैं कि बहन जी ने मंच पर योगी आदित्यनाथ की सरकार की तारीफ करके अब तो भाजपा से अघोषित गठबंधन प्रकट कर दिया है। आरोप ये भी लग रहे हैं कि सरकारी मशीनरी ने मायावती की रैली में भीड़ जुटाई।

भाजपा के सहयोग से बसों का इंतेजाम किया गया था। समाजवादी कह रहे हैं कि विपक्ष का काम सत्ता की कमियों को सामने लाना होता है, लेकिन बसपा सुप्रीमो तो सत्ता की तारीफ कर रही हैं और विपक्षी दलों पर हमलावर हैं। वो स्पष्ट करें कि बसपा एनडीए की सहयोगी है या विपक्ष में है ? इस तरह तारीफ तो भाजपा के सहयोगी संजय निषाद, अनुप्रिया पटेल और ओम प्रकाश राजभर भी नहीं करते। सपा के ऐसे आरोपों के जवाब भी बसपाई खेमे से आने लगे हैं। कहां जा रहा है कि विपक्षी दल द्वारा सत्ता का आभार व्यक्त करना कोई गलत बात नहीं।

बसपाई सत्तारूढ़ भाजपा से सपा के रिश्ते याद दिला रहे हैं। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव द्वारा संसद में नरेंद्र मोदी की जीत की शुभकामनाएं देनी की याद दिला रहे हैं। मुलायम परिवार से मोदी-योगी के व्यक्तिगत मधुर रिश्तों से लेकर मुलायम सरकार का हिस्सा बनी कल्याण सिंह की पार्टी की याद दिलाई जा रही है। ये सच है कि प्रतिद्वंद्वी होना, राजनीति प्रतिस्पर्धी या राजनीति में विरोधी होने का अर्थ ये कतई नहीं कि हम आपसी शिष्टाचार भी भूल जाएं। सपा संस्थापक मुलायम सिंह का संघ प्रमुख मोहन भागवत के करीब बैठना, मुलायम परिवार के विवाह समारोह में प्रधानमंत्री मोदी का जाना, मुलायम सिंह का कुशलक्षेम पूछने योगी आदित्यनाथ का जाना शिष्टाचार है।

इससे राजनीतिक प्रतिस्पर्धा या विरोध का कोई मतलब नहीं। इसी तरह बसपा सुप्रीमो मायावती का योगी सरकार को आभार व्यक्त करना भी गलत नहीं। लेकिन ये तय है कि यदि मायावती सत्तारूढ़ भाजपा से ज्यादा सपा-कांग्रेस पर आक्रमक होती रही तो बसपा की स्थिति और भी खराब होती रहेगी। और सपा-कांग्रेस भी सत्ता के बजाय बसपा पर ज्यादा हमले करती रहेगी तो ये इंडिया गठबंधन के लिए हानिकारक होगा। दलित समाज में कुछ ऐसे भी हैं जब उन्हें लगता है कि बसपा लड़ाई से बाहर और सत्ता में आने की संभावनाओं से काफी दूर है ऐसे लोगो ने भाजपा को विकल्प मान कर भाजपाई सरकार बनवाने में अपना बड़ा योगदान दिया। भाजपा के लिए सॉफ्ट और बसपा को पसंद करने वाला एक बड़ा वोटर वर्ग है। ये वर्ग मजबूरी में बसपा से इसलिए दूर हो गया था क्योंकि बसपा ने मैदान छोड़ दिया था। मायावती मैदान में वापस आ गईं हैं इसलिए ये वोटर वर्ग बसपा में वापस होगा। बसपा के एक-एक वोटर में एक बात कामन रहेगी कि वो भाजपा के प्रति सॉफ्ट होगा। मायावती द्वारा सपा के साथ कांग्रेस पर जबरदस्त हमलों से सपा का ये डर कम हो गया कि कांग्रेस उसका साथ छोड़ कर बसपा के साथ गठबंधन कर सकती है।

योगी सरकार की तारीफ से ये तय हो गया कि अब सपा के मुस्लिम बल्कि वोट में अब बसपा आठ-दस फीसद वोट में भी सेंध नहीं लगा सकेगी। बसपा सुप्रीमो मायावती के दोबारा मैदान में आने से यदि दलित घर वापसी कर बसपा में वापस होता है तो इसका नुकसान सिर्फ सपा-कांग्रेस को ही नहीं भाजपा को भी खूब होगा। राजनीतिक पंडितों का कहना है कि आगामी 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में यदि त्रिकोणीय मुकाबला हुआ और दलित वोटों के सहारे बसपा पचास-पचपन सीटें भी ले आईं और इंडिया गठबंधन और एनडीए को बहुमत नहीं मिल सका तो दोनों गठबंधनों में किसी एक को मायावती को मुख्यमंत्री बनाना होगा। बहन जी ऐसी राजनीतिक कार्ययोजना पर काम कर रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

ऐसा रेलवे स्टेशन जो दो राज्यों में बंटा हुआ है, बेंच भी आधी एक राज्य में तो आधी दूसरे

नवापुर , एजेंसी। भारतीय रेलवे से रोजाना लाखों-करोड़ों लोग यात्रा करते हैं। लोकल ट्रेन से लेकर वंदे भारत जैसी ट्रेनों में यात्रियों को तमाम तरह की सुविधाएं मिलती हैं। भारत में रेल नेटवर्क इतना विशाल है कि लगभग हर जगह आपको ट्रेन की सुविधा जरूर मिल जाएगी। रेलवे से लोगों का जुड़ाव बचपन से ही शुरू हो जाता है। ऐसे में वे इसके बारे में दिलचस्प चीजों को जानने को आतुर रहते हैं। इसी तरह आज हम आपको एक ऐसे रेलवे स्टेशन के बारे में बताने जा रहे हैं, जो दो राज्यों के बीच में स्थित है। खास बात यह है कि इसमें यात्रियों के बैठने की बेंच भी लगी है, जिसमें आधी बेंच एक राज्य में आती है तो दूसरी दूसरे राज्य में। इस अनोखे रेलवे स्टेशन की तस्वीर समय-समय पर सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती है। इस खास रेलवे स्टेशन का नाम नवापुर रेलवे स्टेशन है। यह महाराष्ट्र और गुजरात राज्य में बंटा हुआ है। स्टेशन में रखी बेंच पर आधे में महाराष्ट्र लिखा है तो आधे में गुजरात लिखा गया है। यह वेस्टर्न रेलवे जोन के अंतर्गत आता है और सूरत-भुसावल रेल लाइन पर स्थित है। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले में रेलवे स्टेशन का आधा हिस्सा है, जबकि आधा हिस्सा गुजरात के तापी जिले में है। यह रेलवे स्टेशन काफी लोकप्रिय है, क्योंकि लोग जाकर यहां तस्वीरें भी खिंचवाते हैं। रेलवे स्टेशन में हिंदी, अंग्रेजी के अलावा मराठी और गुजराती भाषा में भी अनाउंसमेंट किया जाता है, ताकि लोगों को आसानी से समझ आ सके। इसमें टिकट खिड़की और स्टेशन मास्टर का कमरा भी दोनों अलग-अलग राज्यों में बंटा हुआ है। टिकट खिड़की महाराष्ट्र में है, जबकि स्टेशन मास्टर का दफ्तर गुजरात में स्थित है।

ड्रग तस्करी के खिलाफ बीएसएफ का हल्लाबोल, पंजाब में हर दूसरे दिन एक तस्कर की गिरफ्तारी

चंगीगढ़, एजेंसी। पंजाब में भारत-पाकिस्तान सीमा पर नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी है। सीमा सुरक्षा बल ने जनवरी 2024 से अब तक लगभग 350 तस्करों को पकड़ा है, यानी औसतन हर दूसरे दिन एक तस्कर गिरफ्तार किया गया। बीएसएफ की टीम 553 किलोमीटर लंबी सीमा पर नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी को नाकाम करने में जुटी है। इस प्रयास में ज्यादातर गिरफ्तारियां अमृतसर, तरन तारन और फिरोजपुर जिलों में हुईं, जो ड्रोन के जरिए होने वाली तस्करी के लिए जोखिम वाले क्षेत्र माने जाते हैं। केंद्र सरकार ने अक्टूबर 2021 में बीएसएफ के ऑपरेशनल जोन को 15 किलोमीटर से बढ़ाकर 50 किलोमीटर कर दिया था, जिससे बड़े इलाके में तलाशी, जब्ती और गिरफ्तारी का अधिकार मिला। हालांकि, बीएसएफ अधिकारियों का कहना है कि अधिकांश गिरफ्तारियां मूल 15 किलोमीटर के दायरे में ही हुईं। बीएसएफ के प्रवक्ता डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल एके विद्यार्थी ने बताया, पाकिस्तानी तस्कर ड्रोन और जीपीएस-आधारित डिलीवरी का उपयोग कर पकड़े जाने से बचने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हमारी सतर्कता से तस्करी के नेटवर्क को ध्वस्त करने में मदद मिल रही है। साल 2024 में बीएसएफ ने 161 तस्करों को गिरफ्तार किया। इस साल 30 सितंबर तक 186 और तस्कर पकड़े गए हैं। इनमें 16 पाकिस्तानी घुसपैठिए, चार नेपाली और तीन बांग्लादेशी शामिल हैं। इस दौरान 3 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया गया। सीनियर बीएसएफ अधिकारी ने बताया, पाकिस्तानी तस्कर भारतीय तस्करों को नाबालिगों को कूरियर के रूप में भर्ती करने के लिए कह रहे हैं, ताकि कानूनी छूट का फायदा उठाया जा सके।

बीढ़ी को लेकर झगड़ा और कुचल डाला सिर ; छत्तीसगढ़ में शख्स की बेरहमी से हत्या

रायपुर , एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित आमनेर गांव में एक शख्स की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। उसका शव एक नाले में तैरता हुआ मिला था। ये शख्स कौन था और इसकी हत्या के पीछे किन लोगों का हाथ था, पुलिस ने इसकी पूरी गुत्थी सुलझा ली है। मृतक की पहचान 26 साल के सानू पाल के रूप में हुई है। पुलिस ने इसकी हत्या के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। सोनू पाल का शव इस हफ्ते की शुरुआत में गोडा पुल के पास एक नाले में तैरता हुआ मिला था। घटना गुरुवार की है। स्थानीय लोंगों ने शुक्रवार को सोनू पाल का शव नाले में तैरता हुआ देखा था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। एनटीडीवी की रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस मौके पर पहुंची तो मृतक के चेहरे पर कई गहरे घाव दिखाई दिए थे। इसके बाद पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103 और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। टीम ने पीड़ित की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए और आसपास के लोगों से भी पूछताछ की।

यूपी-बिहार जाने वाली इन ट्रेनों में दिवाली-छठ पूजा के बाद भी मारामारी, 90 दिन की वेटिंग

देहरादून, एजेंसी। त्योहारी सीजन में देहरादून आने और देहरादून से जाने वाली लंबी दूरी की ट्रेनें पैक हो गई हैं। यूपी-बिहार से होकर गुजरने वाली इन आठ ट्रेनों में दीवाली के बाद के लिए भी सीट की मारामारी हो रही है। कुंभ एक्सप्रेस में 13 अक्तूबर तक वेटिंग चल रही है तो राप्तीगंगा एक्सप्रेस की स्लीपर में 90 तक वेटिंग लिस्ट है। छठ पूजा को लेकर भी इस ट्रेन में दिवाली के बाद सीटें नहीं मिल रही हैं। कुछ ट्रेनों के स्लीपर श्रेणी में बुकिंग बंद हो गई है। बाकी श्रेणियों में लंबी वेटिंग चल रही है। हवाई सेवाओं में भी सफर महंगा हो गया है। टिकट 30 से 60 फीसदी तक महंगे मिल रहे हैं। दून स्टेशन से जनशताब्दी, शताब्दी, वंदे भारत, मसूरी, जनता, लाहौरी, लिंक, राप्तीगंगा एक्सप्रेस ट्रेनें चलती हैं। इसमें दिल्ली की ट्रेनों को छोड़कर बाकी सभी ट्रेनें दीवाली तक पैक हो गई हैं। कुछ ही ट्रेनों में इक्का-दुक्का सीटें बची हुई है। स्टेशन अधीक्षक रविंद्र कुमार ने बताया कि त्योहारी सीजन में हर साल ट्रेनों में सीटें फुल हो जाती हैं। भीड़ को देखते हुए रेलवे की ओर से विशेष ट्रेनें चलाई जाती हैं।

कुंभ एक्सप्रेस में नहीं मिल रहा टिकट : देहरादून से हावड़ा जाने वाले कुंभ एक्सप्रेस के स्लीपर श्रेणी में 13 अक्तूबर तक वेटिंग चल रही है। इसके बाद दीवाली तक टिकट बुकिंग बंद हो गई है। हावड़ा से देहरादून आने वाली कुंभ एक्सप्रेस में भी दीवाली के बाद तक लंबी वेटिंग चल रही है। इस कारण यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। वेटिंग के कारण यात्री असमंजस में हैं कि उनकी टिकट कंफर्म हो भी पाएगी या नहीं।

राप्तीगंगा एक्सप्रेस में लंबी वेटिंग : देहरादून से सप्ताह में मंगलवार और गुरुवार को गोरखपुर जाने वाली राप्तीगंगा एक्सप्रेस में भी लंबी वेटिंग चल रही है। स्लीपर में 55 से लेकर 90 तक की वेटिंग चल रही है। फर्स्ट एसी, सेकेंड एसी में भी लंबी वेटिंग है। गोरखपुर से देहरादून आने वाली राप्तीगंगा एक्सप्रेस में भी सीट के लिए मारामारी है। छठ पूजा को लेकर इस ट्रेन में दीवाली के बाद भी सीटें नहीं मिल रही हैं।

30 से 60 फीसदी तक महंगा हुआ हवाई सफर : डोईवाला। त्योहारी सीजन में हवाई सेवाओं का किराया 30 से 60 फीसदी तक महंगा हो गया है। टिकटों की मांग अत्यधिक बढ़ गई है। एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने बताया कि विमानन कंपनियां एयर टिकट की मांग के आधार पर टिकट का मूल्य तय करती हैं। इससे ऑफ सीजन में रहने वाले न्यूनतम किराये में वृद्धि हो गई है। दून से दिल्ली ऑफ सीजन में न्यूनतम किराया 3,859 है। यह अब 5,014 तक पहुंच गया है। मुंबई का न्यूनतम किराया 5,616 से बढ़कर अब 9,164 और बेंगलुरु का 5,599 से बढ़कर 9,539 तक पहुंच गया है। अहमदाबाद का 4,499 से बढ़कर 7,465 और लखनऊ का न्यूनतम किराया 4,175 से बढ़कर 6,523 हो गया है।

'जनता' की स्लीपर श्रेणी में दीवाली तक बुकिंग बंद : दून से वाराणसी जाने वाली जनता एक्सप्रेस के स्लीपर श्रेणी में दीवाली तक बुकिंग बंद हो गई है। बाकी श्रेणियों में लंबी वेटिंग है। वाराणसी से दून आने वाली जनता में 15, 16, 17 व 18 को आरएसी में टिकट मिल रही है। बाकी श्रेणियों में इक्का-दुक्का सीटें खाली हैं।

रोडवेज की वॉल्वो बसें खाली : रोडवेज की वॉल्वो में भी यात्री सफर करना पसंद करते हैं। देहरादून से दिल्ली के लिए रोजाना 23 नॉन स्टॉप वॉल्वो सेवाएं चलती हैं, लेकिन सभी वॉल्वो सेवाओं में दीवाली तक सीटें खाली हैं। यात्री किसी भी बस में ऑनलाइन सीट बुक करा सकते हैं। रोडवेज के महाप्रबंधक (संचालन) क्रांति सिंह ने बताया कि बसों में त्योहार के दो दिन पहले से भीड़ बढ़ती है, अब धीरे-धीरे यात्री बढ़ने शुरू हो गए हैं। दीवाली तक सभी बसें पैक हो जाएंगी। अधिकारियों को बसों के अतिरिक्त फेरे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

जंगली सुअर का मांस खाने की अनुमति दी जाए, इस राज्य के मंत्री की केंद्र से मांग

तिरुवंतपुरम, एजेंसी। केरल सरकार के कृषि मंत्री पी.प्रसाद ने जंगली सुअर का मांस खाने की अनुमति दी जाने की मांग की है। उन्होंने दावा किया कि अगर इसकी अनुमति दी जाती है तो इन जानवरों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है वह बहुत कम हो जाएगा, इसके बाद फिर इनसे और भी बेहतर तरीके से निपटा जा सकता है। प्रसाद ने कहा कि जंगली सुअर कोई लुप्तप्राय जाति नहीं है इसलिए इसका मांस खाने की अनुमति देने में कोई बाधा नहीं है। प्रसाद ने अलप्पुझा जिले की पालामेल ग्राम पंचायत द्वारा एक कार्यक्रम में स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हम चाहते हैं कि ऐसा हो लेकिन केंद्रीय कानून इसकी अनुमति नहीं देता है। उन्होंने दावा किया, मेरी राय में, लोगों को खेतों में मारे गए जंगली सूअरों का मांस खाने की अनुमति दी जानी चाहिए। अगर लोगों को जंगली सूअरों को मारने और उनका मांस खाने की अनुमति दी जाए, तो इस मुद्दे का समाधान बहुत तेजी से हो सकता है। लेकिन मौजूदा कानून इसकी अनुमति नहीं देता है। गौरतलब है कि प्रसाद की यह टिप्पणी केरल विधानसभा द्वारा वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 में संशोधन के लिए एक विधेयक पारित किए जाने के कुछ

दिनों बाद आई है। इस विधेयक का उद्देश्य राज्य में मानव-पशु संघर्ष की बढ़ती घटनाओं को कम करना है। आपको बता दें भारत में जंगली सुअर को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तरह सूची तीन में रखा गया है। इसका मतलब है कि यह एक प्रोटेक्टेड स्पीसीज है। इस वजह से इसका बिना अनुमति शिकार करना, मारना या उसका मांस रखना अवैध है। ऐसा करने पर तीन साल तक की जेल, 25 हजार का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। हालांकि यह मामला सभी जगह एक जैसा नहीं है। कई राज्यों, जैसे की केरल, बिहार, उत्तराखंड ने इसे हानिकारक जीव की श्रेणी में रखा है। इन राज्यों के स्थानीय प्रशासन और वन विभाग की अनुमति के साथ इसे मारना कानूनी है। हालांकि इसके बाद भी इसका मांस बेचना या रखना कानूनी नहीं होता। जंगली सुअर को लेकर कई तरह की भ्रांतियां और कानूनी डर फैला रहता है। इसलिए भी लोग इसका मांस खाने से बचते नजर आते हैं।

जयपुर में रिटायर्ड बैंककर्मी ने पत्नी-बेटे संग खाया ज़हर, अंग्रेजी में छोड़ा सुसाइड नोट

जयपुर , एजेंसी। राजधानी के करणी विहार थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक रिटायर्ड बैंककर्मी, उसकी पत्नी और बेटा मृत पाए गए। परिवार किराए के मकान में रह रहा था। मकान मालिक ने बताया रूपेंद्र शर्मा रोज सुबह 5 बजे उठ जाते थे, पानी भरते और साफ-सफाई करते थे। आज जब सुबह 8 बजे तक दरवाजा नहीं खुला तो कुछ गड़बड़ का एहसास हुआ। करीब दो साल से रामगोपाल शर्मा के मकान में रहने वाला यह परिवार बेहद शांत और सादा जीवन जी रहा था। किसी से झगड़ा नहीं, कोई विवाद नहीं। लेकिन शनिवार की सुबह उस घर के भीतर जो दृश्य मिला, उसने पूरे मोहल्ले को हिला दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। गेट अंदर से बंद था, लेकिन मेन गेट खुला मिला। गेट तोड़कर पुलिस अंदर दाखिल हुई तो मेन गेट के पीछे बेटे पुलकित (32) की लाश मिली। हॉल में रूपेंद्र शर्मा (63) का शव था और कमरे में पत्नी सुशीला शर्मा (58) मृत पड़ी मिलीं। तीनों ने विषाक्त पदार्थ खाने की आशंका जताई गई है। कमरे के टेबल पर एक पन्ने का अंग्रेजी में लिखा सुसाइड नोट मिला। उसमें एक परिचित व्यक्ति पर परेशान करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने नोट को जब्त कर लिया और उसी के आधार पर परिजनों की रिपोर्ट दर्ज की है। जानकारी के मुताबिक, रूपेंद्र शर्मा राजस्थान बैंक में अकाउंटेंट थे। कुछ साल पहले उन्होंने वीआरएस ले ली थी। पत्नी सुशीला हाउसवाइफ थीं और बेटा पुलकित एक निजी बैंक में नौकरी करता था। पुलिस का कहना है कि रूपेंद्र लंबे समय से मानसिक दबाव में थे। परिजनों ने भी बताया कि एक परिचित के साथ किसी विवाद ने उन्हें गहरे तनाव में डाल दिया था। मकान मालिक रामगोपाल शर्मा ने बताया, पूरा परिवार बेहद अच्छा था। रूपेंद्र जी रोज सुबह 5 बजे उठते, पानी भरते, घर साफ करते। उनकी आदतें इतनी नियमित थीं कि जब आज सुबह दरवाजा बंद मिला तो दिल बैठ गया। फोन किया, आवाज दी लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। पड़ोसी बताते हैं कि पुलकित शांत स्वभाव का युवक था। काम से लौटने के बाद कभी-कभी बच्चों से खेलता या माता-पिता के साथ टहलने निकलता। किसी ने कल्पना भी नहीं की थी।

दोषी चाहे जो हो, बख्शेंगे नहीं; आईपीएस पूरन सुसाइड केस में पहली बार बोले सीएम नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के सीनियर आईपीएस अफसर वाई पूरन कुमार सुसाइड केस में पहली बार मुख्यमंत्री नायब सैनी का बयान आया है। आज पंचकूला में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार इस मामले की पूरी जांच कराएगी। दोषी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, बख्शा नहीं जाएगा। अगर किसी व्यक्ति को कोई तंग करेगा तो सरकार उसे नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार इस मामले की पूरी जांच कराएगी। विपक्ष को ऐसे मुद्दे पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। परिवार के साथ अन्याय हुआ है तो न्याय देने का काम हमारी सरकार करेगी। वहीं, शुक्रवार रात को सीएम हाउस में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार, चीफ सेक्रेटरी अनुराग रस्तोगी, होम सेक्रेटरी डॉ. सुमिता मिश्रा और आईएएस अफसर राज शेखर वुंडरू से मीटिंग की थी।

सूत्रों के मुताबिक हरियाणा सरकार डीजीपी शत्रुजीत कपूर को हटा सकती है। इस मामले में रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारणिया को हटा दिया गया। उनकी जगह सुरेंद्र सिंह भौरिया को एसपी बनाया गया है। वाई पूरन कुमार का पोस्टमॉर्टम आज भी नहीं हो पाया। डॉक्टर्स, फोरेंसिक एक्सपर्ट्स और वीडियोग्राफी टीम चंडीगढ़ पीजीआई की मॉर्च्युरी में पहुंची, लेकिन परिवार का कोई सदस्य नहीं आया। चंडीगढ़ की एसएसपी कंवरदीप कौर का कहना है कि परिवार की सहमति के बाद ही पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। उनका इंतजार किया जा रहा है। वहीं, पूरन कुमार के परिवार और अनुसूचित समाज ने 31 सदस्यीय कमेटी बनाई है। कमेटी का कहना है कि जब तक हरियाणा के डीजीपी कपूर और एसपी नरेंद्र बिजारणिया अरेस्ट नहीं हो जाते, तब तक परिवार पोस्टमॉर्टम नहीं कराएगा। कल दोपहर 2 बजे चंडीगढ़ के सेक्टर-20 स्थित गुरु रविदास गुरुद्वारे में महापंचायत होगी।

परिवार का आरोप : शनिवार सुबह डेडबॉडी चंडीगढ़ के सेक्टर-16 गवर्नमेंट अस्पताल से पीजीआई शिफ्ट की गई थी। परिवार ने आरोप लगाया था कि उनकी मर्जी के खिलाफ डेडबॉडी जबरदस्ती पीजीआई ले गए। चंडीगढ़ के डीजीपी सागर प्रीत हुड्डा और आईजी पुष्पेंद्र कुमार सेक्टर 24 स्थित अमनीत पी कुमार के सरकारी आवास पर आए और करीब 45 मिनट बात की। डीजीपी सागर प्रीत हुड्डा ने कहा कि हमने परिवार के सदस्यों से बात की और उनसे जल्द से जल्द पोस्टमार्टम करवाने का अनुरोध किया। उनकी कुछ शिकायतें हैं और हम उन पर काम कर रहे हैं। जांच चल रही है। एसआईटी का गठन किया गया है और आईजी इसका नेतृत्व कर रहे हैं। परिवार की सहमति के बाद ही पोस्टमार्टम होगा। डॉक्टरों का पैनल बनाकर पोस्टमार्टम किया जाएगा। परिवार ने अभी पोस्टमार्टम को लेकर सहमति नहीं दी है।

सड़कों पर उतरे लोग : हरियाणा कैडर के सीनियर आईपीएस ऑफिसर वाई पूरन कुमार के सुसाइड मामले ने तूल पकड़ लिया है। लोग सड़कों पर उतर आए हैं। आज कांग्रेस ने प्रदेश भर में जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन किया। वहीं, अनुसूचित जाति वर्ग ने भी रोष जताया।

दुनिया का सबसे बड़ा गुंडा है नेतन्याहू, इजरायली पीएम पर भड़के ओवैसी, बोले- अल्लाह देख लेगा

हैदराबाद, एजेंसी। दुनिया का सबसे बड़ा गुंडा है नेतन्याहू, इजरायली पीएम पर भड़के ओवैसी, बोले- अल्लाह देख लेगा हैदराबाद से सांसद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर शनिवार को जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने इजरायली पीएम को दुनिया का सबसे बड़ा गुंडा करार देते हुए कहा कि उन्हें अल्लाह देख लेगा। ओवैसी ने पीएम मोदी द्वारा इजरायल-गाजा शांति समझौते पर किए गए पोस्ट का जिक्र करते हुए नेतन्याहू पर निशाना साधा। ओवैसी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, आज पीएम मोदी ने डोनाल्ड ट्रंप को बधाई दी और नेतन्याहू की लीडरशिप की तारीफ की। नेतन्याहू दुनिया का सबसे बड़ा गुंडा

है, जिसने 65 हजार लोगों को मार दिया, 20 हजार बच्चे हैं। 12 लाख लोग बेघर हो गए और पीएम उसकी लीडरशिप की तारीफ कर रहे हैं। आखिर क्यों उसकी तारीफ कर रहे हैं? आप तो भारत के प्रधानमंत्री हैं। हम इस बात की निंदा करते हैं जो पीएम मोदी ने नेतन्याहू की लीडरशिप की तारीफ की। अल्लाह देख लेगा नेतन्याहू को इंशाअल्लाह। एआईएमआईएम प्रमुख ने आगे कहा, पीएम उसकी तारीफ कर रहे हैं, कहीं न कहीं ऊपर जाकर कोई तार मिलता है। ऐसे आदमी (नेतन्याहू) के खिलाफ इंटरनेशनल कोर्ट ने वॉरंट जारी किया। हिंदुत्व के लोग बोलेंगे ओवैसी क्या बोल रहा। अरे सुनो, कुलभूषण जो पाकिस्तान की जेल गए, उसे सजा-ए-मौत देना चाहते थे तो भारत इंटरनेशनल कोर्ट गया और उसकी सजा रुकवाई। ओवैसी ने पीएम मोदी के जिस पोस्ट का जिक्र किया, उसमें प्रधानमंत्री ने लिखा था कि राष्ट्रपति ट्रंप की गाजा शांति योजना के तहत हुई प्रगति पर बधाई देने के लिए अपने मित्र, प्रधानमंत्री नेतन्याहू को फोन किया। हम बंधकों की रिहाई और गाजा के लोगों को मानवीय सहायता बढ़ाने पर हुए समझौते का स्वागत करते हैं। इस बात पर जोर दिया कि दुनिया में कहीं भी किसी भी रूप या स्वरूप में आतंकवाद अस्वीकार्य है। इसके अलावा, पीएम मोदी ने ट्रंप को लेकर भी एक्स पर पोस्ट किया था।

यूपी के छह आईटीआई में प्रिंसिपल का होगा डिमोशन, अनुदेशक बनाए जाएंगे

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के छह राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के प्रधानाचार्यों को अनुदेशक के पद पर पदावनत किया जाएगा। दूरस्थ शिक्षा से बीटेक की डिग्री हासिल करने वाले इन अनुदेशकों ने गलत ढंग से प्रधानाचार्य के पद पर पदोन्नति पाई थी। प्रशिक्षण निदेशालय की ओर से व्यावसायिक शिक्षा विभाग को इन सभी छह प्रधानाचार्यों को पदावनत कर फिर से अनुदेशक बनाए जाने का प्रस्ताव भेज दिया गया है। कोर्ट के निर्देश पर प्रशिक्षण निदेशालय की ओर से यह कार्रवाई की गई है। जिन छह जिलों की आईटीआई के प्रधानाचार्य फिर से अनुदेशक के पद पर पदावनत होंगे उनमें चंदौली, मेरठ, बदायूं, संतकबीरनगर, बागपत और कासगंज शामिल है। निदेशक अभिषेक सिंह की ओर से व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के प्रमुख सचिव को इस संबंध में प्रस्ताव भेज दिया गया है। गलत ढंग से पदोन्नति पाने की शिकायत की गई थी और 18 प्रधानाचार्यों को शक के घेरे में लिया गया था। अब जांच के बाद इसमें से छह को अनुदेशक के पद पर पदावनत किया जाएगा। आईटीआई में बदलने वाला है छात्रों की ट्रेनिंग का तरीका उत्तर प्रदेश के आईटीआई में अब छात्रों की ट्रेनिंग का तरीका पुराने ढर्रे की मशीनों और पाठ्यक्रमों से आगे बढ़कर आधुनिक उद्योगों के अनुरूप होने वाला है। केंद्र सरकार की योजनाओं 'नेशनल स्कीम फार अपग्रेडेशन ऑफ ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट' और 'नेशनल सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस फॉर स्किलिंग' के तहत यह काम किया जाना है। मिली जानकारी के अनुसार व्यवसायिक शिक्षा और कौशल विकास व उद्यमशीलता विभाग ने इसके लिए राज्य स्तरीय संचालन समिति गठित कर दी है। दक्ष वाहन चालक तैयार करने को होगी पहल अच्छे ड्राइवर तैयार करने के लिए यूपी के आईटीआई में मॉडर्न ट्रेनिंग स्कूल भी स्थापित किए जाएंगे। इनमें विद्यार्थी आसानी से वाहन चलाना सीख सकेंगे। यहां थ्री-डी ड्राइविंग सिम्युलेटर की मदद से उन्हें हल्के और भारी वाहन चलाने की बारीकियां सिखाई जाएंगी।

झगड़े के बाद पति ट्रेन के आगे कूदा, पत्नी ने भी दी जान; 3 महीने की बच्ची अनाथ

फिरोजाबाद , एजेंसी। यूपी के फिरोजाबाद में मटसेना थाना क्षेत्र में करवाचौथ की अगली सुबह शनिवार को पति ने घर से डेढ किमी दूर रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से कटकर जान दे दी। उधर, पति की मौत की सूचना पाकर पत्नी ने भी घर में आत्महत्या कर ली। हालांकि महिला के मायके वालों का आरोप है कि महिला की हत्या की गई है। परिजनों ने बताया कि महिला ने सोलह श्रृंगार कर पति के लिए व्रत रखा था। पूजन किया, लेकिन देर रात पति-पत्नी में झगड़ा हो गया था। थाना मटसेना के दबरई निवासी प्रमोद कुमार (28) पुत्र नेत्रपाल का उसकी पत्नी निशा (26) से शुक्रवार को करवाचौथ की रात किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद ज्यादा बढ़ने पर पति शनिवार सुबह घर से निकल गया। सुबह करीब 9 बजे उसने गांव से डेढ़ किमी दूर दौकेली से गुजर रही ट्रेन से कटकर जान दे दी। करीब एक घंटे के बाद प्रमोद की पहचान हो सकी। उधर, पति की मौत की सूचना जब सुबह करीब 11 बजे निशा को मिली तो उसने भी जान दे दी। परिवार वालों ने बताया कि प्रमोद की दो साल पहले जसराना के मुस्तफाबाद के बहत निवासी निशा से शादी हुई थी। निशा ने तीन महीने पहले बच्ची को जन्म दिया था। पति से अनबन पर निशा एक महीने पहले मायके चली गई थी। वह करवाचौथ वाले दिन ही ससुराल आई थी। प्रमोद कांच फैक्ट्री में काम करता था। परिवार आर्थिक तंगी से भी गुजर रहा था। सीओ सदर चंचल त्यागी ने बताया कि पति और पत्नी के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। निशा के मायकेजनों ने जहर देकर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करेगी।

मायके वालों का आरोप, निशा को जहर दिया : मटसेना क्षेत्र में करवाचौथ पर पति पत्नी के विवाद के बाद पति द्वारा ट्रेन के आगे कूदकर जान देने और पत्नी का कमरे के अंदर शव मिलने पर पति कि वियोग में आत्महत्या करने की बात सामने आई थी। पुलिस को लोगों ने फांसी लगाने की बात कही लेकिन मायके वालों ने बेटी को जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया। कमरे से जहर की शीशी मिलने की बात भी कही। पुलिस ने जहर खाने के आरोप को भी जांच में शामिल करते हुए विवाहिता का विसरा भी प्रजर्व कराया है। पीएम में गले पर निशान दिखा लेकिन फंदे पर लटकना नहीं पाया। करवाचौथ की रात हुए विवाद के बाद थाना मटसेना के दबरई निवासी प्रमोद कुमार (28) ने गांव के पास से गुजर रही ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी तो वहीं उसकी पत्नी निशा (26) से पति की मौत की सूचना पर जान दे दी। विवाहिता द्वारा आत्महत्या करने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो निशा का शव कमरे में पड़ा मिला। उसके हाथों पर मेहंदी रची हुई थी और वह करवाचौथ को लेकर पूरा श्रृंगार किए हुई थी। थानाध्यक्ष विमिलेश त्रिपाठी ने पुलिस के साथ पहुंचकर आसपास के लोगों ने बातचीत की तो लोगों ने बताया कि दोनों के बीच शुक्रवार को कई बार विवाद हुआ था और शनिवार की सुबह भी विवाद होने पर पति आत्महत्या करने चला गया था।

मायके वालों को नहीं दी थी सूचना : मायके वालों ने पहुंचकर पुलिस को बताया कि उसकी बेटी की जहर देकर हत्या की गई है। मायके वालों का आरोप है कि बेटी और दामाद की मौत की सूचना तक उनको नहीं दी गई थी। उनकी बेटी की पहले पति ने जहर देकर हत्या की है और फिर पति ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली है। ससुरालियों के खिलाफ निशा के पिता ने थाने में तहरीर भी दी है।

सास करती थी निशा को परेशान : निशा के पिता ने आरोप लगाया कि उसकी सास उसे परेशान करती थी। वह दबरई स्थित नरसरी में काम करती है। सास ने मकान को गिरवी रखवा दिया था। शादी में दी गई बाइक तक गिरवी रखी थी। सास अपने बेटे से कहती थी कि निशा को छोड़ दे और दूसरी शादी कर ले। तीन महीने पहले जब निशा ने बेटी को जन्म दिया तो उसने ही सारा खर्चा उठाया था। बेटी को परेशान करने के चलते ही वह एक महीने से मायके में थी। लगातार फोन करने पर निशा अपनी तीन माह की बेटी को मायके में छोड़कर पति के पास करवाचौथ को लेकर आ गई थी। उसकी बेटी की जहर देकर हत्या कर दी फिर खुद ट्रेन के आगे कूद गया। अब निशा की तीन माह की बेटी को लेकर मायके वाले परेशान हैं कि उसका लानन पालन कैसे होगा।

बच्चों के विकास में हो रही देरी को समझें और ले जाएं उन्हें सफलता के रास्ते पर

हर बच्चे को स्नेह, प्रोत्साहन और सहारे की जरूरत होती है। खासतौर से जिन बच्चों के विकास में थोड़ी देरी हो रही है, उनके लिए यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि इस तरह के सकारात्मक सहयोग के जरिए ही यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि ऐसे बच्चे भी बड़े होकर आत्मविश्वास से भरपूर होंगे, उनके भीतर खुद की क्षमताओं को समझने की ताकत होगी और विषम परिस्थितियों के बाद भी उनके अंदर आगे बढ़ने का दृढ़ संकल्प होगा। बालपन की शुरुआत में ही बच्चे के बोलने, चलने, खुद का ख्याल रखने, खेलने जैसी कुछ क्रियात्मक बातों पर ध्यान देकर पैरेंट्स यह नोटिस कर सकते हैं कि बच्चे का विकास मानकों के अनुरूप हो रहा है कि नहीं। इसके अलावा इंटेलेक्चुअल डिसेबलिटी भी एक ऐसी स्थिति है, जिसकी शुरुआत बालपन में होती है और जिसमें बच्चे के सीखने ओर समझने की सीमित क्षमताओं को पहचाना जा सकता है। ज्यादा गंभीर स्थिति वाले मामलों की पहचान बच्चे के जन्म के पहले साल के अंदर ही हो जाती है। कम गंभीर मामलों में बच्चे के संज्ञानात्मक विकास पर पड़ रहे असर का पहला लक्षण स्कूल की शुरुआत में हो रही दिक्कतों के जरिए पहचाना जा सकता है। उदाहरण के लिए, अगर बच्चे को पढ़ने में या गणित के सवालों को हल करने में दिक्कत हो रही है, तो इस बात को नोटिस किया जा सकता है। कुछ पैरेंट्स यह भी नोटिस कर सकते हैं कि उनके एक बच्चे का डिवेलपमेंट दूसरे बच्चे के मुकाबले धीमे हो रहा है। एक तरह से देखा जाए, तो पहले बच्चे के व्यवहार को देखकर यह पता चलता है कि उसका विकास सही तरीके से नहीं हो रहा है और फिर अंततः वह स्थिति आती है, जिसमें डॉक्टर की मदद लेनी पड़ती है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि बाद में बच्चे के विकास में और किस किस तरह की अड़चनें आ सकती है। पैरेंट्स होने के नाते आपको सबसे पहला काम यह पता लगाने का है कि आपका बच्चा किस तरीके से सबसे जल्दी और बेहतर ढंग से सीखता है।

विजुअल लर्नर

इसके जरिए यह पता लगाया जा सकता है कि क्या बच्चा चीजों को देखकर, पढ़कर या डाइग्राम, मैप्स, ड्रॉइंग आदि के जरिए पिक्चराइज करके चीजों को सीखता है और तब ज्यादा अच्छा काम करता है, जब मटीरियल उसके सामने रखा जाए और जिसे वह देखकर महसूस कर सके, न कि सुनकर।

ऑडिटरी लर्नर: इसमें बच्चा सुनकर ज्यादा बेहतर काम करता है, लेक्चर बेस्ड माहौल में जल्दी सीखता है। क्लासरूम डिस्कशन, मौखिक निर्देश और स्टडी ग्रुप्स के जरिए उसे फायदा मिलता है।

काइनेस्थेटिक लर्नर: इसमें बच्चा मूव करके ओर खुद से काम करके सीखता है, खुद अपने हाथों से की जाने वाली एक्टिविटीज, लैब क्लासेज, प्रॉप, स्किट्स और फील्ड ट्रिप्स से उसे लाभ मिलता है।

बच्चों को आगे बढ़ने में मदद

ऐसे में जल्द से जल्द हस्तक्षेप करने और सही समय पर बच्चे को स्कूल में दाखिल करवाने की जरुरत होती है, ताकि बच्चे के इंटेलेक्चुअल लेवल में सुधार हो और वह अपने निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने के लिए आगे बढ़ सके। जिन बच्चों को जल्द सीखने में किसी तरह की दिक्कत आती है, ऐसे बच्चों को मजबूती से उभारने और उनके अंदर लचीलापन लाने के लिए उनकी मदद के रास्ते तलाशना जरूरी है। लर्निंग डिसेबलिटी से जुड़ी समस्याएं केवल अच्छे बर्ताव से हल नहीं होगी, लेकिन इससे आपके बच्चे के अंदर एक नई उम्मीद जगेगी और उसका भरोसा बड़ेगा, जिससे उसे आगे बड़ने में मदद मिलेगी और भविष्य में वह भी सफलता के पथ पर अग्रसर हो सकेगा। संज्ञानात्मक विकलांगता यानी कॉग्नेटिव डिसेबलिटी की वजह आमतौर पर प्रसव के पूर्व, प्रसव के दौरान और प्रसव के बाद के कारकों पर निर्भर करती है। प्रसव पूर्व के कारणों में जेनेटिक विषमता, इन्फैक्शंस, सेंट्रल नर्वस सिस्टम में गढ़बड़ी, डाउन सिंड्रोम और ऐसे तत्वों के संपर्क में आना, जो बच्चे के जन्म पर प्रभाव डालते हैं, शामिल है। बच्चे के अंदर इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी पैदा होने के ये सबसे प्रमुख जेनेटिक कारण हैं। प्रसवकालीन कारणों में जानलेवा कुपोषण, प्रीमैच्योरिटी और ब्रेन में ऑक्सिजन की सप्लाई में कमी जैसी वजहें प्रमुख हैं,

कॉग्नेटिव डिसेबलिटी को दूर करने के लिए थैरेपीज

प्रसव बाद के कारणों में कई तरह के इन्फैक्शंस, घुटन, एक्सिडेंटल और नॉन एक्सिडेंटल ट्रॉमा, ब्रेन डैमेज, सीएनएस ट्यूमर आदि प्रमुख हैं। इन कारकों की वजह से बच्चे के अंदर पैदा हुई कॉग्नेटिव डिसेबलिटी को दूर करने में कई तरह की थैरेपीज और सर्विसेज मददगार साबित हो सकती हैं। इनमें नर्सिंग सर्विसेज, ऑक्यूपेशनल थैरेपी, फिजिकल थैरेपी, एडाप्टिव उपकरण, स्पीच और लैंग्वेज थैरेपी, न्यूट्रिशनल काउंसिलिंग, ऑडियोलॉजी सर्विसेज, साइकोलॉजिकल हस्तक्षेप, रीक्रिएशन थैरेपी और सोशल वर्क सर्विसेज जैसी थैरेपीज और सर्विसेज शामिल है। इनके अलावा स्पेशल एजुकेशन टीचर्स भी बच्चे को एजुकेशनल सर्विसेज मुहैया करा सकते हैं। कई बार सतर्कता में कमी, सीखने में दिक्कत, बोलने में दित या व्यापक विकासशील विकारों को इंटेलेक्चुअल डिसेबलिटी समझ लिया जाता है, जबकि केवल 5 पर्सेंट आबादी में ही संज्ञानात्मक कमी देखी जाती है और इनमें से ज्यादातर लोग माइल्ड रेंज डेफिसिट कैटिगरी यानी ऐसी कैटिगरी में आते हैं, जिनमें डिसेबिलिटी बेहद गंभीर नहीं होती।

डॉ. नूपुर गुप्ता, कंसलेंट ऑब्स्टट्रिशन एंड गाइनोकोलोजिस्ट

रेसिपी

अंजीर का हलवा

सामग्री

- सूखे अंजीर- 100 ग्राम
- घी- 2 चम्मच
- मिल्क पाउडर- 1 चम्मच
- चीनी- 2 चम्मच
- इलायची पाउडर- 1/4 चम्मच
- दूध- 1 कप

गार्निशिंग के लिए

- सूखे मेवे की कतरन और चांदी का वर्क

विधि

सबसे पहले अंजीर को दूध में भिगो दें फिर मिक्सी में पीस लें। अब नॉनस्टिक पैन को गर्म करके उसमें घी गर्म करें। अंजीर वाले मिश्रण को पैन में डालकर अच्छी तरह से भून लें। मिश्रण में अब मिल्क पाउडर और चीनी मिलाएं। जब चीनी घुल जाए तो इलायची पाउडर मिलाकर गैस बंद कर दें। तैयार हलवे को सर्विंग बाउल में निकालकर उसके ऊपर बादाम की कतरन डालेंऔर ऊपर से चांदी का वर्क लगाकर अंजीर का हलवा सर्व करें ।

सूजी बर्फी

सामग्री

- तिल - 150 ग्राम
- सूजी - 180 ग्राम
- चीनी - 225 ग्राम
- घी - 125 ग्राम
- पिस्ता - 1 टेबल स्पून
- बादाम - 1 टेबल स्पून
- घी - 2 टेबल स्पून
- इलायची पाउडर - 1 छोटी चम्मच

विधि

तिल सूजी की बर्फी बनाने के लिए सबसे पहले तिल भून लीजिए। इसके लिए पैन गरम कीजिए। इसमें तिल डालकर लगातार चलाते हुए तब तक तिल को भूनिए जब उसका रंग हल्का सा बदलने लगे और वह हल्का सा फूलने लगे। भुने तिल को प्लेट में निकाल लीजिए। अब कड़ाही में घी डालकर इसमें सूजी डाल दीजिए और सूजी को लगातार चलाते हुए धीमी से मध्यम आंच पर हल्की ब्राउन होने और अच्छी महक आने तक भून लीजिए। सूजी भुन जाने पर इसे भी प्लेट में निकाल लीजिए। पिस्तों को पतला-पतला काट लीजिए और बादाम को भी बारीक काटकर तैयार कर लीजिए।

चाशनी बनाएं : पैन में चीनी और कप पानी डालकर चीनी के पानी में घुलने के बाद 1 से 2 मिनिट तक पकाएं। जब चाशनी में से तार निकलने लगे तो समझ लीजिए चाशनी बनकर के तैयार है। इलायची पाउडर और बारीक कटे हुए बादाम डालकर अच्छे से मिक्स कीजिए। एक थाली को थोड़े से घी से चिकना कीजिए। मिश्रण को थाली में डालकर फैलाइए और बारीक कटे हुए पिस्तों से इसे सजा दीजिए। बर्फी को ठंडा होने के लिए रख दीजिए। मिश्रण के जम जाने पर इसे चाकू की सहायता से अपने मनपसंद आकार के टुकड़ों में काट सर्व करें

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-5-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। शुभांक-3-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 2616

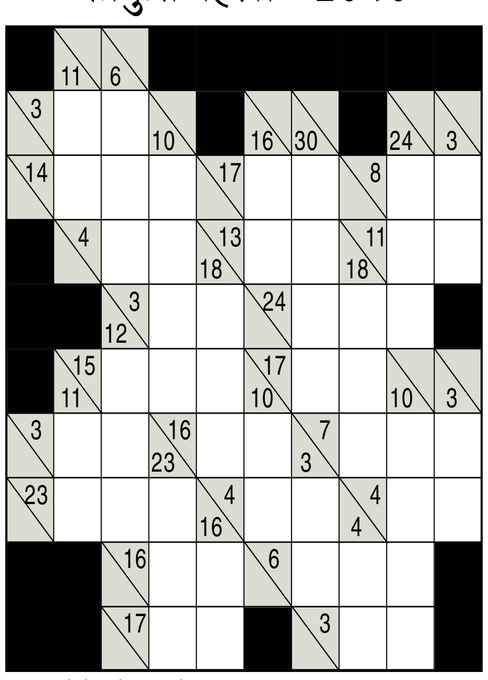

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

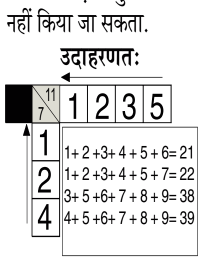

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2615 का हल

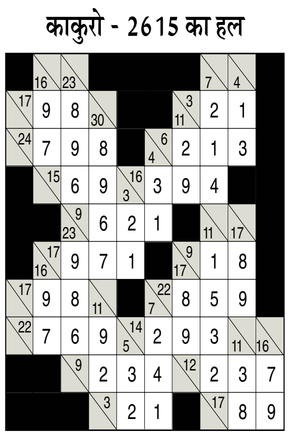

लॉफिंग ज़ोन

बड़े लंबे अरसे बाद दो पुराने पड़ोसी दोस्त मिले। एक-दूसरे का हालचाल पूछने पर मालूम हुआ कि दोनों शादी कर चुके हैं।

पहला उत्सुकतावश बोला- कैसी है तुम्हारी पत्नी?

दूसरे ने चहककर बताया- मेरी पत्नी का क्या कहना यार! वो तो स्वर्ग की अप्सरा है अप्सरा...!

पहला मायूस होकर दबे स्वर में बोला- खुशकिस्मत हो भाई! मेरी तो अभी जिंदा है....।

□ □ □

बहुत दिनों के बाद पुराने मित्रों का मिलन हुआ। रमेश ने पूछा- तुम्हारी उस प्रेमिका का क्या हुआ, जिसके तुम बहुत बड़े आशिक हुआ करते थे, उस जमाने में।

नरेश- कुछ खास नहीं! उसकी माँग इतनी बड़ी थी कि मुझे उससे रिश्ता तोड़ना पड़ा।

रमेश- अच्छा! लेकिन तुम्हारी प्रेमिका की माँग क्या थी?

नरेश- तुमसे शादी करने की।

□ □ □

एक बच्चाा तालाब में डूब रहा था। सभी देख रहे थे। किसी में हिम्मत न थी कि बच्चो को बचा लाए। तभी एक साहब ने छलांग लगा दी और बच्चो को बचा लिया। दर्शकों में से एक बोला - बडी हिम्मत की आपने ।

वह व्यक्ति बोला - हिम्मत की ऐसी-तैसी, पहले यह बताओ, मुझे धक्का किसने दिया था ?

फिल्म वर्ग पहेली- 2616

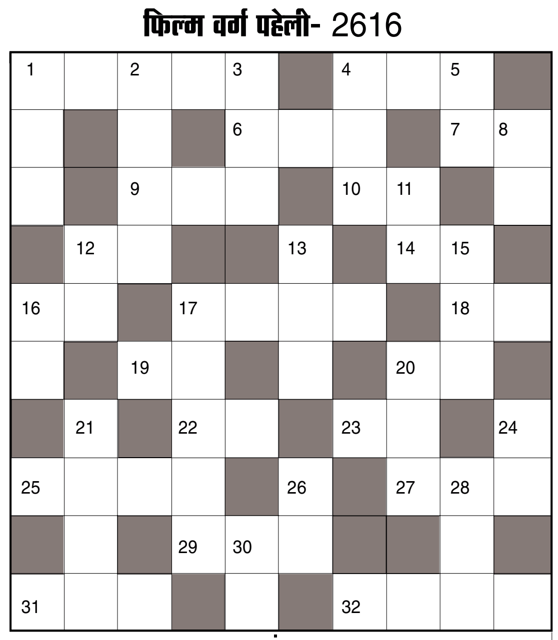

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी देओल, रवीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-३
७. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-२
९. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की' गात वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'जिंदगी के खेल में' गात वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२०. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीव, राखी की एक फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनीलदत्त, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. 'सुंदरा सुंदरा' गात वाली फिल्म-३
४. फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-२
८. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका?-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है?-२
१२. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी?-२
१७. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२० 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
३०. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-2615

सूडोकु -2616

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 2617 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली -2616

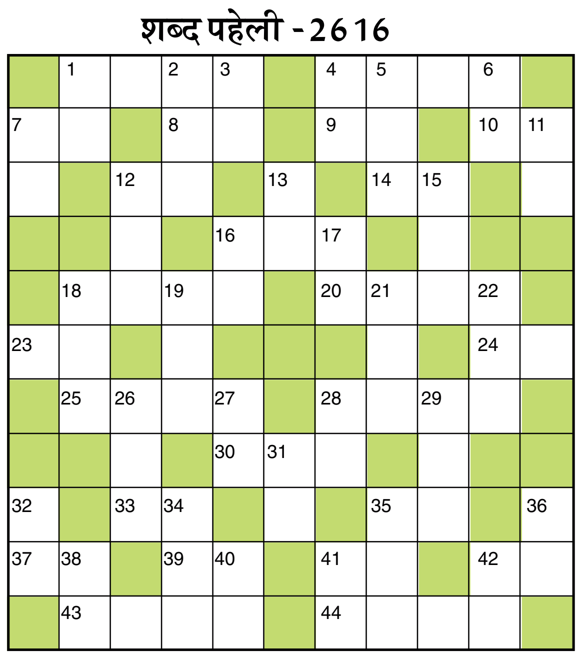

बाएँ से दाएँ

1.सुरक्षित-4
4.माहुर,आलता-4
7.कार्य,काज-2
8.रांझे की प्रेमिका-2
9.स्याही,कालिख-2
10.भूमि,धरा-2
12.ठाठ-बाट-2
14.अधर,होठ-2
16.विशाल,श्रेष्ठ-3
18.आदेश,आज्ञा-4
20.कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23.काका की पत्नी-2
24.कामदेव की पत्नी-2
25.जनवासा,हरम-4
28.हमसफर-4
30.कपड़े धोने वाला-3
33.आनंद,मौज-2
35.संदेह-2
37.सरूर,खुमार-2
39.मृत्यु का देवता-2
41.पुण्य का विलोम-2
42.परछाई,छाया-2
43.शिव,रुद्र,शंकर-4
44.सराबोर,सना हुआ-4

ऊपर से नीचे

1.समान,एक जैसा-2
2.बारीक-3
3.भीगा हुआ-2
4.मेरा (संस्कृत-2)
5.पाना,प्राप्त-3
6.घोड़ागाड़ी,गाड़ी-2
7. कहवा-2
11.उद्देश्य-2
12.गजल लिखनेवाला-3
13.उस जगह-2
15.बारिश,वर्षा-3
16.जी,चित-2
17.मर्द,आदमी-2
18.दरवेश-3
19.मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21.साजन,प्रेमी-3
22.मुलायम-3
26.कायदा,कानून-3
27.महोदय (अंग्रेजी)-2
28.अधिकार-2
29.खटखटाना-3
31.जगत,दुनिया-2
32.प्राण,जीव-2
34.स्वाद-3
35.प्रतिज्ञा-3
36.शरीर,तन-2
38.संध्या,सांझ-2
40.अपशिष्ट पदार्थ-2
41.मस्तूल,नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42.संग,संगत-2

शब्द पहेली -2615 का हल

भारत के गौरवशाली अतीत से युवाओं में राष्ट्र प्रेम का भाव बढ़ाएंगी रंग मंच व अन्य कलाएं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी
भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि रंगमंच और अन्य कलाएं युवा पीढ़ी को समृद्ध इतिहास और प्राचीन वैभव से परिचित करवाने का महत्वपूर्ण माध्यम भी है। भारत के अतीत के गौरव को जानने के बाद हमारी सीमाओं पर कभी खतरा नहीं आएगा। मनोरंजन जगत सिर्फ लोक लुभावन विषयों को उठाने का माध्यम न बनकर भारतीय संस्कृति के प्रचार का माध्यम भी बनेगा। भारत भवन, भोपाल अब राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से जुड़कर रंगमंच प्रशिक्षण का देश का उत्कृष्ट केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार देर शाम भोपाल के भारत भवन में हुए दो महत्वपूर्ण अनुबंधों के निष्पादन के अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नाटकों और फिल्मों में बड़ी ताकत है, इस नाते इन्हें सार्थक संदेश देने का जरिया बनाना चाहिए। मनोज कुमार जैसे फिल्मकारों को छोड़ दें तो एक समय राष्ट्र भक्ति पर फिल्में बनाने के लिए कोई आगे नहीं आता था। आज समाज की वास्तविक समस्याओं पर केंद्रित कश्मीर फाइल जैसी फिल्में भी बन रही हैं। युवाओं को इन फिल्मों से गौरवशाली अतीत को जानने और राष्ट्र प्रेम का भाव बढ़ाने का सुअवसर मिलता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की उपस्थिति में शनिवार देर शाम भारत भवन के अंतरंग सभागार में दो महत्वपूर्ण अनुबंध निष्पादित हुए।

राष्ट्रपति को अहमदाबाद हवाई अड्डे पर दी गई भावपूर्ण विदाई

अहमदाबाद। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु गुजरात यात्रा के दौरान गुजरात विद्यापीठ के 71वें दीक्षांत समारोह में सहभागी होकर नई दिल्ली रवाना हो गईं। राज्यपाल आचार्य देवव्रत तथा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राष्ट्रपति को अहमदाबाद हवाई अड्डे पर विदाई दी। इस अवसर प्रोटोकॉल राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, अहमदाबाद शहर की महापौर प्रतिभाबेन जैन, राज्य के मुख्य सचिव पंकज जोशी, पुलिस महानिदेशक विकास सहाय, एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी, मेजर

जनरल गौरव बग्गा, अहमदाबाद शहर पुलिस आयुक्त जी. एस. मलिक, अहमदाबाद जिला कलेक्टर सुजीत कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारियों एवं अफसरों ने भी राष्ट्रपति को भावपूर्ण विदाई दी।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में आईडी के साथ पांच नक्सली गिरफ्तार

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के बारसूर थाना क्षेत्र अंतर्गत मंगनार रोड पर नक्सलियों द्वारा लगाए गए शक्तिशाली आईईडी को सुरक्षा बलों ने समय रहते बरामद कर मौके पर निष्क्रिय कर दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह संयुक्त अभियान पुलिस थाना बारसूर, डी.आर.जी. (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व ग्रुप) और सी.आर.पी.एफ. के द्वारा चलाया गया था। अभियान के दौरान संदिग्ध गतिविधि की सूचना पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें सड़क किनारे आईईडी बरामद हुआ। बम निरोधक दस्ते ने मौके पर पहुंचकर उसे सुरक्षित रूप से निष्क्रिय किया, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरके बर्मन ने बताया कि घटनास्थल के आसपास सघन तलाशी अभियान के दौरान पांच पुरुष और एक महिला नक्सली को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस द्वारा आज (शनिवार) दी गई जानकारी के अनुसार गिरफ्तार नक्सलियों में अनिल उर्फ कचनू सलाम शामिल है, जो पुलिस-नक्सली मुठभेड़, आगजनी और आईईडी विस्फोट जैसी घटनाओं में शामिल रहा है। इसके अतिरिक्त जमुना उर्फ जयमती मंडावी, सन्नु राम कश्यप, मनीष कश्यप, हरि राम कश्यप और सुलाराम कश्यप को भी गिरफ्तार किया गया है। आरोपितों के कब्जे से 5 किलो का प्रेशर आईईडी और अन्य नक्सली सामग्री बरामद किया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में इनके नक्सल गतिविधियों से जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है।

कानून केवल नियमों का समूह नहीं, यह राज्य और उसके लोगों के बीच विश्वास का सेतु है : हिमंत बिस्व सरमा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि कानून केवल नियमों का समूह नहीं, बल्कि राज्य और उसके लोगों के बीच विश्वास का सेतु है। उन्होंने कहा कि नालसा के तत्वावधान में आयोजित यह क्षेत्रीय सम्मेलन विशेष रूप से गरीब और हाशिए पर पड़े लोगों के लिए न्याय तक बेहतर पहुंच को सुनिश्चित करेगी। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने की। आज गुवाहाटी के सोनापुर में सिक्किम, बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा सहित सात पूर्वोत्तर राज्यों के दो दिवसीय पूर्वी क्षेत्र क्षेत्रीय सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. सरमा ने कहा कि यह सम्मेलन पूर्वी और पूर्वोत्तर राज्यों की न्यायपालिका और विधिक सेवा संस्थानों के सामूहिक अनुभव और ज्ञान को एक साथ लाता है।

कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में अब पांच लाख लोग एक साथ करेंगे गीता का पाठ

एजेंसी
कोलकाता। गीता पाठ को लेकर एक बार फिर पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में विश्व रिकॉर्ड बनाने जा रहा है। इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन के तहत कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आगामी 7 दिसंबर को इस बार पांच लाख लोगों के साथ सामूहिक गीता पाठ का आयोजन करने की तैयारी है। इस संबंध में भारत सेवाश्रम संघ के श्रीनिधि सभा गृह में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में इस कार्यक्रम की जानकारी सनातन संस्कृति संसद की ओर से दी गई। पत्रकार सम्मेलन में स्वामी ज्ञानानंद महाराज, प्रदीप्तानंद महाराज और निर्गुणानंद ब्रह्मचारी उपस्थित थे।

बताया गया कि यह आयोजन 7 दिसंबर को होगा और इसके लिए प्रशासनिक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। आयोजकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, देश के सभी मुख्यमंत्रियों, और

विशेष रूप से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आमंत्रित करने की घोषणा की है। ज्ञानानंद महाराज ने कहा, भगवद गीता किसी एक धर्म या जाति के लिए नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए मार्गदर्शक है। यह शांति और सद्भावना का संदेश देती है। मानसिक क्लेश और जीवन के संघर्षों से निपटने के लिए गीता का अध्ययन आवश्यक है। इसीलिए इतनी भारी जनसमूह के बीच गीता का सामूहिक पाठ होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह आयोजन किसी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति और सामाजिक सद्भावना को मजबूत करने के लिए किया जा रहा है। कहा कि पांच लाख कंठों से गीता पाठ किसी को नीचा दिखाने के लिए नहीं, बल्कि बंगाल की गौरवपूर्ण परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए है। स्वामी जी ने बताया कि इस बार गीता पाठ के लिए समान ड्रेस कोड रखा गया है ताकि एकरूपता रहे। महिलाओं के लिए लाल किनारी वाली साड़ी और हाथ में शंख, जबकि पुरुषों के लिए धोती-पंजाबी। किसी तरह की पंजीकरण प्रक्रिया नहीं होगी और हर व्यक्ति इस आयोजन में शामिल हो सकेगा। कार्तिक महाराज ने कहा कि गीता विश्वकल्याण का मार्ग है। आज के युवा समाज में जो नैतिक और चारित्रिक पतन देखा जा रहा है, उसका समाधान गीता में ही निहित है। सभी के उद्धार का मार्ग गीता दिखाती है। उन्होंने बताया कि गीता पाठ की परंपरा नवद्वीप धाम से शुरू हुई थी और अब यह बंगाल के हर जिले तक पहुंच चुकी है। गीता की लोकप्रियता इतनी बढ़ी है कि पिछले 100 वर्षों में इतनी अधिक प्रतियां नहीं बिकीं जितनी हाल के महीनों में बिकी हैं।

बेटियां समाज की शक्ति, संस्कार और संस्कृति की जीवंत प्रतीक हैं :सत्या शर्मा

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि बेटियां समाज की शक्ति, संस्कार और संस्कृति की जीवंत प्रतीक है। सत्या शर्मा ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा है कि अंतराष्ट्रीय बालिका दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। बेटियां हमारे समाज की शक्ति, संस्कार और संस्कृति की जीवंत प्रतीक हैं। वे परिवार की उम्मीद, समाज की प्रेरणा और देश के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि उनका सम्मान, सशक्तिकरण और विकास ही सच्चे अर्थों में एक प्रगतिशील समाज की पहचान है। सबको मिलकर यह संकल्प लेना चाहिए

कि हर बालिका को शिक्षा, सुरक्षा और समान अवसर मिले, ताकि वह अपने सपनों को पूरा कर सके और देश का नाम रोशन करे। उल्लेखनीय है कि, हर साल 11 अक्टूबर को पूरी दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। यह दिन लड़कियों के अधिकारों, शिक्षा, समान अवसरों और सशक्तिकरण को समर्पित है। 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने यह दिन तय किया ताकि समाज में बालिकाओं के प्रति सकारात्मक सोच और समानता को बढ़ावा दिया जा सके।

संयुक्त राष्ट्र में सैन्य योगदान देने वाले देशों का सम्मेलन 14-16 अक्टूबर को, भारतीय सेना मेजबानी को तैयार

एजेंसी
नई दिल्ल। संयुक्त राष्ट्र में सैन्य योगदान देने वाले 32 देशों के वरिष्ठ अधिकारियों का सम्मेलन 14 से 16 अक्टूबर तक नई दिल्ली में होगा, जिसकी मेजबानी भारतीय सेना करेगी। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में अहम योगदान देने वाले देशों के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी एक साथ उपस्थित होंगे।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार विश्व भर में संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में सैनिक भेजने वाले देशों के प्रतिनिधिमंडल 13 अक्टूबर को नई दिल्ली पहुंचेंगे। यह ऐसा महत्वपूर्ण मंच है, जो परिचालन चुनौतियों, उभरते खतरों, आपसी सहभागिता, निर्णय-प्रक्रिया में समावेशिता और शांति स्थापना को बढ़ावा देने में प्रौद्योगिकी एवं प्रशिक्षण की भूमिका पर विचार-विमर्श का अवसर प्रदान करेगा। संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में सबसे ज्यादा योगदान देने वालों में से एक भारत, इस सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्देश्य परिचालन चुनौतियों, उभरते खतरों पर विचार-विमर्श करना, सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों का आदान-प्रदान करना और भविष्य

की शांति स्थापना के लिए एक साझा दृष्टिकोण विकसित करना है। यह सम्मेलन वसुधैव कुटुम्बकम (सम्पूर्ण विश्व एक परिवार है) की भारतीय दर्शन परंपरा का सशक्त प्रतीक है। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों के लिए अवर महासचिव (यूएसजी, डीपीओ) जीन पियरे लैक्रोइक्स के महत्वपूर्ण संबोधन होंगे।

पूर्ण सत्र में सम्मेलन के दौरान विशेष रक्षा प्रदर्शनियां भी आयोजित की जाएंगी। सम्मेलन में अल्जीरिया, आर्मेनिया, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भूटान, ब्राजील, बुरुंडी, कंबोडिया, मिस्र, इथियोपिया, फिजी, फ्रांस, घाना, इटली, कजाखिस्तान, केन्या, किर्गिस्तान, मेडागास्कर, मलेशिया, मंगोलिया, मोरक्को, नेपाल, नाइजीरिया, पोलैंड, रवांडा, श्रीलंका, सेनेगल, तंजानिया, थाईलैंड, युगांडा, उरुग्वे और वियतनाम के प्रमुखों की भागीदारी होगी।

मध्य प्रदेश ट्रैवल मार्ट बी-टू-बी इवेंट और प्रदर्शनी का शुभारंभ, पहुंचे देश-विदेश के टूर ऑपरेटर और होटल प्रतिनिधि

एजेंसी
भोपाल। मध्य प्रदेश ट्रैवल मार्ट बी-टू-बी इवेंट और प्रदर्शनी का रविवार को शुभारंभ हो गया। इसमें देश-विदेश के टूर ऑपरेटर और होटल प्रतिनिधि ने भागीदारी कर रहे हैं। प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने आज राजधानी भोपाल के एमवीएम ग्राउंड में मध्य प्रदेश ट्रैवल मार्ट में आयोजित बी-टू-बी (बिजनेस-टू-बिजनेस) इवेंट एवं प्रदर्शनी का औपचारिक शुभारंभ किया। इस आयोजन का उद्देश्य प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए व्यावसायिक संबंधों को सुदृढ़ करना है। साथ ही मुख्य सचिव ने मध्य प्रदेश पर्यटन के पेवेलियन और प्रदेश के ग्रामीण पर्यटन की जीवंत प्रदर्शनी विलेज वाइब्स का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रख्यात अभिनेता रघुवीर यादव और अपर मुख्य सचिव, पर्यटन एवं संस्कृति शिवशेखर शुक्ला भी उपस्थित थे। मुख्य सचिव जैन ने प्रदेश के स्थानीय ग्रामीण परिवेश को जीवंत प्रदर्शनी विलेज वाइब्स के माध्यम से प्रदर्शित करने पर प्रशंसा की। उन्होंने महिलाओं के लिए सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना के अंतर्गत प्रशिक्षित बालिकाओं से संवाद किया। साथ ही ग्रामीण किचन की प्रतिरूप मां की

रसोई, ब्लॉक प्रिंटिंग, सुविनियर शॉप, चंदेरी साड़ी वीविंग, लाइव गोंड पेंटिंग के लाइव डेमो का अवलोकन किया। मुख्य सचिव जैन का परंपरागत ढोल और बांसुरी बजाकर स्वागत किया गया। मुख्य सचिव ने बी-टू-बी इवेंट में विशेष रूप से स्थान दिए गए प्रदेश के ग्रामीण होमस्टे संचालकों से मिले। ग्रामीण परिवेश के होमस्टे संचालकों के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय टूर और ट्रैवल ऑपरेटर के साथ संवाद और बिजनेस अवसर उपलब्ध कराने की सराहना की। वनराज होमस्टे, पलाश विला पेंच, ज्यांशी होमस्टे, वेदिका हिल होमस्टे और ग्रैंड नर्मदा होमस्टे सहित विभिन्न होमस्टे संचालकों से परिचय प्राप्त किया और उनका उत्साहवर्धन किया। उनके सोविनियर उत्पाद देखे और प्रयासों की प्रशंसा की। ऑपरेटरों, होटल प्रतिनिधियों और निवेशकों से मुलाकात कर प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्हें मध्य प्रदेश ट्रैवल मार्ट में आने के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही मध्य प्रदेश में पर्यटन को बढ़ाने के लिए आग्रह भी किया।

सरकारी अस्पतालों को बेहतर बनाना प्राथमिकता, वेंटिलेटर की कोई कमी नहीं: रेखा गुप्ता

एजेंसी
नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राजधानी के सरकारी अस्पतालों को बेहतर बनाना उनकी सरकार की प्राथमिकता है। दिल्ली सरकार हर अस्पताल में दवाएं, उपकरण और सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में दवाई की 90 प्रतिशत दवाएं उपलब्ध हैं और विभिन्न असपतालों में वेंटिलेटर बेड के लिए वेंटिलेटर की भी कमी नहीं है।

मुख्यमंत्री ने अस्पतालों के चिकित्सा अधीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि उनके अस्पतालों में जो भी कमी हो, वे उसे तुरंत संज्ञान में लाएं। हम उस पर कार्यवाही करेंगे। मुख्यमंत्री ने दिल्ली स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह के साथ दिल्ली सचिवालय में सरकारी अस्पतालों के चिकित्सा अधीक्षकों के साथ एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का उद्देश्य

अस्पतालों में दवाओं, उपकरणों, स्टाफ और ढांचागत समस्याओं से संबंधित मुद्दों की विस्तृत समीक्षा करना और इसको लेकर आने वाली अड़चनों को दूर करना था। बैठक में विशेष रूप से लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के वरिष्ठ अधिकारियों को भी बुलाया गया था ताकि अस्पतालों में निर्माण, रिपेयर आदि मसलों का भी तय समय में समाधान हो सके। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सरकारी अस्पतालों को बेहतर बनाए रखने के लिए सरकार के पास बजट की कोई कमी नहीं है। आप सभी अधीक्षक अपने अस्पतालों की जरूरतें हमें बताएं, उसका प्रभावी समाधान किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अस्पताल स्टाफ को मरीजो के प्रति व्यवहार को संवेदनशील बनाना होगा, यह जरूरी है। इस व्यवहार से मरीजों का अस्पताल व डॉक्टरों के प्रति विश्वास बढ़ता है। मुख्यमंत्री का कहना था कि अस्पतालों में ÷ड्रग्स, इक्विपमेंट, स्टाफ और इंफ्रास्ट्रक्चर÷ इन चारों क्षेत्रों में से किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग व पीडब्ल्यूडी के बीच बेहतर तालमेल से निर्माण व रिपेयर से जुड़ी समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी जारी किए। उन्होंने कहा कि जिन अस्पतालों में मरम्मत, निर्माण या नवीनीकरण से जुड़े कार्य चल रहे हैं, वहां गति और गुणवत्ता दोनों सुनिश्चित की जाएं।

सिंहस्थ कुम्भ के संबंध में जूना पीठाधीश्वर से मिले उज्जैन के आयुक्त व डीएम

एजेंसी
हरिद्वार। वर्ष 2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ कुम्भ की रूपरेखा, आयोजन प्रबंधन एवं आध्यात्मिक समन्वय से जुड़े विविध विषयों पर विचार-विमर्श करने के लिए उज्जैन के वरिष्ठ अधिकारियों ने आज श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा के आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि से मुलाकात की। हरिद्धार पहुंचे सिंहस्थ कुम्भ मेलाधिकारी व उज्जैन के मण्डलायुक्त आशीष सिंह, जिलाधिकारी उज्जैन रौशन सिंह और उज्जैन विकास प्राधिकरण के सीईओ संदीप सोनी रविवार को श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा पहुंच कर आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान अधिकारियों ने स्वामी अवधेशानन्द गिरि से उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ कुम्भ को लेकर चर्चा की और मार्गदर्शन लिया। इस मौके पर स्वामी अवधेशानन्द गिरि ने सिंहस्थ जैसे विराट आयोजन को संस्कृति, साधना और समरसता के अद्भुत संगम के रूप में प्रतिष्ठित करने के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। उज्जैन के अधिकारियों ने इसके साथ ही अखाड़ा परिषद अध्यक्ष व निरंजनी अखाड़ा के महासचिव महंत रवीन्द्र पुरी और निरंजन पीठाधीश्वर स्वामी कैलाशनंद से भी भेंट कर विचार विमर्श किया।

मणिपुर में तीन उग्रवादी गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार व गोला-बारूद बरामद

एजेंसी
इंफाल। मणिपुर पुलिस एवं सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए अलग-अलग अभियानों में विभिन्न उग्रवादी संगठनों के तीन कैडरों को पिछले 24 घंटों के दौरान गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार उग्रवादियों के पास से एवं अन्य एक अभियान में भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किया गया है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा आज जारी एक बयान में बताया गया है कि सुरक्षा बलों ने थौबल जिले के याइरीपोक थानांतर्गत याइरीपोक बाजार से केसीपी (अपुनबा) के एक सक्रिय कैडर को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान थौबल जिलांतर्गत याइरीपोक लीरोंगथेल माखा लीकाई निवासी खुमानथेम नाओचा (33) के रूप में की गयी है। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा बलों ने बिष्णुपुर जिले के बिष्णुपुर थानांतर्गत बिष्णुपुर वार्ड नंबर 6 से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक सक्रिय कैडर मोइरंगथेम मोहन सिंह उर्फ परी (42) को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से एक एसएम कार्बाइन और एक मैगजीन, दो एके सीरिज के मैगजीन, 24 राउंड एके सीरिज के कारतूस, एक छद्म टी-शर्ट और एक मोबाइल और 2 सिम कार्ड बरामद किया गया है। इसी कड़ी में सुरक्षा बलों ने बिष्णुपुर जिले के मोइरांग थानांतर्गत ओम्बा हिल क्रॉसिंग

क्षेत्र से केसीपी (ताइबांगनबा) के एक सक्रिय कैडर, बिष्णुपुर जिले के चांदपुर मयाई लीकाई निवासी हेइसनम सनाथोई मैतेई उर्फ नानाओ (36) को गिरफ्तार किया। वह मोइरांग क्षेत्र में जनता से जबरन वसूली में शामिल था। उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन और एक दोपहिया वाहन जब्त किया गया। जबकि, एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के पटसोई थानांतर्गत खोंगाखुल और लोंगा कोइरेंग गांवों को जोड़ने वाले नगैरंगबाम लौकोन आईवीआर से भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किया। बरामद हथियारों में एक .303 राइफल एक मैगजीन के साथ, एक संशोधित .303 राइफल एक मैगजीन के साथ, पांच पिस्तौल एक-एक मैगजीन के साथ, पांच हेलमेट, चार बीपी वेस्ट कम मैगजीन पाउच, आठ प्लेटें जिनके बीपी के रूप में इस्तेमाल होने का संदेह है, एक बाओफेंग हैंड हेल्ड सेट अपने चार्जर के साथ, 10 जोड़ी छलावरण पैंट और संबंधित छलावरण शर्ट और चार बैग शामिल हैं।

बाबा साहब के संविधान में चोरी-छिपे डाला गया धर्म निरपेक्ष शब्द : योगी आदित्यनाथ

गाजीपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भुड़कुड़ा सिद्ध पीठ में आयोजित 'प्रबुद्धजन संवाद संगम' कार्यक्रम में कहा कि भारत की सनातन धर्म की परंपरा ने कभी भी उपासना विधि में कट्टरता नहीं दिखाई, और दुनिया आज तक धर्म और पंथ के अंतर को नहीं समझ पाई है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि बाबा साहेब के संविधान में धर्मनिरपेक्ष शब्द चोरी-छिपे डाला गया। मुख्यमंत्री ने अपने संकल्प को स्पष्ट करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश को एक विकसित राज्य बनाया जाएगा, जहां हर हाथ को काम, हर सर को छत, हर खेत में पानी, हर चेहरे पर खुशहाली और हर बेटी व व्यापारी को सुरक्षा मिले। इस विकास के माध्यम से उत्तर प्रदेश भारत की अर्थव्यवस्था का अग्रणी फोर्स बनकर नेतृत्व करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को भुड़कुड़ा सिद्ध पीठ में आयोजित 'प्रबुद्धजन संवाद संगम' कार्यक्रम में कहा कि भारत की सनातन धर्म की परंपरा ने कभी भी उपासना विधि में कट्टरता नहीं दिखाई।

मध्य प्रदेश अपने आप में है फिल्म सिटी : शिव शेखर शुक्ला

एजेंसी
भोपाल। मध्य प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के अपर मुख्य सचिव एवं एमपी टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि मध्य प्रदेश अपने आप में फिल्म सिटी है। यहां की हर लोकेशन मनभावन और शानदार है जो फिल्म की खूबसूरती को और बढ़ा देती है। मध्य प्रदेश फिल्मांकन के लिए सुरक्षित और अपने आप में शांतिप्रिय राज्य है। यहां की प्रमुख विशेषता लाइन प्रोड्यूसर है। जिन्होंने निर्माताओं और निर्देशकों के लिए फिल्मांकन आसान बना दिया है।

अपर मुख्य सचिव शुक्ला भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित तीन दिवसीय मध्य प्रदेश ट्रैवल मार्ट के दूसरे दिन रविवार को द फ्यूचर ऑफ फिल्म सेक्टर इन मध्य प्रदेश = फ्रॉम रील टू रियल ग्रोथ पर हुए पैनल डिस्कशन को संबोधित कर रहे थे। पैनल डिस्कशन में मध्य प्रदेश को वैश्विक फिल्म हब बनाने पर मंथन हुआ। इस दौरान विशेषज्ञों ने भविष्य का खाका प्रस्तुत किया।

एमपी टूरिज्म बोर्ड की अपर प्रबंध संचालक बिदिशा मुखर्जी ने कहा कि मध्य प्रदेश अब फिल्म शूटिंग के लिए पसंदीदा राज्य बन गया है। इसके तीन मुख्य कारण है। फिल्म फ्रेंडली पॉलिसी, ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस और शानदार लोकेशंस। फिल्म पर्यटन नीति में स्थानीय संस्कृति, महिलाओं पर केंद्रित, प्रदेश की स्थानीय भाषाओं में

फिल्म, स्थानीय कलाकारों को फिल्म में लेने पर आकर्षक अनुदान दिया जा रहा है। पारदर्शी और त्वरित सिंगल विंडो सिस्टम ने फिल्मांकन को आसान बनाया है। इससे कहीं अधिक तो यहां के शूटिंग फ्रेंडली लोग है जिन्होंने फिल्मांकन को घर जैसा माहौल दिया है। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता गजराज राव ने कहा कि मध्य प्रदेश में पर्यटन के अधिकारी मोटिवेटेड और ऊर्जावान है। सभी अपने कार्यों को लेकर समर्पित है। इसका सीधा असर प्रदेश में आसान शूटिंग के रूप में देखने को मिलता है। स्थानीय लोगों का प्रेमपूर्वक व्यवहार ने इसे और अधिक सुविधाजनक बना दिया है। मध्य प्रदेश में साहित्य और रंगमंच का पुराना इतिहास रहा है। मध्य प्रदेश को टैलेंट की नर्सरी कहा जा सकता है। बॉम्बे से सहयोगी कलाकार लाने की जरूरत नहीं पड़ती है। मध्य प्रदेश में स्थानीय स्तर पर ही योग्य कलाकार मौजूद है। इसे फिल्म निर्माताओं का काम सरल हो जाता है।

मध्य प्रदेश में आना मायके में आना जैसा लगता है : सुनीता राजवरप्रसिद्ध अभिनेत्री सुनीता राजवर ने कहा कि गुल्लक और पंचायत में काम करते करते वह मध्य प्रदेश की ही हो गई हैं। यहां की मिट्टी और आबोहवा में घर जैसा लगता है। मध्य प्रदेश में आना मायके में आना जैसा लगता है। एक्टर, प्रोड्यूसर, लेखक और निर्माता को अपने से बांध लेने की खूबसूरती मध्य प्रदेश में है। मध्य प्रदेश से उनका फिल्म का सफर शुरू हुआ है, वह हमेशा प्रदेश की मिट्टी की ऋणी रहेंगी। मध्य प्रदेश के कलाकार किसी भी मायने में मुंबई के कलाकार से कम नहीं है बल्कि उनसे आगे ही है और जाएंगे। प्रसिद्ध निर्देशक विशाल फुरिया ने कहा कि 2016 और 2017 में सावधान इंडिया के कुछ एपिसोड शूट करने आया था। शूटिंग के दौरान स्थानीय लोगों के व्यवहार ने दिल जीत लिया। फिर उन्होंने मुंबई वापस आकर अपने साथियों को मध्यप्रदेश में फिल्म शूटिंग के अनुभवों को बताया और मध्य प्रदेश में शूटिंग के लिए प्रेरित किया। एक स्क्रिप्ट में जितने एलिमेंट चाहिए वह सब मध्य प्रदेश में है।

मप्र के ग्वालियर में पकड़ाए आठ बांग्लादेशी, 12 साल से एयरबेस के पास से रह रहे थे

एजेंसी
ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर शहर में महाराजपुरा थाना क्षेत्र से पुलिस ने आठ बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है। यह कार्रवाई हरियाणा पुलिस के इनपुट पर की गई है। पकड़ाए लोग फिलहाल महाराजपुरा थाना पुलिस की निगरानी में हैं। ये सभी एक ही परिवार के हैं। जिस इलाके से इन्हें पकड़ा गया है, उसी इलाके में भारतीय वायु सेना का महाराजपुरा एयरबेस है। लिहाजा इनके मोबाइल से मिले नंबरों के जरिए कई अहम जानकारियां जुटाई जाएगी। खुफिया जांच एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं।बताया गया है कि पकड़े गए बांग्लादेशी लोग बिना नागरिकता के 12 साल से यहां रह रहे थे। इनके रिश्तेदार हरियाणा के पानीपत में करीब एक हफ्ते पहले पकड़े गए थे। उनसे पूछताछ के बाद मिले इनपुट पर ग्वालियर पुलिस सक्रिय हुई। हरियाणा पुलिस की एक टीम भी ग्वालियर आई है, तब इन्हें पकड़ा गया। ग्वालियर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) धर्मवीर सिंह ने बताया कि सभी को डिटेन कर लिया गया है। उनसे पूछताछ चल रही है। सभी के मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए हैं। कई संदिग्ध नंबर मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियां भी इनसे पूछताछ करेंगी, क्योंकि मामला संवेदनशील क्षेत्र से जुड़ा है। महाराजपुरा इलाके में एयरबेस, बीएसएफ, सीआरपीएफ और मिलिट्री के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। जांच पूरी होने के बाद इन्हें बांग्लादेश डिपोर्ट किया जाएगा। पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिकों में मोहम्मद शरीफ (40) पुत्र मोहम्मद, सीलिमा (25) पत्नी मोहम्मद शरीफ, रफीक (14) पुत्र मोहम्मद शरीफ, चुमकी पुत्री मोहम्मद शरीफ, अदोरी (8), आशिक (15)- मोहम्मद शरीफ का भांजा, रातुल शेख (23) पुत्र शादाक और उजा (2) पुत्र रातुल शामिल है। पुलिस की पूछताछ में पता चला है कि यह सभी बांग्लादेश के जेस्सोर शहर के रहने वाले हैं। पकड़े गए मोहम्मद शरीफ का पिता नूर सबसे पहले भारत आया था। वह ग्वालियर में रह रहा था। उसकी बावड़ी में गिरकर मौत हो गई थी। इसके बाद परिवार यहीं बस गया। मोहम्मद शरीफ ने बताया कि वह करीब 12 साल पहले बांग्लादेश से कोलकाता पहुंचा। इसके बाद ग्वालियर आकर मजदूरी करने लगा। अदोरी और उजा का जन्म ग्वालियर में ही हुआ है। सभी बांग्लादेशी महाराजपुरा में कचरा इकट्ठा कर उसे नष्ट करने की ठेकेदार का काम करते थे।

भारत/वेस्ट इंडीज दूसरे टेस्टः वेस्टइंडीज के खिलाफ सूपड़ा साफ करने से भारत 58 रन दूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे और अंतिम टेस्ट के चौथे दिन भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में 63/1 रन बनाए हैं और अब जीत से सिर्फ 58 रन दूर है। केएल राहुल 25* और साई सुदर्शन 30* रन बनाकर नाबाद हैं। वेस्ट इंडीज ने भारत को जीत के लिए 121 रन का टारगेट दिया है।

भारत ने अपनी पहली पारी 518/5 घोषित की थी और वेस्ट इंडीज ने पहली पारी में 248 रन बनाए। इसके बाद भारत ने फॉलो-ऑन देते हुए वेस्ट इंडीज को दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए भेजा। वेस्ट इंडीज ने दूसरी पारी में 390 रन बनाए, जिसमें जॉन कैम्पबेल ने 115 और शाई होप ने 103 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया।

जॉन कैम्पबेल और शाई होप ने तीसरे विकेट के लिए 177 रनों की साझेदारी कर भारत की जीत को चुनौती दी। कैम्पबेल का यह टेस्ट करियर का पहला शतक था। शाई होप ने आठ साल बाद टेस्ट क्रिकेट में शतक लगाया।

भारतीय गेंदबाजों में कुलदीप यादव ने 5 विकेट, जसप्रीत बुमराह ने 3 और मोहम्मद सिराज ने 2 विकेट लिए। रनचेज़ में भारतीय टीम की शुरुआत यशस्वी जायसवाल (8 रन) के जल्दी आउट होने से थोड़ी धीमी रही, लेकिन केएल राहुल और साई सुदर्शन ने नाबाद अर्धशतकीय साझेदारी कर भारत को जीत के करीब पहुंचा दिया।

भारत के लिए कुलदीप यादव ने 5 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा को तीन विकेट मिले। मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। उल्लेखनीय है कि भारत ने पहली पारी में यशस्वी जयसवाल (175) और कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 129) की शतकीय पारियों के दम पर पांच विकेट पर 518 के स्कोर पर पारी घोषित कर दी थी।

भारत की पहली पारीः जायसवाल और शुभमन का कमाल

पहले दिन भारत के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। सलामी जोड़ी यशस्वी जायसवाल (175) और केएल राहुल (36) ने ठोस शुरुआत दी। इसके बाद साई सुदर्शन (87) ने जायसवाल के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 193 रनों की साझेदारी की।

जायसवाल का शतक 145 गेंदों में आया, जबकि शुभमन गिल ने 196 गेंदों पर नाबाद 129 रन की पारी खेलते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

नीतीश रेड्डी (43) और ध्रुव जुरेल (44) ने भी तेज पारी खेली। भारत ने 134.2 ओवर में 518 रन बनाकर पारी घोषित की।

वेस्टइंडीज की पारीः फिरकी में फंसे बल्लेबाज

जवाब में वेस्टइंडीज की शुरुआत निराशाजनक रही। ओपनर जॉन कैम्पबेल (10) जल्दी आउट हुए। तेजनारायण चंद्रपॉल (34) और एलिक अथानाज (41) ने थोड़ी देर प्रतिरोध किया, लेकिन जडेजा ने दोनों को चलता किया।

कप्तान रोस्टन चेज़ बिना खाता खोले आउट हुए। दिन के अंत में शाई होप (31)* और टेविन इमलाच (14)* नाबाद रहे।

भारत की नजर 10वीं सीरीज जीत पर

भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली 9 टेस्ट सीरीज में एक भी हार नहीं झेली है। 2002 के बाद से कैरेबियाई टीम भारत के खिलाफ कोई टेस्ट मैच नहीं जीत पाई है। दिल्ली के इस मैदान पर जडेजा का प्रदर्शन एक बार फिर चर्चा में है – याद दिला दें, 2023 में इसी पिच पर उन्होंने एक पारी में 7 विकेट (7/42) और पूरे मैच में 10 विकेट झटके थे।

जिद ने दिलाया खिताब, कोको गॉफ ने पेगुला को हराकर जीता वुहान ओपन फाइनल

स्पोर्ट्स डेस्क। अमेरिकी स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ (Coco Gauff) ने रविवार को अपने हमवतन जेसिका पेगुला को 6-4, 7-5 से हराकर वुहान ओपन 2025 का खिताब अपने नाम किया। 21 वर्षीय गॉफ ने इस टूर्नामेंट में बिना एक भी सेट गंवाए खिताब जीता और ओपन एरा में ऐसी पहली खिलाड़ी बनीं, जिन्होंने अपने शुरुआती 9 हार्ड कोर्ट फाइनल लगातार जीते।

गॉफ ने मैच के बाद बताया कि उनकी 'ज़िद' ने उन्हें जीत दिलाई, 'मेरे कोच चाहते थे कि मैं यूएस ओपन के बाद आराम करूं, लेकिन मैं जिद्दी हूं... और मैंने उन्हें गलत साबित कर दिया!'

कोको ने कहा कि चीन आकर खेलने का उनका फैसला सही साबित हुआ, 'यह एशियन स्विंग शानदार रहा। बीजिंग में सेमीफाइनल तक पहुंची और अब यहां खिताब जीतना वाकई खास है।'

गॉफ और पेगुला कभी डबल्स पार्टनर रह चुकी हैं। इस ऑल-अमेरिकन फाइनल में गॉफ ने कई बार पिछड़ने के बावजूद वापसी की। उन्होंने लगातार 10 अंक जीतकर मुकाबले को अपने नाम किया। पेगुला ने भी गॉफ की तारीफ करते हुए कहा, 'कोको के साथ फाइनल खेलना शानदार अनुभव रहा। वह जबरदस्त फाइटर हैं।'

31 वर्षीय पेगुला ने हाल के हफ्तों में बीजिंग और वुहान दोनों जगह शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि एशियाई टूर की गर्मी और थकान के बावजूद यह उनका सबसे अच्छा फॉर्म रहा है।

गॉफ ने अब तक अपने करियर का तीसरा WTA 1000 खिताब जीता है और उनकी फॉर्म आने वाले सीज़न के लिए इंगित करती है कि वह अभी लंबी दौड़ में हैं।

लगातार दूसरी हार से निराश हरमनप्रीत बोली, हम वापसी करेंगे

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्वकप मैच में 300 से अधिक रन बनाने के बाद भी मिली हार पर निराशा जताई है। हरमनप्रीत ने साथ ही कहा कि केवल दो मैचों में मिली हार से विश्वकप अभियान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। इन दोनो ही मैचों में टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा हालांकि उसे जीत नहीं मिल पायी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में भारतीय टीम ने 330 रनों का विशाल स्कोर बनाया था पर फिर भी वह उसका बचाव नहीं कर पायी। इस मैच में भारतीय टीम को 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। हरमनप्रीत ने कहा कि दो मैचों की विफलता से कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ता है और टीम एक बार फिर जीत के साथ वापसी करेगी। हरमनप्रीत कौर ने कहा, हमारी शुरुआत जिस तरह की हुई थी, उससे हम 30 से 40 रन और बना सकते थे पर अंतिम 6 से 7 ओवरों में हमने लगातार विकेट गंवा दिये। बल्लेबाजी के लिए अच्छे विकेट का लाभ नहीं उठा पाने के कारण ऐसा हुआ। सलामी बल्लेबाजों ने काफी अच्छी शुरुआत दी थी पर बीच के ओवरों में हम उसका ठीक से इस्तेमाल नहीं कर पाये हालांकि निचले क्रम का प्रदर्शन अच्छा रहा। हरमनप्रीत ने कहा, अगले कुछ मैच बहुत अहम हैं और इस मैच से कई सकारात्मक बातें सामने आई हैं। हम बैठकर उस पर बात करेंगे। इस संयोजन से हमें पहले भी सफलता मिली है। वहीं भारतीय टीम को पिछले मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच भी भारतीय टीम जीत के करीब पहुंचकर भी हार गयी थी। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने शुरुआती विकेट काफी कम रनों पर गंवा दिये थे पर उसके बाद निचले क्रम ने उसे लक्ष्य तक पहुंचा दिया था।

मोहम्मद सिराज 2025 में टेस्ट क्रिकेट के बादशाह बने, ब्लेसिंग मुजरबानी को पछाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 2025 में टेस्ट मैचों में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज का खिताब अपने नाम कर लिया। उन्होंने यह उपलब्धि वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच के चौथे दिन हासिल की, जब उन्होंने शाई होप (103 रन) को आउट किया।

सिराज ने इस साल अब तक आठ टेस्ट मैचों में 37 विकेट झटके हैं। उन्होंने 1,575 गेंदें (262.3 ओवर) फेंकीं, जिनमें 39 मेडन ओवर शामिल रहे। उनका गेंदबाजी औसत 26.91, इकॉनमी रेट 3.79 और स्ट्राइक रेट 42.56 रहा। सिराज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 70 रन देकर 6 विकेट का है। उन्होंने दो बार चार विकेट और दो बार पाँच विकेट हासिल किए हैं।

दूसरी ओर, जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी ने नौ मैचों में 36 विकेट लिए हैं। उन्होंने 1,660 गेंदें (276.4 ओवर) फेंकीं और 28.63 की औसत से विकेट झटके। उनका इकॉनमी रेट 3.72 और स्ट्राइक रेट 46.11 रहा, जबकि सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 58 रन देकर 7 विकेट का था।

वेस्टइंडीज़ के खिलाफ दूसरे टेस्ट के चौथे दिन, मेहमान टीम ने 252/3 के स्कोर से दूसरे सत्र की शुरुआत की थी। शाई होप ने सिराज की गेंद पर चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया, लेकिन जल्द ही 103 रन पर आउट हो गए। इसके बाद कुलदीप यादव ने एक ही ओवर में दो विकेट झटके रोस्टन चेज (40) और खैरी पियरे (0)।

विंडीज की टीम 300 रन तक पहुंची, लेकिन जल्द ही वारिकन (3) और फिलिप्स (2) भी आउट हो गए। दिन के अंत में मेहमान टीम 93 ओवर में 311/9 पर संघर्ष कर रही थी, जबकि जस्टिन ग्रीव्स (5*) और जोमेल वारिकन (0*) क्रीज पर टिके रहे। सिराज के शानदार प्रदर्शन ने न केवल भारत को मज़बूत स्थिति में ला दिया है, बल्कि उन्हें 2025 का टेस्ट विकेट किंग भी बना दिया है।

जोशना चिनप्पा ने जापान ओपन का खिताब जीता

नई दिल्ली। भारत की चोटी की स्क्वाश खिलाड़ी जोशना चिनप्पा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को योकोहामा में जापान ओपन फाइनल में मिस्र की हया अली को चार गेम में हराकर अपना 11वां पीएसए टूर खिताब जीता। विश्व की पूर्व नंबर 10 भारतीय महिला खिलाड़ी ने 15,000 अमेरिकी डॉलर इनामी चैलेंजर प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में तीसरी वरीयता प्राप्त मिस्र की खिलाड़ी को 38 मिनट में 11-5, 11-9, 6-11, 11-8 से हराया। इससे पहले विश्व रैंकिंग में 117वें स्थान पर काबिज चिनप्पा ने सेमीफाइनल में मिस्र की चौथी वरीयता प्राप्त राणा इस्माइल को 11-7, 11-1, 11-5 से हराया था। इस बीच मौजूदा पुरुष राष्ट्रीय चैंपियन और दुनिया के 29वें नंबर के खिलाड़ी अभय सिंह रविवार को रेडवुड सिटी (अमेरिका) में चल रहे 130,500 डॉलर इनामी पीएसए गोल्ड इवेंट सिलिकॉन वैली ओपन के राउंड ऑफ 16 के मैच में दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी और पांचवीं वरीयता प्राप्त फ्रांस के विक्टर क्रूइन से 4-11, 2-11, 1-11 से हार गए।

पाक गेंदबाज इहसानुल्लाह का दावा, अभिषेक को 3 से 6 गेंदों में ही आउट कर दूंगा

लाहौर। एशिया कप क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से विरोधी टीम के गेंदबाजों की जमकर पिटाई करने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को पाकिस्तान के एक गेंदबाज ने चुनौती दी है। पाक गेंदबाज इहसानुल्लाह का एक वीडियो आया है। इसमें इस गेंदबाज ने कहा है कि अगर उसे अवसर मिले तो वह 3 से 6 गेंदों में ही अभिषेक को आउट कर सकता है। उसने इसके लिए अपनी योजना भी बतायी है। इहसानुल्लाह को एशिया कप में पाकिस्तान की टीम में जगह नहीं मिली थी। इस गेंदबाज ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रवेश किया है। इस गेंदबाज ने पाक के लिए एक एकदिवसीय और 4 टी20 मुकाबले खेले हैं। वहीं दूसरी ओर अभिषेक ने एशिया कप के सात मैचों में करीब 200 के करीब स्ट्राइक रेट से 314 रन बनाए हैं। उनके नाम सबसे ज्यादा छक्के का रिकार्ड भी है। वहीं पाक सुपर लीग में 152.65 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकने के लिए मशहूर हुए इहसानुल्लाह के अनुसार वह अभिषेक का विकेट ले सकते हैं। वायरल वीडियो में इहसानुल्लाह कहते नजर आ रहे हैं, 'अगर मुझे भारत के खिलाफ खेलने का मौका मिला तो मैं अभिषेक का विकेट 3 से 6 गेंदों के बीच ले लूंगा।' साथ ही कहा, 'मेरी 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार उसे 160 जैसी लगेगी। वह उनकी तेजी का अंदाजा नहीं लगा पाएगा। मैं बाएं हाथ के बल्लेबाज़ों को इनस्विंगर करता हूं, और उसे ऐसी गेंदों से परेशानी होती है। इसीलिए मैं ऐसा कह रहा हूं। मैं बाएं हाथ के बल्लेबाजों के दाएं कंधे पर अपनी बाउंसर फेंकता हूं। जिससे खेलना कठिन हो जाता है।' भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच अगला मुकाबला टी20 विश्वकप 2026 में खेला जाएगा, अब देखना होगा कि इमसें इहसानुल्लाह पाक टीम में जगह मिलती है या नहीं।

हरभजन सिंह को उम्मीद, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विराट कोहली कम से कम इतने शतक लगाएंगे

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली की ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए वनडे टीम में वापसी पर खुशी जताई और उम्मीद जताई कि 19 अक्टूबर से शुरू होने वाले तीन मैचों के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान वह कम से कम दो शतक जड़ेंगे। विराट रोहित शर्मा के साथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घर से बाहर होने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में अपनी बहुप्रतीक्षित वापसी करेंगे।

टी20 और टेस्ट मैचों से पहले ही संन्यास ले चुके विराट कोहली की वनडे क्रिकेट में वापसी किसी उत्सव से कम नहीं लग रही है, खासकर ऑस्ट्रेलिया में, जहां उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है। शुभमन गिल के नए वनडे कप्तान बनने और अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह और तिलक वर्मा जैसी कई नई प्रतिभाओं के साथ उन्हें 2027 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप की दौड़ में बने रहने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा, क्योंकि टूर्नामेंट से पहले उनकी उम्र क्रमशः 39 और 40 वर्ष होगी।

हरभजन ने कहा कि विराट उन खिलाड़ियों में से एक हैं जो बड़े मौकों पर शानदार प्रदर्शन करते हैं और यही बात उन्हें

दूसरों से अलग बनाती है। उन्होंने कहा, 'वह बड़े मौकों और दबाव वाले मैचों का इंतजार करता है और तभी वह दिखाता है कि वह चैंपियन क्यों है। जब आप सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तभी आप सम्मान अर्जित करते हैं और उसने यह सम्मान अर्जित किया है, खासकर ऑस्ट्रेलिया में शतक लगाने और टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने के बाद। यही वो चुनौतियां हैं जिनका वह बेसब्री से इंतजार करता है। ऑस्ट्रेलिया उसका पसंदीदा शिकारगाह है और अब वह आईपीएल के बाद वापसी कर रहा है। मैं उसे उन तीन वनडे मैचों में बल्लेबाजी करते देखने के लिए उत्सुक हूं और उम्मीद है कि उन तीन में से वह भारत के लिए कम से कम दो शतक लगाएगा।'

हरभजन ने विराट को फिटनेस गुरु भी कहा और आग्रह किया कि इस स्टार बल्लेबाज की फिटनेस को लेकर कोई सवाल या चिंता न उठाई जाए। उन्होंने आगे कहा, 'वह फिट हैं, शायद उनके साथ खेलने वाले कई खिलाड़ियों से ज़्यादा फिट। आज के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वह यकीनन सबसे फिट खिलाड़ी हैं। अब मैं विराट को फिर से खेलते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं। प्रशंसकों ने उन्हें देखना मिस किया है, और निजी तौर पर मैं उन्हें कुछ और समय तक वनडे इंटरनेशनल फॉर्मेट में खेलते देखना पसंद करूंगा क्योंकि उनमें अभी भी बहुत कुछ है। जब उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया, तो मुझे सचमुच लगा कि उनमें अभी भी 4-5 साल बाकी हैं, न सिर्फ खेलने के लिए बल्कि दबदबा बनाने के लिए भी, क्योंकि वह उस तरह के बल्लेबाज हैं।'

इस स्पिनर ने विश्वास जताया कि विराट ऑस्ट्रेलिया में एक बार फिर अपनी ÷दमदार÷ दिखाएंगे। उन्होंने कहा, 'हमने उन्हें पहले भी उन परिस्थितियों में ढेरों रन बनाते देखा है, और मुझे विश्वास है कि वह फिर से ऐसा करेंगे। रोहित के लिए भी यही बात लागू होती है, मैं इन दोनों दिग्गजों को भारत के लिए बड़े स्कोर बनाते और टीम को मैच जिताने में मदद करते देखने के लिए उत्सुक हूं।'

विराट का रिकॉर्ड

विराट वनडे में भारत के दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं जिन्होंने 302 मैचों और 290 पारियों में 57.88 की औसत और 93 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 14,181 रन बनाए हैं, जिसमें 51 शतक और 74 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 183 है। इस साल सात वनडे मैचों में, इस सुपरस्टार ने सात पारियों में 45.83 की औसत से 275 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 100* है।

विराट का ऑस्ट्रेलियाई खेल परिस्थितियों से भी पुराना नाता है। उन्होंने 29 वनडे मैचों में 51.03 की औसत और 89 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 1,327 रन बनाए हैं, जिसमें 29 पारियों में 5 शतक और 6 अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 133* है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी आखिरी पांच पारियां 54, 56, 85, 54 और 84 हैं। ऑस्ट्रेलिया में उनकी आखिरी पांच पारियां 104, 46, 21, 89 और 63 हैं।

डेनमार्क ओपन में लक्ष्य सेन, चिराग-सात्विक की जोड़ी करेगी भारतीय चुनौती की अगुवाई

नई दिल्ली। लक्ष्य सेन और देश की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी मंगलवार से शुरू हो रहे डेनमार्क ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगे। लक्ष्य सेन ने पिछले साल पेरिस 2024 में सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। उसके बाद से वह सीजन अब तक 10 बार पहले दौर से बाहर हो चुके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले महीने हांगकांग ओपन में रहा, जहां वे उपविजेता रहे। पुरुष एकल वर्ग में सेन के साथ आयुष शेट्टी भी होंगे। इस साल की शुरुआत में आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन 2025 में पुरुष एकल स्पर्धा का खिताब जीता था। पुरुष युगल ड्रॉ में छठी वरीयता प्राप्त चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी पिछले महीने हांगकांग ओपन और चाइना मास्टर्स में लगातार उपविजेता रहने के बाद अपने हालिया प्रदर्शन को और बेहतर करने के लिए उत्सुक होंगे। साई प्रतीक के और पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय ड्रॉ में शामिल अन्य भारतीय पुरुष युगल जोड़ी हैं। अनमोल खरब महिला एकल वर्ग में भारत की एकमात्र खिलाड़ी हैं और पिछले हफ्ते आकर्टिक ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचने के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ होगा। मिश्रित युगल में भारत की चुनौती का नेतृत्व ओलंपियन तनिषा क्रैस्टो और ध्रुव कपिला करेंगे। महिला युगल में भारत के लिए कविप्रिया सेल्वम-सिमरन सिंघी और रुतपर्णा पांडा-श्वेतापर्णा पांडा की जोड़ी मैदान में उतरेगी।

इसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है, अपने पहले टेस्ट शतक के बाद बोले कैंपबेल

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल सोमवार को यहां अपना पहला टेस्ट शतक लगाने के बाद भावुक हो गए और कहा कि समझदारी से शॉट चयन करना उनके लिए कारगर रहा। फॉलोऑन खेलने के बाद कैंपबेल (155 रन, 199 गेंद में) और शाई होप (103 रन, 214 गेंद में) ने तीसरे विकेट के लिए 177 रन की साझेदारी की जिससे वेस्टइंडीज ने शानदार वापसी करते हुए मैच को पांचवें दिन तक खिंचने में सफल रहे। कैंपबेल ने कहा, 'इस पारी में मेरा शॉट चयन काफी सधा हुआ था। मुझे स्वीप खेलने में हमेशा से मजा आता है। शुक्र है, यह मेरे लिए कारगर रहा।' वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में 390 रन बनाये और भारत को 121 रनों का लक्ष्य दिया। स्टंप्स के समय भारत 2-0 की क्लीन स्वीप से 58 रन दूर था। कैम्पबेल इस तरह 23 साल बाद भारत में टेस्ट शतक बनाने वाले वेस्टइंडीज के पहले सलामी बल्लेबाज बन गये। उनसे पहले वेवेल हाइंड्स ने 2002 में ईडन गार्डन्स में शतक बनाया था। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने रविंद्र जडेजा की गेंद पर लांग ऑन पर छक्का लगाकर अपना शतक पूरा किया। उन्होंने छक्का लगाकर शतक पूरा करने के बारे में पूछ जाने पर कहा, 'इस गेंद से पहले मैंने देखा कि जडेजा मिड-ऑन के क्षेत्ररक्षक को करीब बुला रहे है। ऐसे में मैंने क्षेत्ररक्षक के ऊपर से शॉट खेलने का मन बनाया।' उन्होंने कहा, 'मैं दूसरी पारी में टीम के लिए योगदान देखकर खुश हूं।'

पाकिस्तान की हॉकी खिलाड़ियों को सलाह, भारतीय खिलाड़ियों के साथ टकराव से बचें

लाहौर। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (PHF) ने अपनी राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों को सलाह दी है कि वे मैदान पर भारतीय खिलाड़ियों के साथ किसी भी तरह के टकराव से बचें और मंगलवार को मलेशिया के जोहर बाहरू में सुल्तान जोहोर कप मैच के दौरान सिर्फ अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करें। पहलगाम में आतंकी हमले के मद्देनजर भारतीय क्रिकेट टीम ने हाल ही में संपन्न एशिया कप के मैचों के दौरान पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था, जिसमें फाइनल भी शामिल था। इससे विवाद पैदा हो गया था और पाकिस्तान ने एशियाई क्रिकेट परिषद और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) में विरोध दर्ज कराया था। पूरी संभावना है कि भारतीय जूनियर हॉकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ मंगलवार को होने वाले मैच में अपनी क्रिकेट टीम की तरह ही रवैया अपनाएगी। क्वास्त्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों को भारतीय टीम की हाथ न मिलाने की नीति के लिए मानसिक रूप से तैयार रहने को कहा गया है। उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों से कहा गया है कि अगर भारतीय खिलाड़ी मैच से पहले या बाद में हाथ नहीं मिलाते हैं तो उन्हें अनदेखा कर देना चाहिए और आगे बढ़ जाना चाहिए। उन्हें खेल के दौरान किसी भी तरह के भावनात्मक टकराव से बचने के लिए भी कहा गया है।' पाकिस्तान ने अगस्त में बिहार के राजगीर में आयोजित पुरुष एशिया कप के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजी थी। अधिकारी ने कहा कि उन्होंने खिलाड़ियों से कहा है कि वे सिर्फ अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करें।

विराट के बाद बाबर? टेस्ट क्रिकेट से बाहर होने की कगार पर पाकिस्तानी स्टार, पूर्व कप्तान ने उठाए सवाल

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज़ बाबर आज़म एक बार फिर आलोचनाओं के घेरे में हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में 43 गेंदों पर सिर्फ 28 रन बनाने के बाद पूर्व कप्तान पर सवाल उठने लगे हैं। तीन साल से घरेलू मैदान पर अर्धशतक न बनाने वाले बाबर की फॉर्म को लेकर अब यह चर्चा तेज है कि क्या वह भी विराट कोहली की तरह टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने की राह पर हैं।

सलमान बट का तंज- 'बाबर घरेलू क्रिकेट से ऊपर नहीं हैं'

पूर्व पाकिस्तानी कप्तान सलमान बट ने अपने यूट्यूब चैनल पर बाबर आज़म की आलोचना करते हुए कहा कि खराब फॉर्म के बावजूद उन्होंने घरेलू लाल गेंद क्रिकेट खेलने से परहेज़ किया, जो उनकी गिरती फॉर्म की बड़ी वजह है। बट ने कहा, 'बाबर प्रथम श्रेणी मैच भी नहीं खेलना चाहता। यह बेरुखी साफ दिखाई दी। जो खिलाड़ी खेले, उन्होंने रन बनाए तो बाबर क्यों नहीं खेला? पहले ओवर में ही वह बहुत कमजोर लग रहे थे। हां, वह बड़ा खिलाड़ी है, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता आपको घरेलू क्रिकेट खेलना ही होगा। आप इससे ऊपर नहीं हैं।'

34 महीने से अर्धशतक का सूखा

बाबर आज़म का आखिरी टेस्ट शतक और अर्धशतक 2022 में आया था। तब से अब तक, उन्होंने 2024 में सिर्फ एक और 2025 में दो अर्धशतक लगाए हैं। लगातार नाकामी के चलते उनकी टीम में जगह पर भी सवाल उठ रहे हैं।

कोहली से तुलना- क्या बाबर भी वही रास्ता अपनाएंगे?

सलमान बट की टिप्पणी के बाद कई फैंस और विश्लेषक बाबर की तुलना विराट कोहली से करने लगे हैं। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया में लगातार असफलता के बाद जनवरी 2025 में टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास लेकर सबको चौंका दिया था। दिलचस्प बात यह है कि कोहली ने अपने रिटायरमेंट से ठीक पहले दिल्ली के लिए एक घरेलू मैच खेला था जो बाबर नहीं कर रहे।

क्या बाबर का टेस्ट करियर भी ढलान पर है?

बाबर की फॉर्म और रवैये पर उठ रहे सवालों ने यह चर्चा तेज़ कर दी है कि क्या पाकिस्तान चयन समिति जल्द ही उन्हें टेस्ट टीम से बाहर कर सकती है। उनके प्रदर्शन में लगातार गिरावट और घरेलू क्रिकेट से दूरी यह संकेत देती है कि बाबर का टेस्ट करियर अब निर्णायक मोड़ पर है।

रॉकेटशिप में परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही हैं ईशा कोप्पिकर

ईशा कोप्पिकर की अगली फिल्म, रॉकेटशिप, का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आखिरकार लॉन्च हो गया है, जो दर्शकों को एक भावनात्मक रूप से भरपूर सिनेमाई अनुभव की पहली झलक देता है। निर्माता हरमन राय सहगल ने सोशल मीडिया पर ट्रेलर को एक भावुक कैप्शन के साथ साझा किया है जो फिल्म के सार को बखूबी दर्शाता है- हर सपने को चाहिए एक सहारा, हर सफर को चाहिए प्यार। व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल की इस प्रस्तुति में ईशा कोप्पिकर एक ऐसे किरदार के साथ पर्दे पर वापसी कर रही हैं। जिसमें वे एक ऐसी भूमिका निभा रही हैं जो अपनी बेटी के सपनों को साकार करने में समर्थन करने वाली एक माँ के रूप में उनके अभिनय कौशल को दर्शाता है। ईशा कोप्पिकर, जिन्होंने सालों से अपनी खूबसूरती, शालीनता और अभिनय प्रतिभा से दर्शकों के दिलों पर राज किया है, अब रॉकेटशिप में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही हैं जो दर्शकों के दिल को छूने और भावनाओं की गहराइयों में ले जाने का वादा करती है। यह प्रोजेक्ट खास इसलिए भी है क्योंकि यह अनुभवी प्रतिभाओं और उभरते हुए फिल्म निर्माताओं — खासकर सुभाष घई की प्रतिष्ठित व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल अकादमी के छात्रों — के बीच एक सुंदर सहयोग का प्रतीक है। ईशा का इस डिप्लोमा प्रोजेक्ट में हिस्सा लेने का फ़ैसला इस बात को दर्शाता है कि वह नए टैलेंट को बढ़ावा देने के लिए कितनी प्रतिबद्ध हैं, और किस तरह वो इन छात्रों की संघर्षपूर्ण यात्रा से खुद को जुड़ा हुआ महसूस करती हैं। रॉकेटशिप का ट्रेलर सोशल मीडिया पर आते ही खूब चर्चा बटोर रहा है। दर्शक इसके संवेदनशील विषयवस्तु और ईशा की दमदार भूमिका की जमकर सराहना कर रहे हैं।

मेरे पुराने दोस्त की तरह है मिर्जापुर में गोलू का किरदार

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने हाल ही में बनारस में मिर्जापुर फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म में श्वेता फिर से अपने लोकप्रिय किरदार गजगमिनी गोलू गुप्ता के रूप में नजर आएंगी। इंटरव्यू में श्वेता ने अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की। श्वेता ने कहा, गोलू का किरदार निभाना मेरे लिए किसी पुराने दोस्त से मिलने जैसा है। एक ऐसा दोस्त, जो मेरे जीवन के उतार-चढ़ाव और बदलावों का साक्षी रहा है। बनारस की खासियत है कि यहां की हर कहानी और भी ज्यादा जीवंत लगती है। श्वेता के लिए बनारस वापसी एक खास एहसास लेकर आई है। उन्होंने बताया कि इस शहर ने उनके एक्टिंग करियर में कई महत्वपूर्ण पल देखे हैं। उनकी पहली बड़ी फिल्म मसान से लेकर मिर्जापुर सीरीज तक, बनारस उनके सफर का अहम हिस्सा रही है। उन्होंने कहा, अब जब मैं इस शहर में मिर्जापुर की शूटिंग कर रही हूं, तो यह मेरे लिए सफर का पूरा होना जैसा है। अपने किरदार के बारे में श्वेता ने कहा, गोलू का किरदार बदल चुका है और वह खुद भी बदली हैं, लेकिन उसके अंदर का जोश और आग अब भी वही बनी हुई है। मैं दर्शकों को इस किरदार से मिलवाने के लिए बेहद उत्साहित हूं। बता दें कि मिर्जापुर भारत की सबसे लोकप्रिय क्राइम-थ्रिलर सीरीज में से एक है। इसकी कहानी अखंडानंद कालीन त्रिपाठी नाम के एक अपराधी और व्यवसायी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो मिर्जापुर जिले का बेताज बादशाह माना जाता है। पहले सीजन में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा, विक्रांत मैसी, श्वेता त्रिपाठी, श्रिया पिलगांवकर, रसिका दुग्गल, हर्षिता गौर और कुलभूषण खरबंदा जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में थे। दूसरे सीजन में ज्यादातर कलाकार वापस आए, लेकिन विक्रांत मैसी और श्रिया पिलगांवकर की जगह कुछ नए कलाकार देखे गए, जिनमें विजय वर्मा, ईशा तलवार, लिलिपुट, अंजुम शर्मा, प्रियांशु पेन्युली, अनंगशा बिस्वास, और नेहा सरगम शामिल हैं।

वरुण की है जवानी तो... में दिखेगा लव ट्राएंगल

पूजा हेगड़े के अलावा मौनी रॉय और मृणाल ठाकुर भी आएंगी नजर

वरुण धवन जल्द ही पिता डेविड धवन की नई कॉमेडी फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में दिखाई देंगे। यह फिल्म डेविड के पुराने सिग्नेचर कॉमेडी स्टाइल की वापसी मानी जा रही है। वरुण के साथ पूजा हेगड़े इस फिल्म की लीड हीरोइन हैं, जबकि फिल्म में दो नायिकाओं के बीच का त्रिकोणीय रोमांस और झूठ-फरेब भरी चीटिंग कहानी का मुख्य आकर्षण होगा। फिल्म में मौनी राय और मृणाल ठाकुर भी हैं। वरुण की हाल ही में जाह्नवी कपूर के साथ रिलीज हुई सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के बाद यह उनकी लगातार दूसरी हल्की-फुल्की रोमांटिक कॉमेडी है। राकेश बेदी, जिमी शेरगिल और चंकी पांडे जैसे मंझे हुए कलाकार भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म की शूटिंग आधी भारत और आधी लंदन में हुई है

राकेश बेदी ने से खास बातचीत में फिल्म को लेकर बताया कि... यह फिल्म लाफ्टर-राइड वाली है। वरुण का किरदार एक हीरोइन से भी झूठ बोलेगा और दूसरी से भी। अब सोच लीजिए फिर पकड़े जाने और निकल जाने का खेल कितनी कॉमेडी पैदा करेगा। फिल्म आधी भारत और आधी लंदन में शूट हुई है, इसलिए इसकी दुनिया भी अलग तरह का रंग-ढंग लेकर आएगी। आमतौर पर वरुण को सेट पर बड़ा मस्तीखोर माना जाता है लेकिन पिता डेविड के सामने उनकी यह मस्ती पूरी तरह कंट्रोल हो जाती है। डेविड किसी को नहीं बख्शते, चाहे वह वरुण ही क्यों न हों। अगर वह लेट होते हैं, तो सबके सामने डांट पड़ती है।

कृति शेट्टी ने अब्दी-अब्दी के लिए सीखा बेली डांस

अभिनेत्री कृति शेट्टी बहुत जल्द दक्षिण भारतीय फिल्मों के अभिनेता के साथ फिल्म जीनी में दिखाई देंगी। इसका गाना अब्दी अब्दी बहुत जल्द रिलीज होगा। इस गाने के लिए खासतौर पर उन्होंने बेली डांस सीखा। कृति शेट्टी ने बताया कि इस गाने की तैयारी के लिए उन्हें अपने बिजी शेड्यूल से वक्त निकालना काफी मुश्किल रहा, फिर भी वह इसकी प्रैक्टिस के लिए जाती थीं। इस गाने में कल्याणी भी हैं, दोनों फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। गाने के रिलीज होने से पहले इनका बेली डांस करते हुए एक वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस गाने के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा, जब मुझे फिल्म में बेली डांस के बारे में पता चला, तो मैं बेहद खुश हुई, क्योंकि जैसा कि हम जानते हैं, जीनी एक मध्य पूर्व का विचार है, जो अरेबियन नाइट्स की कहानियों में देखा गया है। इसलिए फिल्म में बेली डांस का होना पूरी तरह से फिट बैठता है। यह मुझे बेली डांस की दुनिया तक ले गया, और मैं व्यक्तिगत रूप से बहुत उत्साहित थी, क्योंकि मुझे डांस करना पसंद है और इसने मुझे एक नया डांस फॉर्म सीखने का शानदार मौका दिया। उन्होंने बताया, मेरे लिए यह सीखना थोड़ा मुश्किल हो गया क्योंकि मैं चेन्नई में अपनी तीन तमिल फिल्मों की लगातार शूटिंग कर रही थी। मुझे अभ्यास करने का मौका केवल तभी मिलता था जब मैं मुंबई वापस आती थी और डांस क्लासेज में जाकर इसे सीखती थी। मैं वास्तव में वहां कुछ घंटे बिताती थी और इसमें काफी समय लगता था। खैर, मुझे नई चीजें सीखना बहुत पसंद है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत मजेदार था। कृति ने यह भी बताया कि बेली डांस सीखना कोई आसान काम नहीं था, लेकिन पूरी लगन के साथ इसकी तैया में उन्होंने खुद को झोंक दिया। इस दौरान कमर को एक विशेष प्रकार से मूव करना सबसे कठिन रहा। बताया जा रहा है कि इस गाने में बेमिसाल कोरियोग्राफी, शानदार दृश्य और एक आकर्षक धुन है।

शूजित सरकार ने दीपिका के आठ घंटे शिफ्ट के मुद्दे पर दी प्रतिक्रिया

पिछले कुछ वक्त से अभिनेत्री दीपिका पादुकोण अपने आठ घंटे काम करने की शर्त को लेकर चर्चाओं में बनी हैं। कथित तौर पर दीपिका के संदीप रेड्डी वांगा की 'स्पिरिट' से बाहर होने की वजह भी उनके आठ घंटे शिफ्ट की मांग थी। इसके बाद पिछले दिनों दीपिका 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल से भी बाहर हो गईं। इसके पीछे भी मेकर्स ने काम के प्रति प्रतिबद्धता को ही जिम्मेदार बताया था। अब दीपिका के प्रोशेनलिज्म और आठ घंटे की शिफ्ट पर निर्देशक शूजित सरकार ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। दीपिका के साथ 'पीकू' में काम कर चुके शूजित ने अभिनेत्री का समर्थन किया है।

शूजित ने किया दीपिका का समर्थन

डीएनए के साथ बातचीत में शूजित सरकार ने दीपिका के दो बड़ी पैन इंडिया फिल्मों से बाहर होने पर कहा कि मैं हर व्यक्ति के व्यक्तिगत फैसलों का सम्मान करता हूं। वे क्या करते हैं, इसके लिए वो स्वतंत्र हैं।। मुझे नहीं पता कि पूरी कहानी क्या है। हालांकि, दीपिका के आठ घंटों की शिफ्ट को लेकर निर्देशक ने कहा कि कोई बात नहीं। हमें हर व्यक्ति की सीमाओं का सम्मान करना चाहिए। इसलिए उसकी पूरी इज्जत करनी चाहिए। मैं ऐसा ही करता हूं। दीपिका के प्रोफेशनलिज्म पर बात करते हुए शूजित ने कहा कि एक पेशेवर कलाकार के रूप में वह शानदार हैं। वह बहुत ही प्रतिभाशाली हैं।

'पीकू' में शूजित सरकार के साथ दीपिका ने किया काम

दीपिका पादुकोण ने शूजित सरकार के साथ साल 2015 में आई फिल्म 'पीकू' में काम किया था। इस फिल्म का निर्देशन शूजित सरकार ने ही किया था। फिल्म में दीपिका के साथ अमिताभ बच्चन और इरफान खान सरीखे कलाकार भी प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी और क्रिटिक्स ने भी फिल्म को सराहा था।

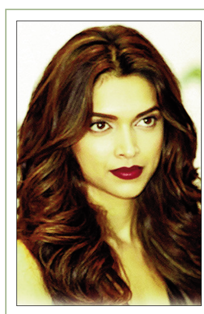

अल्लू अर्जुन और शाहरुख के साथ नजर आएंगी दीपिका

वर्कफ्रंट की बात करें तो 'स्पिरिट' और 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल से बाहर होने के बावजूद दीपिका की पाइपलाइन में कई फिल्में हैं। इन दिनों दीपिका शाहरुख खान के साथ फिल्म 'किंग' की शूटिंग कर रही हैं। इसके अलावा वो एटली और अल्लू अर्जुन की बड़े बजट की फिल्म में भी नजर आएंगी।

ग्लोबल स्टेज पर अच्छा काम करना जरूरी है

दुनिया भर के प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल से लेकर ऑस्कर की ऑफिशियल एंट्री तक अपने अभिनय की गूंज पहुंचाने वाले एक्टर ईशान खट्टर ने अपने करियर का आगाज भले सिनेमा के जीनियस कहलाने वाले अनुराग कश्यप सरीखे फिल्मकार के असिस्टेंट के रूप में किया हो, मगर उनकी मंजिल हमेशा से एक्टिंग ही थी। यही वजह है, चाहे वो माजिद मजीदी की बियॉन्ड द क्लाउड्स रही हो या फिर धड़क, ईशान ने अपना सिक्का जमाया। इंटरनैशनल वेब सीरीज परफैक्ट कपल में भी वे एक अहम रोल में पसंद किए गए।

ईशान खट्टर की शुरुआती फिल्म बियॉन्ड द क्लाउड्स ईरानी फिल्मकार द्वारा निर्देशित थी, जिसे कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल्स में सराहना मिली थी। होमबाउंड की विश्व विख्यात ख्याति के साथ-साथ उन्होंने इंटरनैशनल वेब सीरीज में भी लोकप्रियता पाई। ग्लोबल स्टेज पर अपने अपने प्रतिनिधित्व के बारे में वे वे कहते हैं, मैं खुद को बहुत ही खुशकिस्मत मानता हूं। हॉलिवुड के इस शो में मेरी केंद्रीय भूमिका थी। जब मुझे इस शो के ऑडिशन का मौका मिला था, तब अपनी भूमिका को पढ़कर मैं भी बहुत खुश था, क्योंकि आम तौर पर हॉलिवुड में साउथ एशियन एक्टर्स को एक ही तरह की भूमिकाएं देकर टाइपकास्ट कर दिया जाता है साउथ एशियन एक्टर्स के प्रति एक आम नजरिया क्या होता है, मगर जब यह शो आया और इसमें मेरे किरदार को सराहना मिली, तब अहसास हुआ कि री प्रेजेंटेशन कितना जरूरी है।

मैंने और विशाल ने अपनी असुरक्षाएं खोल कर रख दीं

होमबाउंड में ईशान की भूमिका मोहम्मद शोएब अली को देखने के बाद दर्शक स्वयं अपने भीतर टूट-फूट महसूस करने लगता है। अपने मानसिक हाल पर ईशान कहते हैं, कुछ फिल्में फिल्मों से बढ़कर होती हैं। निर्देशक नीरज घेवान ने पहले ही साफ कर दिया था कि हम ये रोल निभाएं नहीं बल्कि उसे जिएं। किरदार को जीने के लिए उसकी तह में जाना जरूरी था और इसके लिए ये समझना भी भी आवश्यक था कि हमारी जिंदगी में आइडेंटिटी का मोल क्या है? जातिगत भेदभाव क्या है? इस किरदार के लिए हमारा एंट्री पॉइंट जुबान थी। जुबान हमारा कल्चर होता है। हमने तीन महीने डायलेक पर काम किया। हमने बाराबंकी के लिए एक ट्रिप ली। हमने वहां गांव के लोगों से मिलकर उनके सुख-दुख जाने। इसमें दोनों दोस्तों शोएब और चंदन (विशाल जेठवा) की दोस्ती केंद्र में है, तो हम एक -दूसरे के सामने वल्नरेबल बने, हमने अपनी असुरक्षाएं खोल कर रख दीं। वो रोल के लिए एक बड़ा हथियार साबित हुआ।

अपनी डायवर्सिटी को खोना नहीं है

फिल्म में ईशान खट्टर का किरदार शोएब जातिगत भेदभाव का शिकार होता है। असल जिंदगी में ईशान गंगा-जमुनी तहजीब से ताल्लुक रखते हैं (उनकी मां नीलिमा अजीम और पिता राजेश खट्टर) हैं, तो क्या कभी निजी जिंदगी में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उन्होंने उस डिस्क्रिमिनेशन का सामना किया? इस पर ईशान कहते हैं, मेरे लिए गंगा-जमुनी तहजीब बहुत बड़ी चीज है। मैंने हमेशा इस बात पर बहुत गर्व किया है कि हम डायवर्सिटी से आते हैं। ये हमारे लिए बहुत खूबसूरत चीज है। हमें वो चीज खोनी नहीं चाहिए, क्योंकि वो हमारी ताकत है।

भाई शाहिद कपूर से तुलना किए जाने पर मुझे ऐतराज नहीं

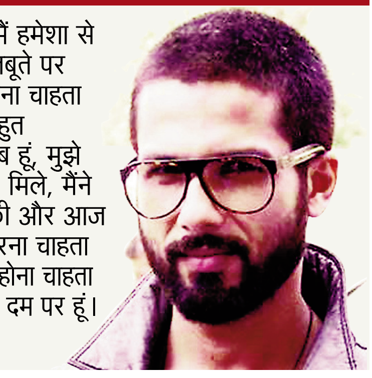

फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखने और शाहिद कपूर जैसे स्टार के भाई होने के नाते आरंभिक दिनों में ईशान को तुलना का शिकार होना पड़ता था। तो क्या अब विश्व पटल पर आने के बाद कंपेरिजन बंद हो गया है? इस सवाल पर वे कहते हैं, मैंने इस बात से कभी कोई ऐतराज नहीं किया है। वो मेरे बड़े भाई हैं और मुझसे 15 साल बड़े हैं, मैं उन्हें देख कर बड़ा हुआ हूं और मैंने उन्हीं से प्रेरणा ली है।
मुझे इस बात से कोई आपत्ति नहीं कि हमारी तुलना होती है। वो तो होगी ही. मुझे अपनी सचाई पता है। मैं हमेशा से अपने बलबूते पर काम करना चाहता था। मैं बहुत खुशनसीब हूं, मुझे ऐसे मौके मिले, मैंने मेहनत की और आज मैं जो करना चाहता था, जहां होना चाहता था, अपने दम पर हूं।

बाथ टब में नहाओ

जब बच्चे बाथ टब में नहाते हैं तो सभी को अच्छा लगता है। आप भी अपने बच्चों को बाथ टब में नहलाइये फिर देखिए कितना आनंद आता है।

बच्चों को अगर पानी मिल जाए तो बात ही क्या है। ऐसा कोई बच्चा नहीं होता जिसे पानी में छई-छप-छई करना अच्छा नहीं लगता। समय के अभाव में हम सभी को रोज-रोज बच्चों को वॉटर पार्क ले जाने का भी समय नहीं निकलता। ऐसे में बच्चों के फेवरेट कार्टून कैरेक्टर में अगर पानी के बड़े-बड़े टब मिल जाएं तो क्या कहने। इससे खेलने का खेलना भी हो जाता है और बाहर भी नहीं निकलना पड़ता। यह बाथिंग टब आपको कहीं भी मिल जाएंगे। इन दिनों बच्चों के रंगीन बाथिंग टब को आप सड़क किनारे कहीं भी देख सकते हैं। इन रंगीन टब को देखते ही बच्चों के चेहरे खिल जाते हैं।

बाथ टब के फायदे

बाथ टब में नहाने से एक तो बच्चों को पानी में छपा-छई करने का मौका मिलता है वहीं दूसरी ओर अपने फेवरेट कार्टून केरेक्टर के साथ खेलने का भी। एक तरह से यह मिनी स्विमिंग पुल होता है। बाथ टब में नहाकर छोटे बच्चे घर में ही वॉटरपार्क का लुत्फ उठा सकते हैं। बाजार में आपको बाथ टब 400 रुपए के शुरुआती दाम से 1500 रुपए तक की कीमत में आसानी से मिल जाएगा। घर में यह टब होने से आपके बच्चे मनभर कर पानी खेल सकते हैं। इन टब को आप अपने घर के स्पेस के अनुसार खरीद सकते हैं। साथ ही फोल्डेबल होने पर इन्हें आप उठा कर रख भी सकते हैं।

क्या आप जानते हैं?

मधुमक्खी के एक छत्ते में 20,000 से 80,000 तक मधुमक्खियां हो सकती हैं।

चंदबरदाई को हिन्दी का पहला कवि और उनकी रचना पृथ्वीराज रासो को हिन्दी की पहली रचना होने का गौरव प्राप्त है।

दुनिया में चीनी का वार्षिक उत्पादन 13.4 मीट्रिक टन होता है जब कि नमक का 21 करोड़ टन, यानी चीनी से डेढ़ गुना ज्यादा।

नील नदी की लंबाई (650 किलोमीटर) पृथ्वी की त्रिज्या (6400 किलोमीटर) से भी अधिक है। अभी नए अनुसंधानों से पता लगा है कि आमेजन इससे भी ज्यादा लंबी नदी है।

भारतीय मसालों के लोकप्रिय निर्माता और निर्यातक प्रतिष्ठान एमडीएच का पूरा नाम महाशियां दी हट्टी है।

संयुक्त अरब अमीरात की जनसंख्या में प्रवासी नागरिकों का प्रतिशत 85 है, जिनमें 40 प्रतिशत लोग भारतीय हैं।

कर्नाटक के हरिहर नगर स्थित हरिहरेश्वर मंदिर की प्रतिमा आधी विष्णु और आधी शिव के रूप में हैं।

तेनाली राम के किस्से

जासूस सेवक

राजा कृष्णदेव की सेना ने कई राज्यों को अपने अधीन कर लिया था। उनके वर्चस्व से घबराकर बीजापुर के सुल्तान ने अपने एक सेवक को जासूस बनाकर विजयनगर भेजा। उस जासूस की योजना थी कि राजमहल में ही राजा की हत्या कर दी जाए। इसके लिए ब्राह्मण का भेष धरा। राजमहल में दरबार लगा था। तिलकधारी ब्राह्मण धारा-प्रवाह संस्कृत के श्लोकों से सभी को प्रभावित कर रहा था। कृष्णदेव तो इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने ब्राह्मण को अपने महल में ही ठहरने का स्थान दे दिया। तेनाली को यह सब उचित नहीं लगा। वे उस समय तो कुछ नहीं बोला मगर उस ब्राह्मण पर नजर रखने लगा। कुछ ही दिनों में तेनाली को ऐसा संकेत मिल गया कि वह ब्राह्मण राजा के विषय में व्यक्तिगत जानकारियां ले रहा है। तेनाली ने राजा को सचेत किया। एक बार ब्राह्मण की अनुपस्थिति में उसके कमरे की सफाई करते समय तेनाली भी वहां मौजूद था। उसने देखा और पूरा विश्वास हो गया कि यह ब्राह्मण के भेष में कोई जासूस है। तेनाली ने राजा से कहा-महाराज! ब्राह्मण, ब्राह्मण नहीं है।' राजा ने पूछा-'क्या मतलब?' 'यही कि महाराज यह कोई अन्य धर्म का मानने वाला है। यह आपसे छल कर रहा है,' तेनाली बोला। 'यदि तुम यह सिद्ध कर दो तो तुम्हें पुरस्कार मिलेगा', राजा ने कहा। उसी दिन तेनाली और राजा ने रात के समय उस ब्राह्मण के कमरे में प्रवेश किया। एक सैनिक भी उनके साथ था जिसके हाथ में गरम पानी की बाल्टी थी। तेनाली के आदेश पर सैनिक ने गरम पानी की बाल्टी को ब्राह्मण पर उड़ेल दिया। वह लगा उछलने और 'अल्लाह-अल्लाह' चिल्लाने लगा। राजा समझ गए यह बीजापुर के सुल्तान का जासूस है जो भेष बदलकर यहां छिपा हुआ था। राजा को देखते ही जासूस ने उन पर वार किया जिसे राजा के सैनिक ने अपनी तलवार पर रोक लिया। राजा ने एक ही वार से जासूस का वध कर दिया। अगली प्रातः पूरे नगर में चर्चा थी कि तेनाली के कारण राजा की जान बच गयी।

मिक्की और डोनाल्ड सिखाएंगे अंग्रेजी

डिजनी के फेमस कार्टून कैरेक्टर मिक्की माउस और डोनाल्ड डक अब सिर्फ बच्चों का मनोरंजन ही नहीं करेंगे, बल्कि उन्हें शिक्षा भी देंगे। मिक्की माउस और डोनाल्ड डक को चीन के बच्चों को अंग्रेजी सीखाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। फेवरेट कार्टून कैरेक्टर के जरिए हर साल तकरीबन डेढ़ लाख बच्चों को अंग्रेजी सिखाने का लक्ष्य रखा गया है। डिजनी पब्लिशिंग वर्ल्डवाइड के रसेल हैम्पटन ने बताया कि कार्टून कैरेक्टर से अंग्रेजी सिखाने का फंडा काफी लाभदायक साबित हो रहा है। दुनिया भर में चीन में सबसे अधिक अंग्रेजी शिक्षण के प्राइवेट सेक्टर खुल रहे हैं। इसलिए प्रारंभिक तौर पर चीन के बच्चों को कार्टून कैरेक्टर के माध्यम से अंग्रेजी सिखाने का प्रोजक्ट शुरू किया गया है। अंग्रेजी के बढ़ते चलन के कारण बच्चों को इसका ज्ञान देना पैरेंट्स के लिए जरूरी हो गया। आमतौर पर अंग्रेजी के ट्यूशन पर काफी खर्चा आता है और इसके साथ ही बच्चों को घर से बाहर भी जाना पड़ता है, लेकिन अब कार्टून कैरेक्टर के जरिए बच्चे बिना किसी खर्च के घर बैठे अंग्रेजी सीख पाएंगे। इससे बच्चों और उनके पैरेंट्स दोनों को काफी सहूलियत होगी।

इन बातों का रखो ध्यान

तुम किसी के भी घर जाते हो तो सबसे पहले वहां के लोग तुम्हारी एक्टिविटीज से तुम्हारे बेसिक मैनर्स को समझ जाते हैं। तभी तो कई लोगों को तुमने कहते सुना होगा कि वह बच्चा कितना समझदार है, उसके पेरेंट्स ने उसे कितने अच्छे मैनर्स सिखाएं हैं। इसलिए यह जरूरी है कि तुम्हें भी सभी बेसिक मैनर्स आएं, जिससे सब तुम्हारी और तुम्हारे मम्मी-पापा की तारीफ करें। तो कहीं भी जाओ, इन बातों का ध्यान रखो-

अगर किसी के कमरे का दरवाजा बंद है तो पहले दरवाजे पर नॉक करो और जवाब आने का इंतजार करो, फिर ही कमरे में घुसो।

अगर तुम्हें किसी से कुछ लेना है तो पहले सामने वाले से पूछो। खुद से उस वस्तु को मत उठा लो। हां, उसे वह चीज वापस करने का वादा भी करो। इस बात का भी ध्यान रखना कि टाइम पर चीज को वापस कर दो।

किसी की परमिशन के बिना उसकी पर्सनल चीजों को मत छेड़ो या खोलकर देखो। ये बहुत ही बुरी आदत मानी जाती है।

किसी की डायरी या खत मत पढ़ो।

घर की बातों को घर में ही रखो। अगर मम्मी-पापा के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई है या घर का बिजनेस ठीक नहीं चल रहा है या आपका भाई पढ़ने में अच्छा नहीं है, इस तरह की बातों को दूसरे के सामने मत बोलो।

सबसे जरूरी है कि अपना काम खुद ही करो। बाथरूम, टॉयलेट, किचन और टीवी रूम से निकलने से पहले उसे पहले की तरह साफ करके निकलो। पूरे घर में जूठे बर्तन मत फैलाओ। अपनी भीगी तौलिया खुद धूप में डालो।

पब्लिक प्लेस पर किसी का मजाक मत उड़ाओ। इससे सामने वाले को बहुत दुख होता है। मजाक उड़ाने से पहले ये जरूर सोचो कि अगर कोई तुम्हारा मजाक बनाएगा तो तुम्हें कैसा लगेगा।

कृत्रिम पत्ती बनाएगी बिजली

मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों के दल ने सिलिकॉन, इलेक्ट्रॉनिक्स, निकल और कोबाल्ट जैसे विभिन्न उत्प्रेरकों की सहायता से एक ऐसी कृत्रिम पत्ती का निर्माण किया है, जो सूरज की रोशनी और पानी से ऊर्जा पैदा करती है।

दरअसल, यह पत्ती सूरज की रोशनी का इस्तेमाल करके पानी को उसके घटकों हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में तोड़ देती है, जिनका इस्तेमाल बिजली पैदा करने में किया जा सकता है। इन पत्तियों की सहायता से भारत जैसे विकासशील देश में एक घर की प्राथमिकता जरूरत भर की बिजली पैदा की जा सकती है।

जरूरत की बिजली

इस दल का लक्ष्य अब कम से कम कीमत वाला एक ऐसा उपकरण बनाने का है, जिसे कोई भी अपने घर की छत पर या आसपास लगाकर प्राथमिक जरूरत की बिजली प्राप्त कर सके। जापान में सुनामी आने के बाद जिस तरह परमाणु विकिरण फैला, उससे सभी देशों में परमाणु संयंत्रों के खतरे को लेकर चीख पुकार मची हुई है और जर्मनी जैसे देशों ने तो परमाणु संयंत्रों की स्थापना को लेकर अपने कान पकड़ लिए है। इस पृष्ठभूमि में नई खोज एक वरदान की तरह सामने आई है।

खतरा भी ज्यादा

कोयले के भंडारों के कम होने और जल विद्युत के उत्पादन से होने वाले नुकसान, बल्कि पर्यावरणीय खतरे को ध्यान में रखते हुए दुनिया परमाणु ऊर्जा के विकल्प की ओर गई है, जो अपेक्षा स्वच्छ मानी जाती है, लेकिन इसका खतरा सभी तरह से ऊर्जा के मुकाबले कहीं ज्यादा है। ऐसे में सौर ऊर्जा ओर पवन ऊर्जा जैसे वैकल्पिक स्त्रोतों पर दुनिया भर में ध्यान दिया जा रहा है।

बदल जाएगी किस्मत

कृत्रिम पत्ती के जरिए इस तरह वैकल्पिक ऊर्जा तैयार करने से दुनिया की किस्मत बदल जाएगी और तेज गति से आर्थिक विकास कर रहे भारत और चीन को तो सुदूर बसे अपने गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से खास फायदा होगा। तब गांव-कस्बे के हर घर का अपना पावर-हाउस होगा। आकाश में बिजली के तड़कने से ही इतनी बिजली पैदा होती है कि दुनिया को उसका संरक्षण करना आ जाए तो वर्षों तक बिजली की कमी नहीं रहेगी।